मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	23.4	11.3
जमशेदपुर	24.4	09.6
डालटनगंज	24.9	04.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * * *

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in बुधवार, 17 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 270 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

झारखंड जल्द बनेगा शिक्षा का बड़ा हब

216 योजनाओं पर चल रहा है काम

अमित सिंह। रांची

झारखंड की शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य हो रहे हैं. शिक्षा को प्राइमरी से ही सुधारने के साथ उच्च स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भी ध्यान में रखा गया है. शिक्षा व्यवस्था को सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर राज्य सरकार विशेष ध्यान दे रही है. झारखंड को शिक्षा का हब बनाने की बात कही जा रही है. प्रदेश में शिक्षण संरचना मजबूत हो, इसके लिए 216 योजनाओं पर काम चल रहा है.

मार्च 2024 तक 40 प्रतिशत योजनाएं कंप्लीट हो जाएंगी. वहीं अन्य योजनाओं का काम अगले वित्तीय वर्ष के दूसरे क्वार्टर तक पूरा करने का लक्ष्य है. योजनाओं के निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड कर रहा है.

बन रहा 20 मल्टीपरपस एग्जामिनेशन हॉल

प्रदेश में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के तहत कुल 61 योजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें से 18 योजनाएं पूरी हो गईं हैं. धनबाद में बीबीएमकेयू विश्वविद्यालय का भवन बन गया है. वहीं बोकारो में एक इंजीनियरिंग कॉलेज, पलामू और धनबाद में एक एक मल्टीपरपस एक्जामिनेशन हॉल, 12 डिग्री कॉलेज और देवघर, गढ़वा में महिला महविद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है. गोड्डा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज भवन कंप्लीट हो गया है. बोकारो में दूसरे इंजीनियरिंग भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. जयनगर और कोडरमा में एक-एक स्टेट पॉलिटेक्निक भवन जल्द बन कर तैयार हो जाएगा.

कहां क्या बन रहा है

मल्टीपरपस एग्जामिनेशन हॉल
बोकारो, चतरा, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़, पलामू, रामगढ़, सरायकेला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम.

46 डिग्री कॉलेज : बोकारो, चतरा, देवघर, धनबाद, दुमका, पू. सिंहभूम, गढ़वा, गिरीडिह, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, पाकुड़, पलामू, रामगढ़, रांची, साहिबगंज, सरायकेला, सिमडेग, प. सिंहभूम.

8 महिला महाविद्यालय : देवघर, गढ़वा गुमला, कोडरमा, लोहरदगा, सरायकेला, सिमडेगा.

78 बालिका हॉस्टल जल्द बनकर तैयार हे जाएंगे

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरत विभाग के तहत 155 भवन निर्माण कराए जा रहे है, जिसमें 21 योजनाओं का निर्माण पूरा कर लिया गया है. प्रदेश में 10 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय और 10 मॉडल विद्यालय का भवन कार्य पूरा कर लिया गया है. झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के 38 भवन, मॉडल विद्यालय के 10 भवन और 78 बालिका हॉस्टल का निर्माण कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा. इन योजनाओं के पूर्ण होने से शिक्षा प्रणाली को और मजबूती मिलेगी.

ऐसे होगा स्कूली शिक्षा में बदलाव : प्रदेशभर में आवासीय विद्यालय, मॉडल स्कूल आदि का निर्माण हो रहा है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए समय समय पर समीक्षा करते हैं. वर्तमान में 50 योजनाओं का निर्माण कार्य मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है.

बन रहे 49 बालिका आवासीय विद्यालय
रांची, गुमला, सिमडेगा, पलामू, गढ़वा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, चतरा, देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम में.

20 मॉडल विद्यालय : खूंटी, कोडरमा, पाकुड, गिरिडीह, गुमला, धनबाद, गोड्डा, साहिबगंज, पश्चिमी सिहभूम में.

08 प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय : रांची, चतरा, बोकारो, पलामू, देवघर, रामगढ़, पू. सिंहभूम, प. सिंहभूम में.

78 बालिका हॉस्टल बोकारो, देवघर, दुमका, पू. सिंहभूम, गिरिडीह, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लोहरदगा, पाकुड़, रामगढ़, रांची, साहिबगंज, सिमडेगा, प. सिंहभूम में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,900
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

संबंध से इनकार मानसिक क्रूरता के समान होता है

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पत्नी का शादी नहीं निभाना और शारीरिक संबंध से इनकार करना मानसिक क्रूरता है और यह तलाक का वैध आधार है. इस मामले में हाईकोर्ट ने पीड़ित पति के पक्ष में फैसला सुनाया है.

मथुरा में शाही ईदगाह के सर्वेक्षण पर रोक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी. इस आदेश को मामले के हिंदू पक्षकारों के लिए झटका माना जा रहा है.

चंद्रबाबू की याचिका पर खंडित फैसला

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कौशल विकास निगम घोटाला मामले में प्राथमिकी रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर मंगलवार को खंडित फैसला सुनाया. अब इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस की कोर्ट करेगी.

'डीपफेक' पर सात दिन में कड़े नियम

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि 'डीपफेक' से निपटने के लिए अगले सात दिन में सख्त आईटी नियमों को अधिसूचित किए जाने की संभावना है.

राजस्थान में पूर्व मंत्री के घर ईडी की रेड

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक (पीएचई) विभाग के पूर्व मंत्री महेश जोशी और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी की. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी.

गुजरात, केरल, कर्नाटक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नयी दिल्ली। उभरते उद्यमियों के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में गुजरात, केरल तथा कर्नाटक सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य बनकर उभरे हैं. उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग में यह बात सामने आई है.

खुले बाजार में मिलेगा कोयला

■ साल दो साल में सरकार शुरू करेगी प्रक्रिया ■ कोयले के अवैध कारोबारियों की घटेगी मांग

अमित कुमार सिन्हा। धनबाद

फुट कर में कोयला खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है. कोयला कंपनियां व्यावसायिक खदानों की खरीदारी करने वालों को इसकी छूट देने का मन चुकी हैं. आनेवाले समय में आम लोगों को यह सुविधा मिलने लगेगी. झारखंड में बिक्री के लिए आवंटित कोल ब्लॉकों (वाणिज्यिक खदानें) में धीरे-धीरे कोयले का उत्पादन शुरू होने लगा है. अब संभावना जताई जा रही है कि आनेवाले साल दो साल में खुले बाजार में भी कोयला उपलब्ध होगा. वजह वाणिज्यिक खदानों को कोयला बेचने की स्वतंत्रता दी गई है. यह जानकारी कोयला कंपनी से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों ने दी है.

इतना ही नहीं कैप्टिव खदान भी जरूरत से ज्यादा कोयला होने पर बेच सकती हैं. कोयला वितरण की इस उदार नीति पर विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भट्ठे एवं छोटे-मोटे उद्योगों को आसानी से जरूरत के मुताबिक कोयला मिल सकेगा. इससे धनबाद के सॉफ्टकोक एवं हार्डकोक भट्ठों में नई जान भी आ जाएगी. जरूरतभर कोयला उपलब्ध होगा, तो झारखंड-पश्चिम बंगाल के कोयला क्षेत्रों में कोयला चोरी पर भी अंकुश लग जाएगा. विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में कोयले की मांग बहुत ज्यादा है और आपूर्ति कम है. इसी का लाभ कोयला तस्कर उठा रहे हैं. अनुमानतः कोयलांचल में कोयले का अवैध कारोबार इतना बड़ा है कि प्रति महीना लाखो टन कोयले का अवैध कारोबार किया जा रहा है.

अभी लोगों को आसानी से कोयला नहीं मिलता

मालूम हो कि वर्तमान में कोल इंडिया एवं अनुषंगी कंपनियों का कोयला आसानी से लोगों के लिए उपलब्ध नहीं है. लिंकेज के तहत पावर सेक्टर सहित कुछ अन्य उद्योगों को ही कोयला मिल पाता है. इसके बाद कोयला लेने के लिए ई-ऑक्शन ही एकमात्र रास्ता बचता है. ई-ऑक्शन में कोयला काफी महंगा होता है और 25-50 टन कोयले की जरूरत वाले लोगों को कोयले के लिए काफी परेशान होना पड़ता है. इसी को देखते हुए कैप्टिव और कॉमर्शियल माइंस से कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए तीन जनवरी को कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सह कोल ब्लॉक आवंटन के नामांकित प्राधिकारी एम. नागराजू ने कोल ब्लॉक लेनेवालों को जल्द से जल्द उत्पादन शुरू करने को कहा है. उन्होंने सभी आवंटियों से कहा है कि 2020 में जिन कोल ब्लॉकों का आवंटन किया जा चुका है, कम से कम उनमें उत्पादन अब शुरू हो जाना चाहिए.

6 खदानों ने शुरू किया उत्पादन

31 दिसंबर 2023 तक 50 कैप्टिव/वाणिज्यिक कोयला खदानें उत्पादन में हैं, जिनमें से 32 खदानें बिजली क्षेत्र को, 11 गैर-विनियमित क्षेत्र को और सात खदानें कोयले की बिक्री के लिए आवंटित की गई हैं. 2020 में वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी शुरू होने के साढ़े तीन साल के भीतर 14.87 मिलियन टन (एमटी) की संचयी पीक रेटेड क्षमता (पीआरसी) वाली छह खदानों ने पहले ही उत्पादन शुरू कर दिया है. उम्मीद है कि बाकी में भी जल्द उत्पादन शुरू हो जाएगा. इससे फुटकर में कोयला खरीदने वालों को कोयला आसानी से मिल सकेगा.

हर रोज हो रहा 4.3 लाख टन कोयला उत्पादन

बता दें कि दिसंबर 2023 में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से कुल कोयला उत्पादन 14.04 मिलियन टन था, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 10.14 मिलियन टन से अधिक था. वहीं, कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से भेजा गया कुल कोयला 13.32 मिलियन टन था, जो दिसंबर 2022 में 9.58 मिलियन टन से 39 अधिक था. दिसंबर 2023 के महीने में औसत दैनिक कोयला प्रेषण 4.3 लाख टन प्रतिदिन है. ज्यादातर कोल ब्लॉक झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आवंटित किए गए हैं.

हजारीबाग: कोयला कारोबारी इजहार अंसारी के ठिकानों पर ईडी की रेड

पूछताछ के बाद कारोबारी गिरफ्तार

- कारोबारी के हजारीबाग के पेलावल और रामगढ़ के कुजू स्थित फैक्ट्री में हुई छापेमारी

संवाददाता। रांची/हजारीबाग

राज्य के चर्चित कोयला व्यवसायी इजहार अंसारी मंगलवार को ईडी ने लंबी पूछताछ के बाद शाम 6 बजे गिरफ्तार कर लिया. बता दें कि इससे पहले अंसारी के पेलावल के पगमिल रोड में मिल्लत कॉलोनी मोहल्ला स्थित आवास पर सुबह ईडी ने छापेमारी शुरू की. सुबह करीब साढ़े छह बजे ईडी की टीम ने उनके आवास पर दस्तक दी. इस दौरान सीआरपीएफ जवानों ने पूरे घर को सुरक्षा घेरे में ले लिया. बताया जाता है कि कोल लिंकेज से जुड़े मामले को लेकर छापेमारी की गई.

इजहार अंसारी पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी कंपनियों के नाम पर कोल कंपनियों से रियायती दर पर कोयला उठाया और फिर खुले बाजार में बेच दिया. इसके पहले भी ईडी ने उनके घर पर छापेमारी की थी. पिछले साल तीन मार्च को छापेमारी के दौरान उनके ठिकाने से तीन करोड़ रुपए से अधिक नकद की बरामदगी हुई थी. वहीं, 22 जून 2023 को ईडी ने रांची दफ्तर बुला कर इजहार अंसारी से घंटों पूछताछ की थी. उनके घर से बरामद हुए करोड़ों रुपए और विभिन्न कंपनियों के दस्तावेज को लेकर विस्तृत जानकारी ली गई थी. -शेष पेज 13 पर

रामगढ़ में ओम कोक इंडस्ट्रीज के बाहर ईडी रेड के दौरान तैनात सीआरपीएफ जवान.

अवैध खनन मामला

ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे सीएम के प्रेस सलाहकार

सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को ईडी ने समन भेज कर मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन वो ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे. हालांकि काफी देर तक ईडी के अधिकारी अभिषेक प्रसाद का इंतजार करते रहे. इससे पहले 15 जनवरी को ईडी ने ग्रिड कंसल्टेंट के आर्किटेक्ट विनोद सिंह और 11 जनवरी को साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन वे दोनों भी ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. दूसरी तरफ झारखंड कैबिनेट की सचिव वंदना दादेल ने ईडी को पत्र लिखकर यह जानकारी मांगी है कि वह राज्य सरकार के अफसरों को किस आधार पर पूछताछ के लिए समन कर रही है.

खुडानिया समेत 30 लोगों से आज से पूछताछ

साहिबगंज जिला में हुए 1250 करोड़ के अवैध खनन मामले में ईडी ने कन्हैया खुडानिया सहित 30 लोगों से बुधवार से ईडी पूछताछ शुरू करेगी. गौरतलब है कि बीते तीन जनवरी को कन्हैया के घर में छापेमारी के दौरान ईडी को छह लाख नकदी के साथ 30 अलग-अलग बेनामी बैंक अकाउंट के खाते मिले थे. इन बेनामी अकाउंट खातों की जांच मामले के दौरान सामने आए नाम के लोगों को समन जारी किया गया है. अब इस मामले में इन सभी 30 खाताधारकों से ईडी की टीम पूछताछ करेगी.

22 को अयोध्या में पीएम का सियासी कार्यक्रम

कोहिमा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में 22 के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को राजनीतिक और पीएम मोदी मोदी एवं संघ का कार्यक्रम बना दिया गया है. इसीलिए कांग्रेस ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया. यह दावा भी किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की स्थिति अच्छी है और वह इस लोस चुनाव में भाजपा को पराजित करेगा. हम सभी धर्मों के साथ हैं. हिंदू धर्म से जुड़े सबसे प्रमुख लोगों (शंकराचार्य) ने भी अपने विचार प्रकट किए हैं कि यह एक राजनीति कार्यक्रम है.

पीएम मोदी नहीं होंगे प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान

अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रामभक्तों में उत्साह है. इस बीच जानकारी आई हैं कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमान पीएम नरेंद्र मोदी नहीं होंगे. रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी संकल्प, प्रायश्चित और गणेश पूजा कर 7 दिनों तक बतौर मुख्य यजमान दायित्व निभाएंगे और भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा में भी मौजूद रहेंगे. कहा जा रहा है कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के मुख्य यजमान गृहस्थ ही हो सकते हैं. हालांकि पीएम मोदी को प्रतीकात्मक यजमान मानने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं.

भाईचारे की मिसाल राजधानी रांची में मुस्लिम परिवार बना रहा भगवान श्रीराम के झंडे

3 लाख झंडों का है ऑर्डर

सैयद रमीज जावेद। रांची

अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है. इसकी तैयारी पूरे देश भर में जोर-शोर से चल रही है. रांची में भी श्रीराम की पतकाएं लहराने लगी हैं. चारों ओर श्रीराम के बड़े-बड़े झंडे लगाए जा रहे हैं. रांची का मौहाल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है.

वहीं शहर के हिंदपीढ़ी में एक मुस्लिम परिवार सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी एकता की मिसाल भी पेश कर रहा है. पेशे से दर्जी अलहाज अहमद का पूरा परिवार दिन-रात भगवान श्रीराम की छविवाले झंडे तैयार कर रहा है. परिवार के सभी सदस्यों के साथ ही साथ कारीगरों की पूरी टीम छोटे-बड़े झंडे तैयार कर रही है. झंडे तैयार करने में साफ-सफाई का पूरा-पूरा ख्याल रखा जा रहा है. इस बात का भी ख्याल रखा जा रहा है भगवान श्रीराम के झंडे तैयार करने के क्रम में गलती से भी पैर न लग जाए.

परिवार के सदस्य सहित दर्जन भर कारीगर झंडे तैयार कर रहे

हिंदपीढ़ी का यह मुस्लिम परिवार पेशे से दर्जी है और इनके पास तीन लाख से अधिक महावीरी झंडों का ऑर्डर है. परिवार के साथ ही साथ दर्जन भर कारीगर पिछले कई दिनों से दिन-रात झंडे तैयार करने में लगे हैं, ताकि समय पर हिंदू भाइयों के भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा की मुकम्मल तैयारी कर सकें. अलहाज बताते हैं कि परिवार के सभी लोग भगवान के साथ महावीरी पताकाएं न सिर्फ तैयार करनें में कारीगरों को सहयोग कर रहे हैं, बल्कि शहर के मंदिरों से संपर्क कर खुद भी झंडे रियायती दर पर उपलब्ध करा रहे हैं. कई धार्मिक संगठनों ने भी झंडे तैयार करने का आर्डर दे रखा है. झंडे तैयार होने के बाद उन संगठनों तक उनकी टीम के सदस्य खुद झंडे पहुंचा भी रहे हैं.

ध्वज पर दिखेंगे राम, लखन और हनुमान

कारीगर अलहाज ने बताया सभी झंडों में एक तरफ हनुमान जी की छवि है और दूसरी तरफ हनुमान जी के कंधों पर राम और लक्ष्मण की छवि है. उनके साथ अकरम, अरहान और शमीम 24 घंटे काम पर लगे हैं, ताकि 22 के पहले ही ऑर्डर पूरे किए जा सकें और उनका पूरी परिवार भी इस ऐतिहासिक पल का गवाह बन सके. उन्होंने कहा कि हमारे परिवार ने हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत बनाने की हमेशा पहल की है. पिछले 40 साल से हमने रामनवमी पर हजारों महावीरी ध्वज बनाये हैं. अमूमन सभी पूजा व रामनवमी समितियां हमेशा हमसे ही महावीरी पताकाएं सहित श्रीराम-लखन, जानकी की छवि वाले बड़े झंडे बनवाती रही हैं. हम हर वर्ष रामनवमी पर हजारों झंडे तैयार करते हैं, लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए जितनी भव्य तैयारी हो रही है और जितने बड़े पैमाने पर झंडे बनाने के ऑर्डर मिले हैं, उससे उनका पूरी परिवार खुश है और लगता है कि इस बार झंडे तैयार करने का कीर्तिमान बनाने वाले हैं. हर धर्म-संप्रादय के लोगों को एक-दूसरे की आस्था व उनके ईष्ट का सम्मान करना चाहिए.

22 को ममता की 'सद्भावना रैली' मंदिर मस्जिद, चर्च व गुरुद्वारा से गुजरेगी

एजेंसी। कोलकाता

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अपने 22 जनवरी के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है. अयोध्या में एक तरफ जहां राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी, तो वहीं ममता बंगाल में 'सद्भाव के लिए रैली' निकाल रही होंगी. इस रैली में तमाम धर्मों के लोग भी शामिल होंगे. ममता ने बताया कि रैली दक्षिण कोलकाता के हाजरा क्रॉसिंग से शुरू होगी. इससे पहले वह कालीघाट मंदिर में काली माता की पूजा करेंगी.

ममता ने कहा,वह 22 को कालीघाट जाएंगी और पूजा करेंगी. इसके बाद वह सभी धर्म के लोगों के साथ 'सद्भाव रैली' निकालेंगी. साथ ही सीएम ममता ने कहा कि इसका किसी अन्य प्रोग्राम से लेना-देना नहीं है. उन्होंने बताया कि रैली का आयोजन टीएमसी ने किया है. ममता ने कहा कि 'प्राण प्रतिष्ठा' और अन्य धार्मिक अनुष्ठान पुजारियों का काम है. यह हमारा काम नहीं है कि हम प्राण प्रतिष्ठा करें. हमारा काम सुविधाओं को मजबूत करना है. उनकी रैली सभी धर्मों के धार्मिक स्थानों से होकर गुजरेगी. इसका समापन पार्क सर्कस में होना है और इससे पहले रैली मस्जिद, मंदिर, चर्च और गुरुद्वारा के रास्ते से गुजरेगी. तमाम जिलों में ऐसी ही रैली निकालने की अपील की गयी है.

बोलीं ममता

- मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा साधुओं का काम, हमारा नहीं
- बंगाल के हर जिले में निकाली जाएगी सद्भावना रैली

ऊर्जा विभाग ने सबसे अधिक 94 फीसदी राशि खर्च की, स्कूली शिक्षा विभाग 50 फीसदी से अधिक खर्च कर चुका है राशि

खर्च करने में ऊर्जा विभाग नंबर वन, स्कूली शिक्षा विभाग दूसरे नंबर पर

रवि भारती। रांची

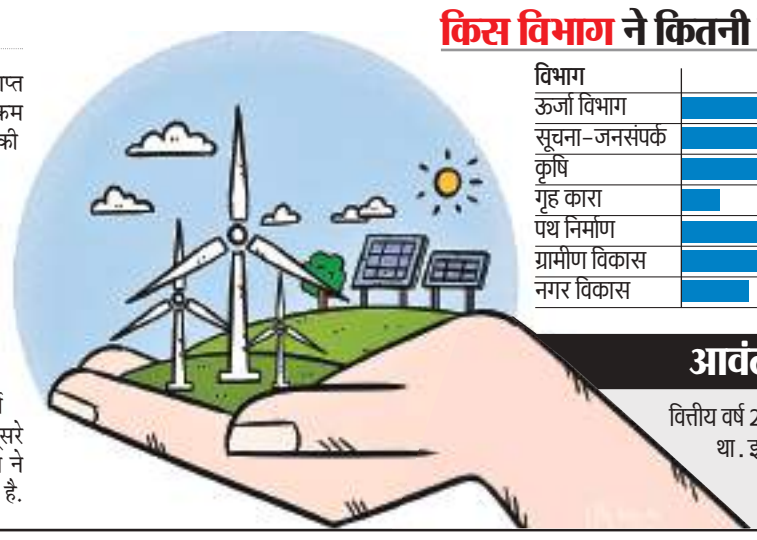

वित्तीय वर्ष 2023-24 के समाप्त होने में सिर्फ ढाई महीने से भी कम बचे हैं. लेकिन कई विभाग बजट की राशि नहीं खर्च कर पा रहे हैं. खर्च करने की रफ्तार धीमी हो गई है. हालांकि सभी विभागों ने दावा कि है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक शत-प्रतिशत राशि खर्च की जाएगी. वहीं ऊर्जा विभाग कर्च करने में सबसे आगे है. ऊर्जा विभाग ने अब तक 94 फीसदी राशि खर्च की है. वहीं स्कूली शिक्षा विभाग दूसरे नंबर पर है. स्कूली शिक्षा विभाग ने लगभग 59 फीसदी राशि खर्च की है.

किस विभाग ने कितनी फीसदी राशि खर्च की

विभाग	खर्च का प्रतिशत
ऊर्जा विभाग	94
सूचना-जनसंपर्क	58
कृषि	29
गृह कारा	14
पथ निर्माण	52
ग्रामीण विकास	47
नगर विकास	25

आवंटन में देरी से खर्च की रफ्तार हुई धीमी

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एक लाख 16 हजार 418 करोड़ रुपए का बजट सदन में पेश किया गया था. इस बजट में योजना मद में 82 हजार 128 करोड़ का प्रावधान किया गया था. चालू वित्तीय वर्ष के पहले तिमाही में बजट अनुरूप विभागों के आवंटन में देरी होती चली गई जिसके कारण खर्च की रफ्तार धीमी रही.

कृषि विभाग के तहत कई शाखाओं में कम राशि खर्च

कृषि एवं पशुपालन विभाग के तहत कई शाखाओं में कम राशि खर्च की गई है. कृषि के लिए स्वीकृत राशि 950.17 करोड़ है. जिसमें 231.52 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए हैं. खर्च का प्रतिशत फिलहाल 24 फीसदी ही है. उद्यान के लिए 147 करोड़ में से 71 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए हैं. खर्च का प्रतिशत 48 फीसदी है. भूमि संरक्षण के 537 करोड़ 83.44 करोड़ ही खर्च किया जा सका है. खर्च का प्रतिशत 16 फीसदी है.

सहकारिता में 87 फीसदी खर्च

कृषि विभाग के अंतर्गत आने वाला सहकारिता विभाग के लिए स्वीकृत राशि 191.21 करोड़ है. इसमें से 166.88 करोड़ रुपए खर्च की जा चुकी है. इसका खर्च का प्रतिशत 87 फीसदी है. वहीं पशुपालन के लिए 260.43 करोड़ रुपये स्वीकृत है. इसमें से 19.52 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं. खर्च का प्रतिशत 0.8 फीसदी है. वहीं डेयरी के लिए 190.50 करोड़ स्वीकृत राशि है. इसमें सिर्फ 28.42 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. अभी तक खर्च का प्रतिशत 15 फीसदी है. मत्स्य के लिए 115.04 करोड़ स्वीकृत राशि में से 72.75 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. यह खर्च का 63 फीसदी है.

विजय हांसदा और गीता कोड़ा का अटेंडेंस सबसे कम

सूबे के 14 एमपी ने 2942 और 6 राज्यसभा सांसदों ने 1056 सवाल पूछे

- सवाल पूछने में पीछे रहे सुनील सोरेन और विजय हांसदा
- राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने सबसे अधिक 660 सवाल पूछे

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के 14 लोकसभा सांसदों ने कुल 2942 सवाल पूछे. इसमें सबसे कम अटेंडेंस विजय हांसदा और गीता कोड़ा का रहा. विजय हांसदा की सदन में उपस्थिति 65 फीसदी ही रही. जबकि गीता कोड़ा की उपस्थित 69 फीसदी रही. वहीं चंद्रप्रकाश चौधरी की 73 फीसदी ही उपस्थिति रही. वहीं राज्य के छह राज्यसभा सांसदों ने कुल 1056 सवाल पूछे. इसमें सबसे अधिक धीरज प्रसाद साहू ने 660 साल पूछे. राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की उपस्थिति सबसे कम रही. उनकी उपस्थिति सिर्फ 39 फीसदी ही रही.

विद्युत वरण महतो ने सबसे अधिक सवाल पूछे

बीजेपी सांसद विद्युत वरण महतो ने सबसे अधिक सवाल पूछे. विद्युत ने 616 सवाल पूछे. जबकि सबसे कम सवाल बीजेपी सांसद सुनील सोरेन ने एक भी सवाल नहीं पूछा. सुनील सोरेन ने सिर्फ 10 बार ही डिबेट में शामिल हुए. विजय हांसदा ने सिर्फ 27 सवाल ही पूछे हैं.

क्या है संसद में झारखंड के सांसदों का रिपोर्ट कार्ड

सांसद	उपस्थिति	डिबेट	सवाल
विद्युत वरण महतो	89 फीसदी	83	616
सुनील सिंह	95 फीसदी	64	418
निशिकांत दुबे	95 फीसदी	188	360
वीडी राम	89 फीसदी	76	308
गीता कोड़ा	69 फीसदी	14	269
जयंत सिन्हा	90 फीसदी	37	260
संजय सेठ	86 फीसदी	73	202
चंद्रप्रकाश चौधरी	73 फीसदी	14	160
पीएन सिंह	88 फीसदी	18	118
सुदर्शन भगत	94 फीसदी	31	107
अन्नपूर्णा देवी	79 फीसदी	31	97
जय हांसदा	65 फीसदी	13	27
सुनील सोरेन	92 फीसदी	10	00

(नोट : केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा का डेटा उपलब्ध नहीं है)

ऐसा है राज्यसभा सांसदों का परफॉरमेंस

सांसद	उपस्थिति	डिबेट	सवाल
आदित्य प्रसाद साहू	96 फीसदी	07	68
दीपक प्रकाश	91 फीसदी	47	189
धीरज प्रसाद साहू	66 फीसदी	04	660
महुआ माजी	85 फीसदी	36	39
समीर उरांव	85 फीसदी	48	100
शिबू सोरेन	39 फीसदी	00	00

अनुकंपा के आधार पर 3 नियुक्ति को मिली सहमति

रांची। राहुल कुमार सिन्हा उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला अनुकंपा समिति रांची ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में बैठक की. ये बैठक अनुकंपा समिति के आधार पर नियुक्त को लेकर की गयी. इसमें सामान्य व चौकीदार के आश्रित से संबंधित मामलों की समीक्षा हुई. बैठक में जिला स्थापना उप-समाहर्ता रांची स्वेता वेद व सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे. **जिला अनुकंपा समिति ने इन्हें दी नियुक्ति :** ग्रामीण पुलिस चौकीदार के अनुकम्पा में 1 की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई. जिला अनुकंपा समिति सामान्य में 2 की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गयी.

CLASSIFIED

पंडरा ओपी की पुलिस ने छपरा में अनिल सिंह के घर पर पोस्टर चिपकाया

फरार चल रहे अवर सचिव के घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

संवाददाता। रांची

फरार चल रहे अवर सचिव अनिल कुमार सिंह के घर पर पुलिस ने मंगलवार को इश्तेहार चिपकाया. पुलिस ने सरेंडर नहीं करने पर कुर्की जब्ती की भी चेतावनी दी है. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पंडरा ओपी की पुलिस ने बिहार के छपरा जिला स्थित अनिल सिंह के आवास पर इश्तेहार चिपकाया है. बीते 12 दिसंबर 2023 को कृषि विभाग के अवर सचिव सह तत्कालीन हेहल सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था.

आदिवासी जमीन को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराने का है मामला : पंडरा में आदिवासी जमीन को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराने के मामले में पूर्व सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ वारंट जारी हुआ है. इस मामले में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने डोरंडा थाना क्षेत्र के रहने वाले चंद्र भूषण सिंह समेत कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था. इन सभी पर आरोप है कि हेहल सीओ अनिल कुमार के सहयोग से करीब साढ़े चार एकड़ आदिवासी जमीन को संजय साहू नाम के व्यक्ति से रजिस्ट्री करा लिया था. इस मामले में भूषण प्रसाद सिंह समेत अन्य के खिलाफ पंडरा ओपी में बीते 24 मई 2017 को कांड संख्या 260/17 दर्ज किया गया था.

सीएम ने प्राथमिकी दर्ज करने की दी थी अनुमति

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हेहल सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति दे दी थी. सीओ अनिल कुमार सिंह पर आय से अधिक संपत्ति मामले में सीएम ने प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति दी थी. अनिल कुमार सिंह के खिलाफ निलंबन के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 29 जनवरी 2021 को स्वीकृति दी थी. सीओ पर कई तरह के आरोप लगे थे. राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा सीओ के खिलाफ मिली शिकायतों को लेकर गठित आरोप पत्र और उनके द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पर रांची डीसी द्वारा दिए गए सुझाव पर यह निर्णय लिया गया है. डीसी ने अपने मंतव्य में सीओ के स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं बताया था.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा से आने वाला है बड़ा बदलाव : सुबोधकांत

रांची । पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिये देश में बड़ा बदलाव आने वाला है. इस यात्रा के जरिये दबे लोगों की आवाज उठाने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं. यात्रा की शुरुआत से ही लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है. सुबोधकांत मंगलवार को रांची महानगर कांग्रेस की विस्तारित कमेटी की बैठक में बोल रहे थे. बैठक में न्याय यात्रा की तैयारियों पर भी चर्चा की गयी.

हम लड़ रहे हैं सामाजिक न्याय की लड़ाईः कुमार राजा : कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने कहा कि हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ भाजपा हमें धर्म के नाम पर तोड़ने का काम कर रही हैं. राहुल गांधी कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा सबसे अधिक समय झारखंड में बिताएगी, जिसपर विस्तार से चर्चा की गयी. बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के अलावा अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in बुधवार, 17 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 270 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

इटली को हरा कर भारत सेमीफाइनल में

शुभम किशोर। रांची

आखिरी पूल मैच में 5-1 से जीत दर्ज कर भारत के हौसले बुलंद

सेमीफाइनल में जर्मनी से होगा मुकाबला

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के अंतिम पूल मैच में मंगलवार को इटली को 5-0 से शिकस्त देकर भारत ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. गुरुवार 18 जनवरी को फाइनल में जगह बनाने के लिए भारत का मुकाबला वर्ल्ड नंबर 5 की टीम जर्मनी से होगा. मंगलवार को भारत और इटली के बीच आखिरी लीग मैच खेला गया. जिसमे भारत ने 5-0 से जीत दर्ज की. मुकाबले के 45 वें सेकेंड भारत ने गोल कर इटली पर दबाव बना दिया. अपना 100 वां अंतराष्ट्रीय मुकाबला खेल रही उदिता ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 1-0 की लीड दिलाई. पहले हॉफ का खेल खत्म होने तक भारत ने 1-0 की लीड लेकर इटली पर दबाव बनाए रखा. मुकाबले में इटली ने वापसी की कोशिश की लेकिन नाकाम रही. मुकाबले का दूसरा गोल 41 वें मिनट में आया. भारत को मिले पेनाल्टी स्ट्रोक को दीपिका ने लिया और गोल कर लीड को 2-0 किया. झारखंड की सलीमा टेटे ने मुकाबले का तीसरा गोल किया. इटली की डिफेंस को छकाते हुए 45 वें मिनट में फील्ड गोल कर भारत को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया. भारत ने फिर चौथा गोल दागा. नवनीत ने 53 वें मिनट में गोल कर लीड को 4-0 कर जीत पक्की कर दी. उदिता ने एक और गोल कर लीड को 5-0 किया. मैच के अंतिम क्षणों में इटली की कैमिला ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदल कर भारती की जीत का अंतर 5-1 गोल कर दिया.

इधर, अमेरिका, जर्मनी, जापान भी सेमीफाइनल में

जर्मनी ने चेक गणराज्य को 10-0 से हराया

सोंजा जिमेरमान की हैट्रिक के दम पर जर्मनी ने मंगलवार को चेक गणराज्य को 10 . 0 से हराकर एफआईएच महिला ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. जिमेरमान ने 42वें मिनट में फील्ड गोल करने के बाद 46वें और 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागे. जेट्टे फ्लेशट्ज (22वां और 44वां मिनट) और चार्लोट स्टापेनहोर्स्ट (19वां और 43वां मिनट) ने दो दो गोल दागे. इनके अलावा नाइक लोरेंज (39वां), पाओलिन हेंज (54वां) और सेलिन ओरूज (55वां) ने गोल किये. दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के सामने 25वीं रैंकिंग वाली चेक टीम ठहर ही नहीं सकी. चेक गणराज्य को मैच में एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला जबकि जर्मनी ने 13 पेनल्टी कॉर्नर बनाये. जर्मन गोलकीपर नताली कुबालस्की पूरे 60 मिनट तक मूक दर्शक बनी रही, क्योंकि चेक टीम हमले ही नहीं बोल सकी. इस जीत के बाद जर्मन टीम पूल ए में सात अंक लेकर शीर्ष पर है और उसका गोल अंतर प्लस 13 है. अगर टीम शीर्ष पर बनी रहती है, तो सेमीफाइनल में उसका सामना पूल बी की दूसरे नंबर की टीम से होगा. पूल ए के दूसरे मैच में जापान का सामना चिली से होगा.

जापान की चिली पर 2-0 से जीत

जापान ने चिली को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है. पूल ए में जर्मनी के बाद जापान सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली दूसरी टीम बनी. मंगलवार को जापान और चिली के खिलाफ मुकाबला खेला गया. जापान ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबले के एक मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर जीत कर चिली पर दबाव बना दिया. जापान की काना उराता ने पेनाल्टी को गोल में बदल कर जापान 1-0 से लीड दिला दी. जापान के लिए दूसरा गोल मियु हसेगवा ने किया. चिली के डिफेंस को भेद कर मुकाबले के 23 वें मिनट में फाइल गोल दाग कर स्कोर 2-0 कर दिया. मुकाबले के बाकी समय में जापान हावी रहा, लेकिन मुकाबले के अंत तक स्कोर 2-0 ही रहा.

अमेरिका ने न्यूजीलैंड को 1-0 से दी मात

एलिजाबेथ येगर ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जिससे अमेरिका ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड पर 1-0 से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया. येगर ने यह महत्वपूर्ण गोल खेल के 17वें मिनट में किया, जिससे अमेरिका पूल बी में शीर्ष पर रहा. अमेरिका ने पूल बी में अपने तीनों मैच जीते. वह सेमीफाइनल में जापान से भिड़ेगा. न्यूजीलैंड ने तीन अंक के साथ अपने अभियान का अंत किया. न्यूजीलैंड ने शुरू में दबाव बनाया, लेकिन अमेरिका ने जल्द ही लय हासिल कर दी. येगर ने अपनी टीम को मिले तीसरे पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला.

ब्रीफ खबरें

3 साल से जमे अफसरों के तबादले के लिए हुई बैठक

रांची। राज्य में तीन साल से जमे डीएसपी स्तर के अधिकारियों का भी तबादला होना है. इसे लेकर मंगलवार को बोर्ड की बैठक हुई है. जल्द ही तीन साल से जमे डीएसपी स्तर के अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का लिस्ट होगी. डीएसपी रैंक में 93 नवप्रोन्नतों की पोस्टिंग होनी है. सरकार की ओर से 150 से अधिक डीएसपी की पोस्टिंग होनी है. वहीं तकरीबन दो दर्जन जगहों पर डीएसपी स्तर के पद रिक्त हैं. कई अनुमंडलों में डीएसपी के कई पद खाली पड़े हैं. बालूमाथ, निरसा, टंडवा, पलामू जिले के सदर, हुसैनाबाद, बड़कागांव, बुंडू, लोहरदगा, खलारी, सरायेकला एसडीपीओ समेत कई अनुमंडल में डीएसपी का पद खाली है या फिर दूसरे अनुमंडल के डीएसपी को प्रभार दिया गया है.

मालगाड़ी के 3 डिब्बे पटरी से उतरे

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के टाटानगर यार्ड में मंगलवार तड़के मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कुछ घंटों के लिए रेल सेवाएं प्रभावित हुईं. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना तड़के 3.17 बजे हुई, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में टाटा-चक्रधरपुर खंड के अप और डाउन दोनों पटरियों पर ट्रेनों की आवाजाही अवरुद्ध हो गई. क्षेत्रीय रेल प्रबंधक अभिषेक सिंघल ने कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि घटना के बाद लगभग एक दर्जन लंबी दूरी की ट्रेनों को विभिन्न स्टेशन पर कुछ घंटे के लिए रोक दिया गया. प्रभावित ट्रेनों में पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस, मुंबई-हावड़ा मेल, गोरखपुर-शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस, नयी दिल्ली-पुरी एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस और गीतांजलि एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं. सिंघल ने कहा कि सुबह 6.30 बजे अप पटरी पर ट्रेनों की आवाजाही फिर से शुरू हो गई.

राजगंज -कतरास मुख्य मार्ग के गुहीबांध में भू-धंसान

दुकान और गैराज सहित सामान जमीन में समाया

संवाददाता। कतरास

रुक-रुक कर तेज आवाज के साथ हो रहे भूं-धसान से मची भगदड़

- दुकान संचालक और कर्मियों ने भाग कर बचायी जान
- पुलिस ने घटनास्थल की बैरिकेडिंग कर सील किया
- एहतियात के तौर पर राजगंज -कतरास मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक

मंगलवार की देर शाम राजगंज कतरास मुख्य मार्ग के गुहीबांध मिल्लत कमेटी के समीप स्थित रजा स्टील फर्नीचर की दुकान तथा डेटिंग गैरेज में भूं-धसान से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना से दुकान में रखे पलंग-अलमारी डेटिंग और गेराज में रखें कई सामान सहित दुकान का आधा हिस्सा जमीन में समा गया. वहीं दुकान संचालक सहित कर्मी घटना में बाल-बाल बच गये. घटना में करीब 5 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है.

रुक रुक कर तेज आवाज के साथ हो रहे भू- धसान से वहां भगदड़ मच गई. आसपास के लोग अपने दुकान-मकान छोड़ कर इधर-उधर भागने लगे. खबर पाकर कतरास रामकनाली ओपी पुलिस और सीआइएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और लोगों से जानकारी लेकर घटनास्थल की बैरिकेडिंग कर दी. पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया है. किसी के भी आने-जाने पर रोक लगा दी गयी है. वहीं कतरास राजगंज मुख्य मार्ग होने के कारण उक्त मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया. दुकान संचालक नवाब अंसारी ने बताया कि शाम करीब 8 बजे दुकान में कारीगर स्टील की अलमारी बना रहे थे, तभी अचानक जोरदार आवाज के साथ दुकान में रखी अलमारी-पलंग सहित कई सामान जमीन में समाने लगे. हम लोग जान बचा कर किसी तरह से दुकान से बाहर भागे. इसके बाद दुकान की दीवारों व आसपास के जमीन में दरारें आनें लगी. उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे अवैध खनन के कारण इस तरह की घटना हो रही है.

अभी और सताएगी ठंड

आज से झारखंड के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना

संवाददाता। रांची

झारखंड में ठंड अभी और सताएगी. मौसम विभाग के अनुसार झारखंड में शीतलहर, कोहरे के साथ बुधवार से बारिश की भी संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार 17 से 19 जनवरी तक रांची समेत गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, खूंटी, सरायकेला खरसांवां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, गुमला में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. राज्य में अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 3-5 डिग्री की वृद्धि हो सकती है. 20 जनवरी से न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा राज्य के पश्चिम भाग में कहीं कहीं पर शीत लहर व मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा राज्य के पूर्वी भाग में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया. वहीं पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं शीत लहर चली. उच्चतम तापमान 27.4 चाईबासा में जबकि सबसे कम पारा 3.1 डिग्री गुमला में दर्ज किया गया

शहरों के तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.2	6.9
जमशेदपुर	26.0	9.6
डाल्टेनगंज	23.7	4.7
बोकारो थर्मल	23.1	7.1
चाईबासा	27.4	8.4
देवघर	21.1	9.4
गिरिडीह	21.5	7.7
गड़वा	22.0	4.3
गोड्डा	15.9	11.5

अब स्कूल का टाइम सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक

धनबाद। बढ़ती ठंड व शीतलहर को देखते हुए उपायुक्त वरुण रंजन ने जिले के सभी निजी, गैर सरकारी, अल्पसंख्यक आदि विद्यालयों को विद्यालयों के अध्यापन अवधि में बदलाव करने का आदेश दिया है. उपायुक्त के आदेशानुसार सभी विद्यालयों में सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक अध्यापन अवधि रहेगी. उपायुक्त ने कहा कि भीषण ठंड व तापमान में आई अचानक गिरावट के कारण स्कूल जाने वाले बच्चे को सुबह में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. इसमें बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बनी रहती है. इसी को ध्यान में रखते हुए सभी कोटि के विद्यालयों के लिए अध्यापन अवधि में बदलाव की गई है. यह आदेश तत्काल प्रभाव से 31 जनवरी 2024 तक प्रभावी रहेगा व सभी संबंधित विद्यालय प्रबंधन तथा पदाधिकारियों को इसका अनुपालन करना होगा.

गैस सिलिंडर फटने से ऑटो चालक घायल हुआ

संवाददाता। आदित्यपुर

गम्हरिया स्थित पारंपरिक घोड़ा बाबा मंदिर परिसर में लगे मकर संक्रांति के मेले में मुख्य अचानक गुब्बारे में गैस भरने वाला सिलिंडर ब्लास्ट हो गया, जिससे भगदड़ मच गई. ब्लास्ट इतना जोरदार था कि सड़क पर गुजरते ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया. इस हादसे में ऑटो चालक बुरी तरह से घायल होकर लहूलुहान हो गया. मौके पर स्थानीय लोगों ने घायल को उचित इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. बताया जाता है कि बीते 200 सालों प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के एक दिन के बाद यहां पारंपरिक विधि से अखान जात्रा पूजा की जाती है. जहां भगवान बलराम एवं भगवान श्री कृष्ण की पूजा काले और श्वेत घोड़े के रूप में होती है. सुबह 4:00 बजे से ही यहां हजारों श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था. मंगलवार सुबह 7:30 बजे के दरम्यान एक जोरदार धमाका हुआ जिससे पूजा स्थल में भगदड़ मच गयी.

5 इंजीनियर आईएएस अफसरों के जिम्मे पलामू

संजीत यादव। पलामू

वैसे तो जिले में दो आईएएस अधिकारी होते हैं. लेकिन झारखंड का पलामू एक ऐसा जिला है जिसे पांच बड़े आईएएस अधिकारी चला रहे हैं. खास बात यह है कि वो सभी पांचों आईएएस अधिकारी इंजीनियर भी हैं. सभी आईएएस अधिकारी अलग-अलग विभाग संभाल रहे हैं. पलामू जिला कभी नक्सल प्रभावित हुआ करता था. यहां पर अधिकारी आने से डरते थे. लेकिन समय बदलता गया और आज पलामू में पांच आईएएस अधिकारी प्रशासन की कमान संभाल रहे हैं. जिले में डीसी, डीडीसी, नगर आयुक्त, हुसैनाबाद एसडीएम और एक प्रशिक्षु आईएएस तैनात हैं.

1. आईएएस शशि रंजन पलामू के उपायुक्त के पद पर पदस्थापित हैं.
2. .आईएएस जुनैद हुसैन नगर आयुक्त की जिम्मेवारी संभाल रहे हैं.
3. आईएएस रवि आनंद डीडीसी के पद पर हैं.
4. आईएएस आशीष गंगवार हुसैनाबाद एसडीएम के पद पर हैं तैनात.
5. आईएएस रवि प्रशिक्षु आईएएस के तौर पर पलामू में हैं और वे फिलहाल एडिशनल कलेक्टर का प्रभार संभाल रहे हैं.

सभी आईएएस अधिकारी आईआईटी और नीट से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है. बीटेक की डिग्री लेने के बाद सभी ने यूपीएससी परीक्षा क्वालिफाई किया है.

स्कूल बस में लगी आग बाल-बाल बचे सवार बच्चे

धनबाद। डीएवी कोयला नगर के समीप मंगलवार की सुबह स्कूल बस में अचानक आग लग गई. स्थानीय लोगों की सूझ-बूझ से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी घटना टल गई.

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, डीएवी स्कूल कोयला नगर की बस (संख्या बीआर 21जी 8203) सुबह में बच्चों को लेकर जैसे ही स्कूल पहुंची, बस से धुआं उठने लगा. धुआं देख वहां भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई. बच्चों में अफरातफरी मच गई. अभिभावकों ने बताया कि स्थानीय लोगों की सूझ-बूझ से बड़ी दुर्घटना होने से टल गई.

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में प्रदर्शन

दो साल के कोर्स को 15 दिनों में करा निबंधन कराने का किया विरोध

संवाददाता। जमशेदपुर

प्रदर्शन करते पारा मेडिकल स्टाफ.

झारखंड के तीन सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दो साल के कोर्स को 15 दिनों में पूरा करा निबंधन किया जा रहा है. इससे पारा मेडिकल स्टाफ में आक्रोश देखा जा रहा है. मंगलवार को पारा मेडिकल स्टाफ का गुस्सा फूट पड़ा. पारा मेडिकल स्टाफ ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान हेमंत सोरेन और बन्ना गुप्ता हाय-हाय के भी नारे लगाए गए. पारा मेडिकल स्टाफ का कहना था कि उन लोगों ने दो साल का डिप्लोमा कोर्स किया है और साथ ही एक साल का इंटर्नशिप को भी पूरा किया है जिसके बाद वे लोग अनुबंध पर काम कर रहे है. अब झारखंड सरकार द्वारा पारा मेडिकल स्टाफ को स्थाई करने के लिए कुल 600 से ज्यादा पद निकाले गए है जिसके लिए झारखंड में निबंधन होना आवश्यक है. अब पूर्व में जिन लोगों ने राज्य के बाहर छह माह का कोर्स किया है उन्हें मात्र 15 दिनों की ट्रेनिंग देकर उनके बराबर ही दर्जा दिया जा रहा है.

बन्ना गुप्ता ने भी नहीं की मदद : पारा मेडिकल स्टाफ ने बताया कि पूर्व में इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई थी जिसके बाद मामले को संज्ञान में लिया गया था पर अब फिर से 15 दिनों की ट्रेनिंग देकर निबंधन कराया जा रहा है. कई बार बन्ना गुप्ता से शिकायत की गई पर कोई हल नहीं निकला. डीएलसी को भी जानकारी दी पर कोई भी मदद को तैयार नहीं है. बताया गया कि जितने भी पदों की भर्ती निकाली गई है उसमें भी 50 प्रतिशत आरक्षित है. पारा मेडिकल स्टाफ ने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों को नहीं सुनती है तो यह आंदोलन और उग्र होगा.

आयोजन शहर में जगह-जगह शुरू हुए कार्यक्रम, मारवाड़ी सम्मेलन ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को ले कोयलांचल राममय

रंजीत कुमार सिंह। धनबाद

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कोयलांचल के मंदिरों में भी कई भव्य कार्यक्रम आयोजित होने शुरू हो गए है .जिले के कई चौक-चौराहे राममय हो गए है.इस उपलक्ष्य में मंगलवार को धनबाद के रणधीर बर्मा चौक पर जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया व रणधीर बर्मा चौक से जोड़ाफाटक स्थित राम मंदिर तक श्री राम ध्वजा पद यात्रा निकाली गई.

पदयात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष और बच्चे राम ध्वजा ले शामिल हुए. मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने बताया कि अयोधया में 22 को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा से कोयलांचल ही नहीं पूरा देश राममय हो गया है. इसी उपलक्ष में यह भव्य राम ध्वजा पद यात्रा निकाली गई. 22 जनवरी को पूरे देश मे दीपावली का माहौल होगा.मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य भी 22 को अपने घर के मंदिरों में दीप जलाकर अतिशबाजी करेंगे. धनबाद के जोड़ाफाटक स्थित शक्ति मंदिर में 22 को 1101 दीपक जलेंगे और लड्डू वितरण किया जाएगा. उक्त जानकारी भगवती जागरण कमिटी शक्ति मंदिर के सचिव अरुण भंडारी व सुरेंद्र अरोड़ा ने दी. उन्होंने कहा कि मंदिर में पंडाल बना कर डिजिटल एलईडी 15/12 की स्क्रीन पर दूरदर्शन द्वारा किये जाने वाले प्राण प्रतिष्ठा की लाइव प्रोग्राम भी भक्तों को दिखाया जाएगा. प्राण प्रतिष्ठा के दौरान स्क्रीन के समक्ष ही आरती की जाएगी .पंडाल के अंदर 500 - 600 कुर्सी की भी व्यवस्था रहेगी. संध्या 6:30 में भजन संध्या का कार्यक्रम किया जाएगा.

21 को निकलेगी रामध्वजा शोभा यात्रा

धनबाद के बैंक मोड़ स्थित शांति भवन में बने श्री राधा कृष्ण मंदिर में 21 जनवरी को सुबह 8 बजे शांति भवन मंदिर परिसर से भव्य श्री राम ध्वजा शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो जोडाफाटक शक्ति मंदिर,धनसार स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर होते हुए पुनःमन्दिर प्रांगण पहुंचेगी. 11 बजे राम चरित्र मानस और अखंड पाठ किया जाएगा. दोपहर 12 बजे से श्री राम राज अभिषेक, महाआरती और संध्या 06 बजे दीपोत्सव कार्यक्रम किया जाएगा. जिसमे मंदिर प्रांगण में 1100 दीपक जलाए जाएंगे. इसके बाद 07 बजे भजन संध्या कार्यक्रम किया जाएगा. उक्त जानकारी मंदिर के पुजारी पंडित उदय तिवारी, मंदिर के सदस्य राम कुमार अग्रवाल ,महंत पंडित ,मनोहर सोनी ,आलोक अग्रवाल ,सुरेश मित्तल ,हेमंत कुमार गुप्ता व बुद्धदेव बनर्जी ने दी.

ब्रीफ खबरें

टैलेंट हंट ओलंपियाड प्रतियोगिता 21 को

कोडरमा। मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा शाखा 21 जनवरी को टैलेंट हंट ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है. जानकारी देते हुए शाखा अध्यक्ष श्रेया केडिया, सचिव सारिका लड्ढा और कोषाध्यक्ष गुंजन अग्रवाल ने बताया गया कि कक्षा एलकेजी से पांचवी तक के छात्रों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. हर कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को साइकिल दिया जाएगा. प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा, रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध है. वहीं ऑफलाइन फॉर्म तिलैया थाना के निकट स्थित जय मां स्टेशनरी और पूर्णिमा टॉकीज के सामने स्थित दीपक स्टोर से ले सकते हैं.

इंदिरा में तीन दिवसीय जतरा मेला का शुभारंभ

चरही। जतरा मेला समिति इंदिरा के तत्वावधान से चुरचू प्रखंड के इंदिरा पंचायत भवन के समीप सोमवार को तीन दिवसीय जतरा मेला का उद्घाटन हुआ. मुख्य अतिथि प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य बासुदेव करमाली, स्थानीय मुखिया राधिका देवी, पूर्व मुखिया दशरथ महतो ने संयुक्त रूप से फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया. वक्ताओं ने लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में मेला का आनंद लेने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की. पूर्व मुखिया दशरथ महतो ने बताया कि जतरा मेला का आयोजन यहां कई पीढ़ियों से किया जा रहा है. आसपास के ग्रामीण समेत पूरे झारखंड से लोग मेला देखने पहुंचते हैं.

महेंद्र सिंह के शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

जयनगर। भाकपा माले ने पिपचो बाजार चौक पर संकल्प दिवस के रूप में बगोदर के पूर्व विधायक शहीद महेंद्र सिंह का शहादत दिवस मनाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सचिव अशोक यादव और संचालन असगर अंसारी ने किया. सर्वप्रथम दो मिनट मौन रखने के बाद जननायक महेंद्र सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कामरेड महेंद्र सिंह के बताए रास्ते पर चलकर जन संघर्ष तेज करने की जरूरत है. पिछले लगभग 10 वर्षों भाजपा के मोदी सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार काफी तेजी से बढ़ा है. संविधान और लोकतंत्र खतरे में है. 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता मुकम्मल जवाब देगी.

राष्ट्रीय स्तर पर डीएवी के बच्चों का परचम

रामगढ़। डीएवी बरकाकाना के बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर 20 पदक अर्जित किए हैं. डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन, करनाल में आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के अंडर 17 में संस्कृति कुमारी ने रजत, ऐशानी कुमारी, ईशा यादव, पलक ओझा व नित्या रागिनी ने कांस्य पदक जीता. वहीं बालक वर्ग के अंडर 14 में कैफ उस्मानी एवं राघव रविंद्र मुंडा ने कांस्य, अंडर 17 में श्रेष्ठ कुमार ने रजत, सक्षम कुमार एवं हर्षदीप यादव ने कांस्य पदक जीता. कराटे प्रतियोगिता में झारखंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. बालिका वर्ग ने अपने शानदार प्रदर्शन से अंडर 14 एवं 17 में ओवरऑल चैंपियन का खिताब प्राप्त किया. वहीं, अंडर 14 के बालक वर्ग भी ओवरऑल चैंपियनशिप बना.

डीडीसी ने पुस्तक मेला की तैयारी की नोडल पदाधिकारी से ली जानकारी, दिए जरूरी निर्देश

ब्लॉक मैदान में 20 व 21 जनवरी को लगेगा पुस्तक मेला

संवाददाता। कोडरमा

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय सभागार में उप विकास आयुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में पुस्तक मेला के आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक की गई. डीडीसी ने पुस्तक मेला के लिए प्रतिनियुक्त नोडल पदाधिकारी से तैयारी की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कोडरमा सीओ और झुमरी तिलैया नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को ब्लॉक मैदान की साफ-सफाई, मैदान का समतलीकरण, टेंट और लाइट से संबंधित कार्य करने को कहा.

वहीं पुस्तक मेला में पार्किंग व वेंडिंग जोन को भी चिन्हित करने का आदेश दिया गया. नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी को पानी व शौचालय की व्यवस्था करने को कहा गया. साथ ही पुस्तक मेला में बुक डोनेशन का स्टॉल लगाने का निर्देश दिया गया. उप विकास आयुक्त ने बताया कि कोडरमा (ब्लॉक मैदान झुमरी तिलैया) में पहली बार वृहत रूप में 20 और 21 जनवरी को पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने जिलावासियों से पुस्तक मेला में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मेला को सफल बनाने की अपील की. बताया कि इस मेले में फ्री एंट्री है. साथ ही इच्छुक व्यक्ति, प्रकाशक और पुस्तक विक्रेताओं से पुस्तकों का दान करने को कहा.

इस पुस्तक मेला में दोनों दिन विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा. इसके अलावा प्रेस क्लब द्वारा कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा. बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुरेंदु, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद झुमरी तिलैया व अन्य मौजूद रहे.

तैयारी जारी

- मैदान की साफ-सफाई व समतल कराने को कहा
- पार्किंग और वेंडिंग जोन को चिन्हित करने का भी निर्देश

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- भारत का सबसे गहरा बंदरगाह – **गंगावरम (आंध्रप्रदेश)**
- प्रकाश की गति किसके बीच जाते हुए न्यूनतम होती है – **कांच**
- महिला शासिका रुद्राम्मादेवी किस राजवंश से सम्बंधित थी – **काकतीय**
- सेलीबीस द्वीप किस देश में स्थित है – **इंडोनेशिया**
- एशियाई गेम्स की मेजबानी करने वाला पहला देश – **भारत**
- पेरिस्कोप बनाने में प्रयुक्त दर्पण – **समतल दर्पण**
- अरब सागर की रानी किस नगर को कहा जाता है – **कोचीन**
- अफ्रीका के किस अश्वेत राष्ट्र को सर्वप्रथम स्वाधीनता मिली – **घाना**
- होपमैन कप किस खेल से संबंधित है – **टेनिस**
- अकबर का जन्म कहां हुआ था – **अमरकोट**

परसाबाद स्टेशन पर विधायक-पूर्व विधायक में हरी झंडी दिखाने की होड़

हावड़ा-मुंबई मेल का ठहराव

संवाददाता। जयनगर (कोडरमा)

धनबाद-गया रेलखंड के जयनगर प्रखंड अंतर्गत परसाबाद स्टेशन पर हावड़ा मुंबई मेल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12321 अप तथा ट्रेन संख्या 12322 डाउन का ठहराव मंगलवार से शुरू हो गया. ट्रेन को बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव तथा पूर्व विधायक जानकी यादव ने अलग-अलग हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. दोनों के समर्थक बीती रात से ही परसाबाद में जमे थे.

वहीं सुबह 5.30 बजे परसाबाद स्टेशन पर ट्रेन आकर रूकी तो वर्तमान व पूर्व दोनों विधायको में हरी झंडी दिखाने की होड़ मच गयी. इस दौरान दोनों के समर्थक भी एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे. इस दौरान समर्थकों में हल्की नोकझोंक भी हुई, मगर पुलिस-प्रशासन की सूझबूझ से हालात पर काबू पा लिया गया. विधायक अमित कुमार यादव ने इस ट्रेन के ठहराव का श्रेय सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और क्षेत्र की जनता को दिया. उन्होंने कहा कि वर्षों से जनता उनके नेतृत्व में इस ठहराव के लिए आंदोलन करती रही है. इस सौगात से क्षेत्र के विकास को और भी गति मिलेगी. यात्रियों का आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों एवं रोजगार में भी वृद्धि होगी. उन्होंने कहा कि यात्रियों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग पूरी की गई है. नए साल में मिली इस सौगात के लिए विधायक ने क्षेत्रवासियों को बधाई भी दी.

उल्लेखनीय है कि इस ट्रेन के रूकने से परसाबाद, दुमदुमा, जतघघरा, चौबे, चलकुशा, मरकच्चो प्रखंड के जामू, दशारो सहित विभिन्न गांव के लोगों को अब मुंबई व कोलकाता जाने में सुविधा होगी. मौके पर भाजपा जिला पूर्व मंत्री सुधीर सिंह, मंडल अध्यक्ष रामदेव मोदी, मंडल महामंत्री यमुना यादव, जिप सदस्य केदारनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष विंदेश्वरी प्रसाद बिहारी, पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, किशुन यादव, विकास भदानी, प्रदीप साव, शशिकांत चौधरी, सुरज चौधरी, दीपक कश्यप, राजकुमार गुप्ता, धानेश्वर यादव, विनोद यादव, विजय यादव, विजय कुमार, विकास ठाकुर, महेश रजक सहित भारी संख्या में विधायक के समर्थक मौजूद थे.

मिली सौगात

- क्षेत्र के विकास को मिलेगी और भी गति : अमित यादव
- विधायक व पूर्व विधायक के समर्थकों में हुई नोकझोंक
- दोनों जनप्रतिनिधियों ने दिखाई अलग-अलग हरी झंडी

वर्षों के रेल आंदोलन की हुई जीत : जानकी यादव

परसाबाद स्टेशन पर हावड़ा-मुंबई मेल एक्सप्रेस का ठहराव होने पर रेल संघर्ष मोर्चा परसाबाद व विधानसभा क्षेत्र के हजारों लोग सर्द रात में परसाबाद स्टेशन पहुंचे और अहले सुबह इस ट्रेन के ठहराव का गवाह बने. मौके पर मौजूद पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि आज से इस ट्रेन का ठहराव नियमित रूप से यहां होगा. यह वर्षों से चल रहे रेल आंदोलन की जीत का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि

विभिन्न ट्रेनों के परसाबाद, हिरोडीह, सरमाटांड़ व चौबे स्टेशन पर ठहराव को लेकर सैंकड़ों बार आंदोलन का नेतृत्व किया, मगर आज सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ लोग बेताब नजर आ रहे हैं. मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि महावीर यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, मुखिया सरफुद्वीन अंसारी, पूर्व वार्ड सदस्य उमेश यादव, उप मुखिया सदन यादव, पंसस बाबुलाल यादव, मुखिया प्रतिनिधि अजय यादव, दशरथ यादव, लाखपत यादव, अर्जुन राणा, टेगलाल चौधरी, श्रीकांत यादव, विवेक कुमार गुप्ता, रोहित ठाकुर, बलराम राणा, बैजू यादव, देवनारायण यादव, विंदेश्वरी यादव, दिवाकर बिहारी, अशोक यादव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे.

ग्रिजली विद्यालय में ओपन डे 21 जनवरी को

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में आगामी 21 जनवरी को ओपन डे का आयोजन किया जाएगा. इस बारे में जानकारी देते हुए विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता व उप प्राचार्या अंजना कुमारी ने बताया कि यह कार्यक्रम उन अभिवावकों के लिए है, जो अपने बच्चे की शिक्षा के लिए ग्रिजली विद्यालय को एक अवसर के तौर पर देखते हैं. यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के माता-पिता एवं अभिवावकों को शिक्षकों के साथ जुड़ने, स्कूल की सुविधाओं का पता लगाने और अपने बच्चे की शैक्षणिक यात्रा के बारे में जानकारी हासिल करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा. इस कार्यक्रम में विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें बच्चे की शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा.

प्रोजेक्ट रेल 3 के तहत स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा

कोडरमा। प्रोजेक्ट रेल 3.0 के तहत कोडरमा जिले के सभी विद्यालयों में आज प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया. प्री-बोर्ड परीक्षा के तहत 10वीं के छात्र-छात्राओं की साइंस और 12वीं के साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स के छात्र-छात्राओं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा ली गयी. इस परीक्षा में जिले के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए. इस दौरान शांत एवं कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराया गया. ज्ञात हो कि शिक्षकों की गठित टीम द्वारा मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा को ध्यान में रखकर प्रश्न पत्र का पैटर्न तैयार किया गया था.

25.03 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ महिला सहित 5 तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

सदर थाना पुलिस ने नशे के कारोबार में संलिप्त एक महिला सहित पांच कारोबारियों को गिरफ्तार किया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए सदर थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर ललित कुमार ने बताया कि एसपी अरविंद कुमार सिंह को गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि लक्ष्मी टॉकिज के पास देवाशीष चंद्र एवं छोटन साव एवं बंशीलाल चौक के पास सुषमा देवी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं.

इससे आसपास के नवयुवक और बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं और बच्चों में प्रतिकुल असर पड़ रहा है. इसे लेकर सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. दल में शामिल पुलिस पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए लक्ष्मी टॉकिज सहित शहर के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान बंशीलाल चौक के पास से एक महिला को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया. उसकी निशानदेही पर चार अन्य तस्करों को भी दबोच लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के हरि नगर निवासी देवाशीष चंद्र, कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डाड़ निवासी छोटन साव, सदर थाना क्षेत्र के बंशीलाल चौक निवासी सुषमा देवी व संदीप विश्वकर्मा और रामगढ़ जिला अंतर्गत मांडू थाना क्षेत्र के केदला नगर निवासी अशोक कुमार के रूप में की गई है.

इनके पास से 25.03 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाइल, एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन और 40160 रुपये बरामद हुए हैं. इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत सदर थाना में कांड संख्या 16/24 दर्ज किया गया है. गिरफ्तार पांचों आरोपियों को मंगलवार के दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. छापेमारी दल में सदर थाना, बड़ा बाजार ओपी और महिला थाना के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे.

पुलिसिया कार्रवाई

- इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग मशीन और 40,160 रुपए बरामद
- सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

एसपी कार्यालय के सामने दलित शोषण मुक्ति मंच ने दिया धरना

दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता। कोडरमा

नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत खरखार पासवान टोला में दबंगों के द्वारा दलित परिवार की महिला सहित अन्य लोगों के साथ मारपीट एवं जाति सूचक गाली-गलौज की गई थी. घटना के 15 दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से रोष बढ़ता जा रहा है. हमलावर दबंगों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग को लेकर मंगलवार को दलित शोषण मुक्ति मंच के बैनर तले एसपी कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया.

धरना का नेतृत्व मंच के जिलाध्यक्ष दिनेश रविदास और सचिव शंभू पासवान ने किया. अध्यक्षता पासवान जनकल्याण समिति के जिलाध्यक्ष बाला लखेन्द्र पासवान और संचालन प्रेम प्रकाश पासवान ने किया. वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में दलितों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहा है और प्रशासन की लापरवाही के कारण दबंगों का मनोबल बढ़ रहा है. पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है. अगर जल्द ही अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन रोड जाम और आमरण अनशन करने के लिए बाध्य होंगे. इसकी सारी जवाबदेही प्रशासन की होगी. धरना के बाद पीड़िता के साथ सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एसपी अनुपदीप सिंह से मुलाकात कर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा. एसपी ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

धरना को सीटू नेता संजय पासवान, दशरथ पासवान, राजकुमार पासवान, संजय दास, अर्जुन पासवान, सुरेंद्र राम, प्रकाश रजक, सुरेश दयाल, खगेंद्र रजक, दुर्गा राम, दिलीप पासवान, भुवनेश्वर पासवान, मनोज सोनी, विजय पासवान, बिरजू पासवान आदि ने संबोधित किया. कार्यक्रम में बिनोद दिवाना, भीम आर्मी के कृष्णा पासवान, रंजीत रजक, सहदेव पासवान, कैलाश प्रसाद, विकास दास, संजय कुमार पासवान, नागेश्वर दास, नकुल पासवान, दीपन पासवान, रंजीत डोम, अशोक रजक, शिवपूजन पासवान, राजेंद्र पासवान, पीड़िता सुनीता देवी, रिंकी देवी सहित भारी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे.

रोष बढ़ा

- खरखार में दलितों पर हमले की घटना का किया विरोध
- एसपी को सौंपा ज्ञापन, मिला त्वरित कार्रवाई का भरोसा

सड़क सुरक्षा माह का डीसी ने किया शुभारंभ

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार ने जिला समाहरणालय परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ किया. उन्होंने जागरूकता वाहन के माध्यम से जिले के भीड़भाड़ वाले इलाके एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने को कहा. साथ ही ड़क सुरक्षा माह के तहत कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. वहीं, सड़क सुरक्षा माह के तहत डीटीओ कार्यालय में सड़क सुरक्षा संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें मांडू प्रखंड के घाटो निवासी भूमि कुमारी एवं सारूबेड़ा निवासी पिंटू कुमार को बेहतर परिणाम आने पर पुरस्कृत किया गया. मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर प्रसाद द्विवेदी, डीएसपी मुख्यालय संजीव कुमार मिश्रा, प्रधान सहायक मनीष कुमार सिंह, सड़क सुरक्षा प्रबंधक विक्की आनंद, अभियंता ऋषिकांत आदि थे.

जंगली हाथी प्रभावित गांवों का विधायक अंबा प्रसाद ने किया दौरा

विधायक से लिपट रो पड़ी महिला

संवाददाता। बड़कागांव

स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने मंगलवार को बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा पंचायत अंतर्गत ग्राम हाहे, रूद्दी समेत कई जंगली हाथी प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया. उन्होंने बीती रात हाथी द्वारा नष्ट की गई फसलों और मकानों को जायजा लिया. इस दौरान एक पीड़ित महिला अंबा प्रसाद से लिपट कर रोने लगी. महिला को रोते देख विधायक की आंखें भी भर आई. उन्होंने अधिकारियों को फोन कर हाथियों को भगाने और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाने को कहा.

विधायक ने अन्य गांवों में भी जाकर किसानों से मुलाकात की. ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 35 हाथियों के झुंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में घूम रहे हैं. हाथियों का झुंड जिस भी खेत से गुजरता है, उसे पूरी तरह नष्ट कर दे रहा है. इससे किसानों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हुई है.

हाथियों के डर से गांव में लोग रात-रात भर हाथों में मशाल लिए पहरा दे रहे हैं. विधायक ने खेतों की स्थिति देखते हुए मौके पर उपस्थित वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण व किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई कर जल्द से जल्द इन्हें मुआवजा दिलाएं.

मौके पर जिप सदस्य सुनीता देवी, मुखिया वासुदेव यादव, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, विधायक प्रतिनिधि सुरेश महतो, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आनंद मेहता, उपाध्याय प्रसाद, मुबारक आलम, लालू कुमार, अहमद उल्लाह, उमाशंकर, लालू कुमार, निरासो देवी, साजन करमाली, लखन महतो, जनार्दन महतो, सोहित महतो, गोविंद महतो, रवि कुमार, हसीब अंसारी, नासिर अंसारी, उपेंद्र महतो सहित कई लोग मौजूद थे.

जाना हाल

- ग्रामीणों और किसानों की परेशानियों से हुईं अवगत
- अधिकारियों को जल्द से जल्द मुआवजा देने को कहा

अभियान | विश्व हिंदू परिषद ने घर-घर किया अक्षत, फोटो और पत्रक का वितरण, दीपोत्सव मनाने का आग्रह

22 को मंदिरों में पूजा-अर्चना व महाआरती करने की अपील

संवाददाता। कोडरमा

विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष अरविंद एकघरा और नगर मंत्री विनय सिन्हा के नेतृत्व में झुमरी तिलैया नगर में महाअभियान चलाया गया. इसके तहत विश्व हिंदू परिषद ने घर-घर जाकर पूजित अक्षत, फोटो और निमंत्रण पत्रक का वितरण किया. महाअभियान की शुरुआत झुमरी तिलैया के महाराणा प्रताप चौक से हुई, जो कि झंडा चौक, रेलवे स्टेशन, ओवरब्रिज, शीतल छाया, थाना, जवाहर टॉकीज, सुभाष चौक होते हुए चित्रगुप्त नगर पहुंच कर संपन्न हुई.

निमंत्रण पत्र बांटने के दौरान अरविंद एकघरा ने लोगों से 22 जनवरी को अपने-अपने घरों के नजदीकी मंदिरों को श्री अयोध्या जी मान कर पूजा-अर्चना और महाआरती करने की अपील की. साथ ही अपने-अपने घरों मे दीपोत्सव मनाने को कहा. वहीं, नगर मंत्री विनय सिन्हा ने सभी सनातनी परिवारों से आग्रह किया कि जिस भी हिंदू घरों या परिवारों में श्रीअयोध्या जी का पूजित अक्षत, फोटो और पत्रक किसी कारणवश नहीं पहुंचा हो, वो किसी भी विश्व हिंदू परिषद के नगर पदाधिकारी या जिला पदाधिकारी या कोई भी परिषद के पदाधिकारियों से संपर्क कर ले सकते हैं.

इस अभियान में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह, प्रांत सामाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी, विभाग गो रक्षा प्रमुख अजय कुमार वर्मा, जिला सह मंत्री सह झुमरी तिलैया नगर पालक संजय तर्वे, झुमरी तिलैया नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी, नगर संपर्क प्रमुख मनोज राणा, जिला संपर्क प्रमुख अभिनव पाठक, जिला धर्म प्रसार प्रमुख विजय पांडेय, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुनील दास, ज्योति चरण पहारी, बिनय कुमार बेलु सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे.

श्रीराम उत्सव

- महाराणा प्रताप चौक से हुई महाअभियान की शुरुआत
- झंडा चौक से चित्रगुप्त नगर तक बांटे गए पूजित अक्षत

शोभायात्रा निकाल कर पूजित अक्षत कलश का स्वागत

मरकच्चो। प्रखंड की सुदूरवर्ती डगरनवा पंचायत में मंगलवार अयोध्या से आए पूजित अक्षत कलश पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया. राम, सीता एवं लक्ष्मण की झांकी और गाजे-बाजे, झंडा पताका के साथ जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा गांव गुंजायमान हो उठा. इस उपलक्ष्य पर आएसएस, विहिप, बजरंग दल के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने पूरे पंचायत में भव्य शोभायात्रा निकाली. लोगों से निवेदन किया गया कि 22 जनवरी को अपने घरों और नजदीकी मंदिरों को भव्य रूप से सजाएं और दीपोत्सव मनाएं. वहीं श्रीराम जन्मभूमि में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बनने के लिए डगरनवा पंचायत के ग्राम पतरुनिया निवासी रूपन यादव, बसंती देवी, यशोदा देवी और विशुन राय को मुखिया शोभा देवी ने सम्मान के साथ रवाना किया. शोभा यात्रा में संजय पंडित, देवकी राय, संजय राय, बाबूलाल राय, अरुण कुमार राय,नारायण राय, उत्तम कुमार राय, सुरेश यादव, अनूप सिंह, सुमित्रा देवी, सुनीता देवी, नागेश्वरी देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण थे.

घर के बाहर पतंग लाने गये 6 साल के बच्चे का अपहरण

संवाददाता। झुमरी तिलैया

तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत देवी मंडप रोड से एक छह वर्षीय बच्चे का अपहरण का मामला सामने आया है. जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को गोपी यादव का 6 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था. उसी दौरान पतंग का धागा टूट गया. आर्यन अपने चचेरे भाई के साथ पतंग लाने के लिए घर से कुछ दूरी पर गया. उसी दौरान दो महिलाएं आर्यन को बहला-फुसला कर अपने साथ लेकर चली गई.

जब घरवालों ने उसकी खोजबीन शुरू की, तो उसके चचेरे भाई ने बताया कि हमलोग पतंग लाने के लिए घर से बाहर निकले थे. इसी दौरान दो महिलाएं पतंग दिलाने के बहाने आर्यन को लेकर चली गई और मुझे चप्पल लाने के लिए घर भेज दिया. जब मैं वापस गया, तब तक वह चली गई थी. इसके बाद परिजनों ने घटना की जानकारी तिलैया थाना को दी. पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो आर्यन के साथ दो महिलाएं दिख रही हैं. परिजनों ने थाने में आवेदन देकर बच्चे को खोजने की गुहार लगाई है. थाना में केस दर्ज कर पुलिस बच्चे की खोजबीन में जुट गई है.

फैली सनसनी

- बहला-फुसला कर साथ लेकर चली गईं दो महिलाएं
- सीसीटीवी फुटेज में वारदात कैद, जांच में जुटी पुलिस

रिम्स ओपीडी

सुबह 9 से दोपहर 1 और शाम 3 से 5 बजे तक

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ बिंदे कुमार
सर्जरीः	डॉ विनय प्रताप
न्यूरोसर्जरीः	डॉ सीबी सहाय
ऑर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजीः	डॉ पीके श्रीवास्तव
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ दीपक लकड़ा
ऑब्स गायनीः	डॉ अतीमा भारती
ईएनटीः	डॉ जेडएम खान
सीटीवीएसः	डॉ राकेश कुमार
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
पीडियाट्रिक सर्जरीः	डॉ अभिषेक कुमार सिंह
न्यूरोलॉजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर अस्पताल हजारीबाग

विभाग	डॉक्टर का नाम
शिशु रोग :	डॉ. अजय कुमार
इएनटी :	डॉ. पीके सिंह
डेंटल :	डॉ सुदीप
ट्रामा सेंटर :	सुबह 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक
सर्जन :	डॉ. संजीव कुमार
मेडिसिन :	डॉ. रेफॉर्ड
	अपराह्न 2 बजे से रात 10 बजे तक
हड्डी रोग :	डॉ. मयंक
मेडिसिन :	डॉ. आरके सिंह
रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक	
ऑर्थो :	डॉ. बालकृष्ण
मेडिसिन :	डॉ. अहमद

हजारीबाग का मौसम

- न्यूनतम तापमान : 11 डिग्री सेल्सियस
- अधिकतम तापमान : 22 डिग्री सेल्सियस
- बादल की स्थिति : आसमान साफ रहेगा
- हवा की रफ्तार : 6 किमी प्रति घंटे

ब्रीफ खबरें

मोबाइल छिनतई करते दो बदमाशों को पकड़ा

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो बदमाश मोबाइल छिनतई करते पकड़े गए. आसपास मौजूद भीड़ ने दोनों को पीटना शुरू कर दिया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित भीड़ के चंगुल से दोनों आरोपियों को छुड़ाया और साथ ले गई. पकड़े गए आरोपियों की पहचान शहर के लाखे मोहल्ले निवासी विशाल कुमार और चतरा जिले के ईटखोरी निवासी सुशांत कुमार के रूप में की गई है. मामले में कोर्रा थाना प्रभारी निशि कुमारी ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. वहीं, छिनतई में प्रयुक्त एक बाइक के अलावा मोबाइल भी जब्त किया गया है.

फुसरी, कजरी व बहेरा में सोहराय पर्व संपन्न

चरही। चुरचू प्रखंड के फुसरी, कजरी, बहेरा में तीन दिवसीय सोहराय पर्व सोमवार को धूमधाम से संपन्न हो गया. तीनों गांवों में रात भर संताली समाज के लोग सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक नाच-गान करते हुए ढोल नगाड़े और मांदर के थाप पर थिरकते रहे. इससे पूर्व पहले दिन उम, दूसरे दिन बोंगा और तीसरे दिन जाले का कार्यक्रम रहा. तीसरे दिन संताली समाज के सभी घरों में भाइयों के द्वारा अपने बहनों, जीजा, फूफा एवं फुआ के लिए विशेष खान-पान का आयोजन किया गया. साथ ही सोहराय गीत मारंग दाई ना... के धुन पर सामूहिक नाच-गान करते रहे.

इलाज के नाम निजी अस्पताल संचालकों ने खूब बटोरे थे पैसे, अब खुद को बता रहे गरीबों का मसीहा

कोविड काल के लुटेरे अब बनते फिर रहे हैं समासजेवी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

समाजसेवी का चोला ओढ़ चमका रहे चेहरा

इस संबंध में कई शहर वासियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कोराना काल के समय कुछ लोग सही मायने में समाजसेवी थे, जिन्होंने लोगों की जान बचाने में मदद की थी. कई खाना, तो कभी दवाइयां बांटते थे. कई समाजसेवियों ने मवेशियों के चारा का भी इंतजाम किया था. लेकिन, आज कई ऐसे चेहरा चमकाने वाले लोग हैं, जो समाजसेवी का चोला ओढ़ अपना चेहरा चमकाने में लगे हैं. कभी पैसे की बदौलत मंच संचालक हो जाते हैं, तो कभी मुख्य अतिथि. वहीं, विपत्ति काल में काम करने वाले समाजसेवियों को पहचानना तो दूर, बात भी करना नहीं चाहता है.

दर्द हमदर्द

- जेवर व जमीन गिरवी रख कर कराना पड़ा था इलाज
- पैसे के अभाव में सैकड़ों संक्रमितों की हो गई थी मौत

कोरोना काल के दौरान जिले में कोविड संक्रमण से सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी. वहीं, हजारों लोग कोरोना संक्रमित पाए गए थे. यह ऐसा दौर था, जब सरकारी और निजी अस्पतालों में सीट भरे रहते थे. लोग अपनी जान बचाने के लिए बड़े अस्पतालों का रूख करते थे. वहीं, मध्यमवर्गीय लोग जमीन ओर जेवर गिरवी रख कर अस्पतालों में इलाज करा रहे थे.

उस वक्त कई ऐसे निजी अस्पताल थे, जिनके संचालक गरीबों का इलाज करना भूल गए थे. इन अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के नाम पर मोटी रकम ली जा रही थी. उस वक्त खास कर शहर के एक प्रसिद्ध निजी अस्पताल के संचालक खूब मनमानी करते देखे गए थे. कई बार हंगामा भी हुआ, लेकिन पैसे की लालच में सूरदास बन गए थे. उन्हें अमीर-गरीब में कोई फर्क नजर नहीं आ रहा था. यहां तक की सरकार ने निजी अस्पतालों के लिए एक निर्धारित फीस तय की थी, लेकिन संचालक सरकार के आदेश का उल्लंघन कर अपने अस्पताल का फीस खुद से तई कर रखे थे. भर्ती कोविड मरीजों के इलाज के नाम पर एक दिन में 15 से 25 हजार रुपये लिए जा रहे थे. वहीं, इलाज के नाम पर मामूली दवाइयां दी जाती थीं. उस दौरान कई मरीजों की जान भी गई, लेकिन वह एक ऐसा दौर था, जहां मरीज के परिजन भी चुप रह जाते थे.

अब वही निजी अस्पताल के संचालक गरीबों के बीच जाकर उनके प्रति सहानभूति दिखा रहे हैं. कहीं कंबल का वितरण, तो कहीं गरीब के बच्चे को गोद में लेकर घूम रहे हैं. आजकल अपनी पहचान गरीबों के मसीहा के रूप में बनाने की फिराक में लगे हुए हैं. इलाज के नाम पर वसूले गए रुपयों से कभी ग्रामीण इलाके में बने मंदिर में भगवान का दर्शन करने जा रहे हैं, तो कभी छात्रों के बीच जाकर अपना चेहरा चमका रहे हैं.

सांसद-विधायक ने किया बराकर नदी पर बनने जा रहे पुल का शिलान्यास

विकास का मंच एक : जयंत

संवाददाता। चौपारण

विकास कार्य

- उमाशंकर अकेला ने किया हेमंत सरकार का गुणगान
- भाजपा व कांग्रेस समर्थकों में हुई माइक की छीना झपटी
- सांसद-विधायक का 52 किलो का माला पहना कर स्वागत

हजारीधमना में चौपारण और बरही प्रखंड को बांटने वाली उतरवाहिनी बराकर नदी पर पुल का निर्माण होगा. मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा एवं बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला ने मंगलवार को फीता काट कर पुल का शिलान्यास किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति से पुरस्कृत सेवानिवृत्त शिक्षक इशो सिंह और संचालन शिक्षक अखिलेश सिंह ने किया.

इस अवसर पर सांसद ने संबोधित करते हुए कहा कि राजनीतिक मंच हमेशा अलग रहेगा, पर विकास का मंच एक ही होगा. विकास जनता से जुड़ा है. इसमें कभी भेदभाव नहीं होना चाहिए. सांसद ने केंद्र सरकर की उपलब्धियां गिनाते हुए 500 साल बाद प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में विराजने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि आप सभी के सहयोग से मोदी सरकार के कार्यकाल में यह कार्य सुलभता से हुआ. वहीं कांग्रेस विधायक अकेला ने हेमंत सरकार का गुणगान किया. मंच पर विधायक ने विकास के कई गाथाएं सुनाई. वहीं, शाम साढ़े चार बजे जयंत सिन्हा के पहुंचते ही कार्यकर्ता सांसद और भाजपा का जयकारा लगाने लगे.

इसी बीच मंच पर कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों के बीच माइक की छीना झपटी के साथ विवाद बढ़ने लगा. लेकिन, सांसद व विधायक के मन के जुड़ाव काम आया और फिर 52 किलो का पुष्प माला पहना कर सांसद और विधायक का स्वागत किया गया. सांसद-विधायक ने मिल कर बराकर नदी पर आरईओ विभाग से लगभग 5 करोड़ से पुल के निर्माण का शिलान्यास किया. जनता को एक तरफ खुशी थी कि बराकर नदी पर पुल बनने जा रहा है, वहीं दुख इस बात का कि सड़क पूरी नहीं बनाई गई है. मौके पर भाजपा जिला महामंत्री सुनील साहू, जिला उपाध्यक्ष राजेश सहाय, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र चंद्रवंशी, मुकेश सिन्हा, रवि अकेला, सुधीर कौशल, मीडिया प्रभारी मुनेश्वर साव, राजद नेत्री पूनम यादव, मुखिया संतोष सिंह व दीपक गुप्ता मौजूद रहे.

जनहित, देशहित और समाजहित एकमात्र लक्ष्य

रामगढ़। भाजपा जिला इकाई के तत्वावधान में ट्राईसाइकिल व कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया. हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व जरूरतमंदों को कंबल बांटे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि हमारा लक्ष्य जनहित, देशहित और समाजहित के लिए काम करना है. हमारा लक्ष्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता की सेवा करना है.

उन्होंने यह भी कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों को नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता लगातार काम करते रहते हैं. सांसद जयंत सिन्हा ने महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि जब आपका लक्ष्य सही है, तो आपको हर साधन उपलब्ध होगा और हमेशा सफलता मिलेगी. उन्होंने अक्षय पात्र योजना को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में कुपोषण को दूर करने में बहुत बड़ा योगदान बताया. इस योजना से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले एक लाख बच्चों को ताजा भोजन उपलब्ध होगा. उन्होंने यह भी बताया कि 19 जनवरी को राज्यपाल के करकमलों से झारखंड के पहला विशाल अक्षय पात्र रसोईघर घर का शुभारंभ हजारीबाग में होना है.

- जयंत सिन्हा ने किया कंबल व ट्राईसाइकिल और का वितरण
- हजारीबाग में विशाल अक्षय पात्र रसोईघर घर का शुभारंभ 19 का

बता दें कि वितरण कार्य टाटा स्टील वेस्ट बोकारो के सौजन्य से किया गया था. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवीण मेहता, संचालन रंजीत पांडेय तथा धन्यवाद ज्ञापन शिव कुमार महतो ने किया. मौके पर टाटा स्टील से सीईपी राजेश कुमार, एडमिनिस्ट्रेशन हेड रोहित कुमार, सिक्योरिटी हेड राजेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रकाश मिश्रा व रंजीत कुमार सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि सदस्य प्रकाश मिश्रा आदि थे.

अचलजामो पैक्स में शुरू हुआ धान अधिप्राप्ति केंद्र

विष्णुगढ़। प्रखंड के अचलजामो पैक्स में मंगलवार को धान अधिप्राप्ति केंद्र खोला गया. मुखिया कलावती देवी, पंसस अमिता कुमारी, पूर्व प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता और पूर्व मुखिया तापेश्वर रजक ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया. यहां 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा जाएगा. पैक्स अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद ने खरीददारी की प्रक्रिया को जटिल बताया है. कहा कि एक तो धान अधिप्राप्ति केंद्र बहुत देर से खुला, वहीं पॉश मशीन से धान की खरीदारी की बाध्यता ने इसे दुरूह बना दिया है. अधिप्राप्ति केंद्र की शुरुआत में हुए विलंब की वजह से ज्यादातर किसान अपना धान बिचौलियों को बेच चुके हैं. मौके पर पैक्स सदस्य महेंद्र गुप्ता, बासुदेव प्रसाद, चमेली देवी, यशोदा देवी, सरस्वती देवी एवं ग्रामीण थे.

मांगें पूरी नहीं होने पर कर्मियों में रोष व्याप्त

केरेडारी। झारखंड राज्य आजीविका पीआरपी, बीएपी संघ के आह्वान पर जेएसलपीएस के अंतर्गत कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मी 2014 से मानदेय में वृद्धि नहीं होने के कारण आक्रोशित हैं. प्रखंड में कार्यरत पीआरपी व बीएपी ने मंगलवार को काला बिल्ला लगा कर काम किया. इनकी चार सूत्री मांगों पर आश्वासन के बावजूद सरकार द्वारा कोई पहल नहीं किए जाने पर कर्मियों में भारी रोष है. वहीं, एकमुश्त मासिक मानदेय का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है. इतना ही नहीं, कार्यानुभव के आधार पर कभी पदोन्नति भी नहीं दी गई है. संघ की जिलाध्यक्ष आशा कश्यप व सचिव रेखा देवी ने बताया कि 18 जनवरी को हेहल स्थित जेएसलपीएस कार्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा.

सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को डीसी ने दिखाई हरी झंडी

संवाददता। हजारीबाग

जागरूकता अभियान

- समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ रवाना
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजनों को करेगा जागरूक

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया है. इसे लेकर मंगलवार को उपायुक्त नैंसी सहाय ने समाहरणालय परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों जागरूक करेगा.

वहीं, माह भर चलने वाले अभियान के दौरान जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कई तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूक किया जाएगा. इसके अलावा सड़कों पर वाहन चालक चालकों एवं आम राहगीरों को भी सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. इस क्रम में परिवहन विभाग, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अभियंत्रण विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ विभाग, विभिन सरकारी व गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी से सड़क सुरक्षा एवं सड़कों में होने वाले हादसों को कम करने का प्रयास किया जाएगा. मौके पर डीटीओ वैद्यनाथ कामती सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

संघर्ष में आगे आए जनता : मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन

- धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है भाजपा : महेंद्र पाठक
- प्रखंड कार्यालय में बगैर पैसे के काम नहीं होता : डॉ. अनवर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कटकमसांडी प्रखंड कार्यालय के समक्ष आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया. इस दौरान पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि कटकमसांडी प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है. दाखिल-खारिज से लेकर जाति आवासीय बनाने तक में भी बड़े पैमाने पर रुपए के वसूली की जा रही है.

उन्होंने कहा कि देश में धर्म के नाम पर लोगों को बरगलाया जा रहा है. देश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है. इससे निजात पाने के लिए जनता को संघर्ष में आगे आना होगा. वहीं, महेंद्र पाठक ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है. अपनी 10 साल की नाकामी को छिपाने के लिए अयोध्या और राम मंदिर की सहारा ले रही है. देश को कर्ज में डुबो दिया है और विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है. उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए सबको एकजुट होना होगा.

डॉ. अनवर हुसैन ने कहा कि कटकमसांडी प्रखंड कार्यालय में बगैर पैसे के कोई काम नहीं होता है. मौके पर सहायक जिला सचिव निजाम अंसारी, महेंद्र राम, मजीद अंसारी, ईश्वर प्रसाद मेहता, श्रीकांत मेहता, बालेश्वर मेहता, इम्तियाज अहमद सहित सैकड़ों लोग थे.

प्रॉपर्टी बाजार

लोकेशन- हजारीबाग-सिमरिया रोड

स्थल :	सिमरिया के बिरहू (चतरा)
जमीन की कीमत :	ढाई लाख रुपए प्रति डिसमिल
बस स्टैंड से दूरी :	एक किलोमीटर
रेलवे स्टेशन से दूरी :	20 किलोमीटर
आवागमन का साधन :	कार , ऑटो, बस, बाइक आदि
आसपास के स्कूल :	सरकारी स्कूल
बाजार :	बिरहू और शिला

हेल्थ अलर्ट

अस्पताल का नाम- डॉ अमर उरवार क्लिनिक कोर्रा

कुल बेड :	दो
आईसीयू :	हां
एंबुलेंस :	हां
साफ-सफाई :	बेहतर
पार्किंग सुविधा :	हां
चिकित्सक :	डॉ अमन उरवार
विशेषज्ञ :	शिशु रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं :	रविवार से सोमवार तक 24 घंटे इमरजेंसी सेवा, एक्स-रे, जांच घर, मेडिकल एवं अन्य सुविधाएं

घूमें-फिरें

स्थल का नाम : तमासीन जलप्रप्रात

शहर से कितनी दूर :	चतरा जिला मुख्यालय से 35 किमी
शहर में कहां है :	चतरा जिले के कोल्हिया प्रखंड स्थित तुलबुल पंचायत
कैसे पहुंचेंगे :	(कार से, ऑटो से, बस से, बाइक से)
पहुंचने का रूट क्या है :	चतरा से कोल्हिया और फिर वहां से तुलबुल होते हुए तमासीन पहुंचें
क्या-क्या है खास :	फल्गु नदी की अविरल धारा, दो पहाड़ियों के बीच से गिरता झरना. चट्टानों पर प्राकृतिक नक्काशीदार कारीगरी, पिकनिक और सेल्फी प्वाइंट

खान-पान

रेस्टूरेंट का नाम : होटल मयूरी रिजेंसी

किस स्थान पर है :	जुलू पार्क हजारीबाग
नाश्ते में क्या :	आमलेट, आलू पराठा, तावा रोटी, पनीर स्पेशल, चिकेन मशाला
दिन के भोजन में क्या :	वेज थाली, जीरा राइस, पराठा, चिकन, बटर रोटी, आलू दम
रात के भोजन में क्या :	रोटी दाल, मछली कड़ी, पालक, पनीर, वेज स्पेशल थाली, चिकन आइटम
खास क्या है :	चिकन मशाला, मिक्स वेज, पनीर मशाला, दाल तड़का, रोटी
वेज या नॉनवेज :	दोनों
चाइनीज आइटम :	नहीं
पार्सल की व्यवस्था है :	नहीं
होम डिलिवरी देते हैं :	नहीं

- संचालक **संजय गुप्ता** कहते हैं कि होटल में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था के साथ ग्राहकों को पसंदीदा वातावरण में नाश्ता एवं भोजन कराना उनकी पहली प्राथमिकता है. यहां हर प्रकार के समारोह आयोजित किए जाते हैं.

कार्यक्रम हर तरफ राम नाम की धूम, प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर आम से लेकर खास तक में भारी उत्साह

समस्त मानव जगत को प्रेरित करने वाला गौरवशाली क्षण : रंजन चौधरी

संवाददाता। हजारीबाग

अयोध्या में श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व देश भर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, अयोध्या से आए पूजित अक्षत का वितरण किया जा रहा है. इस कड़ी में मंगलवार को नगर क्षेत्र के कॉलेज मोड़ के समीप सेमेंट्री रोड और आसपास के क्षेत्र में वितरण अभियान चला. सदर विधायक मनीष जायसवाल के विधायक प्रतिनिधियों और स्थानीय समाजसेवियों ने घर-घर जाकर अक्षत बांटा.

22 जनवरी को घर-घर में जला कर रामोत्सव मनाने का आग्रह किया गया. मौके पर सदर विधायक के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि समस्त मानव जगत को प्रेरित करने वाले गौरवशाली क्षण का 22 जनवरी को हम सभी गवाह बनेंगे. इससे पूर्व रामकाज में सेवा दे पाना हमारे लिए बेहद सौभाग्य की बात है. अक्षत वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. चंद्रशेखर सिंह, सदर विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, विधायक के खेलकूद विभाग के प्रतिनिधि बंटी तिवारी, समाजसेवी सह मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव नीरज कुमार, समाजसेवी अंगेश ठाकुर, भाजयुमो नेता राजकरण पांडेय, सागर कुमार, अनुज कुमार, रमन कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे.

धार्मिक अभियान

- सेमेंट्री रोड और आसपास क्षेत्र में घर-घर अक्षत वितरण
- 22 जनवरी को दीप जला कर रामोत्सव मनाने का आग्रह

नारायणपुर व दूधमनिया में पूजित अक्षत का वितरण

टाटीझरिया। प्रखंड के नारायणपुर और दूधमनिया गांव में मंगलवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूजित अक्षत का घर-घर वितरण किया गया. इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रीराम का जयघोष करते हुए शिव मंदिर पहुंचे. यहां अयोध्या से आए पूजित अक्षत कलश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. इसके बाद माथे पर कलश लेकर गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई. पूजित अक्षत और निमंत्रण पत्र सभी घरों में पहुंचाया गया. मौके पर खैरा मुखिया कुमारी माधुरी, पूर्व मुखिया सरिता देवी, प्रबील प्रसाद, सुरेश प्रसाद, प्रभु प्रसाद, अरविंद केसरी, प्रेम प्रकाश, सुनील पांडेय, विजय पांडेय, किशुन ठाकुर, मनोज प्रसाद, मोहन प्रसाद, गणेश प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, जगन्नाथ प्रसाद, महादेव प्रसाद, महरू पासवान, सोनी देवी, बबीता देवी, मालो देवी, कोलैश्वरी देवी, शांति देवी, निखिल सिंह, सुशांत सिंह, सुनील सिंह, राजू रंजन सिंह, अनिल सिंह, सुधीर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!

आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कतरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।

- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

ब्रीफ खबरें

बाइक दुर्घटना में तीन घायल, एक गंभीर

मुसाबनी। जादूगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत माटीगोड़ा में मंगलवार को मुख्य सड़क पर बाइक दुर्घटना में तीन घायल हो गए, जिसमें एक की हालत गंभीर है. जादूगोड़ा पुलिस ने घायलों को जादूगोड़ा अस्पताल पहुंचाया. थाना प्रभारी संजीव कुमार झा के मुताबिक घायल व्यक्ति पोटका प्रखंड के बालीपोस, बुटगोड़ा के निवासी हैं. जिनकी पहचान भगत किस्कू, राम किस्कू के रूप में हुई है. घायलों का इलाज जादूगोड़ा अस्पताल में किया जा रहा है. जिसमें एक बच्चा भी है.

दोस्त की हत्या मामले में आरोपी दोषी करार

रांची। अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने प्रेम प्रसंग में दोस्त की हत्या करने के आरोपित अनमोल वर्मा उर्फ कांटी को मंगलवार को दोषी करार दिया है. अदालत ने दोषी अनमोल वर्मा की सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तिथि निर्धारित की है. हत्या का यह मामला साल 2019 का है. मामले में सुखदेवनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुआ था. आरोपित ने पहले प्रेमिका की हत्या कर रातू रोड स्थित कब्रिस्तान में शव गाड़ दिया था.

पत्नी की हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

रांची। अपर न्यायायुक्त प्रकाश झा की अदालत ने मंगलवार को पत्नी की हत्या के दोषी पौलुस मुंडा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. हत्या की यह घटना टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में वर्ष 2020 में घटी थी. पीपी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि दोषी पौलुस अक्सर शराब के नशे में पत्नी से झगड़ा करता रहता था. उसने रॉड से मारकर पत्नी की हत्या कर दी थी. पुत्री प्रतिमा मुंडा के बयान पर प्राथमिकी की दर्ज की गई थी. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. तब से वह जेल में बंद है.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

गुमला। गुमला घाघरा रोड में चपका के समीप सोमवार की देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार अरुण उरांव 19 वर्ष की मौत हो गई. मृतक घाघरा थाना क्षेत्र के बड़काडीह डीपाटोली का रहने वाला था. स्थानीय लोगों ने अरुण उरांव को तत्काल घाघरा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया. वहीं घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

एके-47 लहराने वाला बॉडीगार्ड निलंबित

रांची। नशे में धुत होकर एके-47 राइफल लहराने वाले बॉडीगार्ड को एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. यह घटना सोमवार की रात अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोकनगर रोड नंबर-2 के पास हुई थी. एक महिला नेत्री का बॉडीगार्ड तनवीर खान नशे में धुत होकर एक व्यक्ति के साथ गाली-गलौज किया और उसपर सर्विस रायफल भी तान दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर अरगोड़ा पुलिस ने पहुंच कर बॉडीगार्ड को हिरासत में ले लिया था.

झपटमार गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

आदित्यपुर। झपटमार गिरोह के दो सदस्यों को आरआईटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके पास से छिनतई की दो मोबाइल और एक बाइक भी बरामद की है. आरआईटी पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है. गिरफ्तार आरोपी युवकों में सालडीह बस्ती का कार्तिक महतो और मंटू मैदान मांझी टोला का पवन गोराई शामिल है. दोनों ने आरआईटी थाना अंतर्गत एलआईजी 283 निवासी गौतम कुमार सिंह के साथ मारपीट कर मोबाइल और पैसे की छिनतई की थी.

संदिग्ध चोर की खंभे से बांध कर पिटाई की

धनबाद। वासेपुर इलाके में बाइपास रोड स्थित फैजाने मदीना मोड़ के पास मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने चोरी के आरोप में एक युवक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी. लोगों ने उसे स्ट्रीट लाइट के खंभे में बांध दिया. लोगों ने बताया कि पकड़ा गया युवक सुबह में एक घर में घुसकर एसी का कॉपर वायर काट रहा था. स्थानीय लोगों ने उसे देखकर शोर मचाया. पकड़े जाने के खौफ से युवक भागने लगा. आसपास के कुछ युवकों ने उसे खदेड़कर धर दबोचा.

हाइवा ने गर्भवती महिला को रौंदा, रोड जाम

संवाददाता। महगामा (गोड्डा)

बाइक पर सवार होकर अल्ट्रासाउंड कराने जा रही गर्भवती महिला की हाइवा की चपेट में आकर मौत हो गई. घटना मंगलवार की दोपहर महगामा थाना क्षेत्र एकचारी मोड़ की है. सामुकिता गांव निवासी मो. गुलफरान अपनी गर्भवती पत्नी नफीसा बानो को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए बाइक से महगामा की ओर जा रहे थे. रास्ते में गुलफरान बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर जरूरी काम से कहीं चले गए. पत्नी बाइक के पास ही खड़ी थी. तभी तेज रफ्तार हाइवा उसे रौंदते हुए निकल गया. नफीसा बानो को गंभीर स्थिति में आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. गुस्साए ग्रामीणों ने लोगाई के पास दिग्गी-महगामा मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे काफी देर तक आवागमन ठप हो गया.

सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. सूचना मिलते ही प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जाम हटाने की कोशिश की. काफी मान-मनव्वल व मृतका के पति को उचित मुआवजा और अन्य सरकारी लाभ दिलाने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया.

खास बातें

- बाइक से अल्ट्रासाउंड कराने जा रही थी महिला
- लोगों का गुस्सा फूटा दिग्गी-महगामा रोड को जाम किया

ऑटो ने बाइक में मारी टक्कर, चालक घायल

कामडारा। कामडारा थाना क्षेत्र अन्तर्गत कजरा के समीप ऑटो और बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक चालक बाम्हनडीह निवासी अरुण लोहरा उम्र 25 वर्ष घायल हो गया. घायल युवक अरुण लोहरा मंगलवार को अपने रिश्तेदार शंकर प्रधान को कुम्हारी पहुंचाने के बाद वापस अपने घर लौट रहा था. उसी दौरान कजरा के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक ऑटो ने धक्का मारते हुए फरार हो गया. स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायल बाइक चालक को सीएचसी कामडारा पहुंचाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया.

आओ जानें

पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा एसिड अटैक की कितनी घटनाएं

आंध्रप्रदेश	: 10	महाराष्ट्र	: 5
अरुणाचल प्रदेश	: 00	पंजाब	: 3
असम	: 5	राजस्थान	: 2
बिहार	: 1	तमिलनाडु	: 2
गुजरात	: 11	उत्तरप्रदेश	: 7
झारखंड	: 2	पश्चिम बंगाल	: 11
कर्नाटक	: 3		
केरला	: 4		
मध्यप्रदेश	: 1		

सीआईडी की जांच के बाद की गई कार्रवाई

साइबर अपराधियों से जुड़े 8,600 बैंक खाते हुए सील

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में कथित तौर पर साइबर अपराधियों से जुड़े 8,674 बैंक खाते सील कर दिये हैं. पुलिस को संदेह है कि वे इनका इस्तेमाल लोगों को झांसा देने के लिए कर रहे थे. सीआईडी के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 2002 खाते देवघर जिले में, उसके बाद धनबाद में 1,183 और रांची में 959 खाते सील किये गये. झारखंड अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने बताया, हमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से सील हुए बैंक खातों का विवरण मिला है और जिला तथा बैंक-वार इनकी एक सूची तैयार की गई है. खातों के सत्यापन के लिए विवरण सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक और बैंक के साथ साझा किया जाएगा. उन्होंने कहा कि इन खाताधारकों का ब्योरा तलाशा जाएगा. गुप्ता ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न पुलिस द्वारा खाते सील करने की कार्रवाई सीएफसीएफआरएमएस (नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली) पोर्टल और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा घोषित '1930' हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत के आधार पर की गयी है. इस केंद्र की स्थापना गृह मंत्रालय द्वारा समन्वित और व्यापक तरीके से साइबर अपराध से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक रूपरेखा और पारिस्थितिकी प्रदान करने के लिए की गई थी.

8,674 खातों से लेनदेन पर रोक लगाई गई है

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की परिकल्पना देश में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए नोडल केंद्र के तौर पर की गई थी. अधिकारी ने बताया, अगर किसी व्यक्ति से धोखाधड़ी होती है और वह '1930' हेल्पलाइन पर कॉल करता है तो उक्त जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जाती है और अगर पैसे फर्जीवाड़ा करने वाले के खाते में जमा हुए होते हैं तो उस राशि के लेनदेन पर रोक लगा दी जाती है. उन्होंने बताया कि ऐसे खाता धारकों की विस्तृत जानकारी पता की जाती है. अधिकारी ने बताया कि दो साल की अवधि में इन 8,674 खातों से लेनदेन पर रोक लगाई गई है. उन्होंने कहा, अगर ये खाते फर्जी या साइबर अपराधियों से जुड़े पाये जाते हैं तो खाताधारकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

495 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है

झारखंड में साइबर अपराधियों के खिलाफ सीआईडी बड़े पैमाने पर अभियान को अंजाम दे रही है. गुप्ता ने बताया कि पिछले तीन माह में कथित तौर पर साइबर अपराधों में शामिल 495 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और साइबर धोखाधड़ी के लिए 107 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि इसके अलावा, साइबर अपराध के खिलाफ अभियान के दौरान अब तक 1,164 मोबाइल फोन और 1,725 सिम कार्ड भी जब्त किये जा चुके हैं. देवघर, गिरिडीह, बोकारो, जामताड़ा और रांची समेत विभिन्न जिलों में साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस ने बताया कि सोमवार को बोकारो जिले से 16 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. बोकारो नगर पुलिस उपाधीक्षक कुलदीप कुमार ने बताया कि आरोपी 'को-ऑपरेटिव कॉलोनी' के पास किराये के मकान में रह रहे थे. उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पोस्ट बारकोड, रबड़ मुहर और जाली मुद्रा भी बरामद की हैं.

मंदिर के कर्मी ने अपने साथी से मिलकर दिया था घटना को अंजाम

चोरी का खुलासा, 2 गिरफ्तार

संवाददाता। कतरास

श्री दिगंबर जैन मंदिर कतरास में रविवार की रात हुई लाखों रुपए के सामान की चोरी का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है. घटना में शामिल दो आरोपियों को चोरी गए सामान के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. मंदिर के कर्मी ने ही अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था. यह जानकारी कतरास थाना के अवर निरीक्षक विक्की कुमार ने मंगलवार को पत्रकारवार्ता में दी. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मंदिर का कर्मी चिरंजीत माजी और उसका साथी गौतम दत्ता शामिल है.

कतरास थाना प्रभारी रणधीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मंदिर का कर्मी चिरंजीत माची के बोकारो जिले के चंदनकियारी स्थित आवास पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया. चिरंजीत की निशानदेही पर उसके सहयोगी गौतम दत्ता को उसके घर में मंदिर से चोरी गई सामान के साथ पकड़ा गया. थाना प्रभारी ने बताया कि मंदिर की एक चाबी चिरंजीत के पास रहती थी, जिसका फायदा उठाकर रात में उसने घटना को अंजाम दिया. कागजी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया.

सूर्यकुंड मेला घूमने जा रहे दो युवकों की मौत

गिरिडीह। जिले के बगोदर थाना इलाके के जीटी रोड स्थित संतरुप्पी मोड़ में मंगलवार दोपहर सूर्यकुंड मेला देखने जा रहे बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी. बताया गया कि थाना इलाके के डोंडलो गांव के रहने वाले 20 वर्षीय अजय कुमार और 19 वर्षीय सन्नी कुमार बाइक से घर से हजारीबाग-बरकट्ठा के सूर्यकुंड मेला देखने जा रहे थे. इसी दौरान हजारीबाग की ओर से आ रहे गैस सिलेंडर लोड ट्रक से बाइक की जोरदार टक्कर हुई, जिसमें दोनों की मौत हो गयी. जानकारी मिलने के बाद बगोदर थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और ट्रक को जब्त कर थाना ले गई. पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेजा और जांच-पड़ताल शुरू की.

दिनेश के सहयोगी निवेश से 3 दिन और पूछताछ करेगी ईडी

संवाददाता। रांची

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश कुमार से ईडी तीन दिन और पूछताछ करेगी. निवेश कुमार की पांच दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उसे पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया. ईडी ने फिर से पूछताछ की आवश्यकता बताते हुए उसकी रिमांड अवधि बढ़ने का आग्रह कोर्ट से किया. इसके बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने निवेश कुमार से पूछताछ के लिए तीन दिन की और रिमांड ईडी को प्रदान की है.

ईडी ने नौ के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस किया है

ईडी ने पिछले साल नवंबर महीने में दिनेश गोप के नजदीकी नौ लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस किया है. जिसमें निवेश कुमार का भी नाम शामिल है. बताते चलें कि छह जनवरी 2022 को धुर्वा डैम के पास से नक्सलरोधी अभियान में लगे सुरक्षाबलों और पुलिस ने नक्सली संगठन पीएलएफआई के मुखिया दिनेश गोप के नजदीकी आठ लोगों को लेवी की 77 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया था. इसी मामले को लेकर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज किया है.

श्रद्धालुओं की गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त, एक महिला की मौत

तोपचांची। भंवरदाहा बांका पुल के पास नेशनल हाइवे पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया. हादसे में बोलेरो पर सवार एक महिला की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, बोलेरो पर सवार परिवार गंगासागर में स्नान कर अपने घर बिहार के सासाराम जा रहा था. देर रात बोलेरो पुल के डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई. बोलेरो पर सवार 6 लोग घायल हो गए हैं.

दो बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल, रेफर

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर-झरझरा मुख्य सड़क के सुरबुड़ा पंचायत स्थित आराहांगा पुलिया के समीप दो बाइक की सीधी टक्कर में तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए. इसमें एक बच्चा भी शामिल है. बताया जाता है कि कुचाई प्रखंड के सेरेंगदा गांव निवासी लखीराम सरदार, विकास सरदार बाइक से अपने गांव जा रहे थे. इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक सवार से सीधी टक्कर हो गई.

निजी क्लीनिक में करा दिया था बंध्याकरण

नर्सिंग होम के संचालक पर कार्रवाई करने की मांग की

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने जबरा ग्राम निवासी सिद्धेश्वर मिस्त्री की पत्नी गीता देवी का धोखे से झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा बंध्याकरण कराये जाने के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उपायुक्त एवं सिविल सर्जन को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि सहिया दिव्या कुमारी के द्वारा बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बंध्याकरण कार्यक्रम में ऑपरेशन करने के लिए लाया गया. लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बंध्याकरण नहीं होने की बात बोलकर धोखे से बरियातू के मां उग्रतारा नर्सिंग होम में झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा गीता देवी का ऑपरेशन (बंध्याकरण) करवा दिया गया. उन्होंने महिला के पति सिद्धेश्वर मिस्त्री से हुई बातचीत का हवाला देते हुए बताया कि ऑपरेशन दो घंटा चला और बीमारी बताकर शरीर का कोई अंग भी निकाल लिया गया. हालांकि गीता देवी की जान तो बच गयी लेकिन उनके साथ ऐसी अमानवीय कृत्य करने वाले दोषी सहिया, झोलाछाप डॉक्टर एवं निजी नर्सिंग होम के संचालक के विरूद्ध जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है. अनीता देवी ने पत्र में यह भी लिखा है कि जिले में संचालित ऐसे अन्य निजी नर्सिंग होम में भी इस तरह के कार्य करने की सूचना मिलती रहती है.

चोरी के सोलर प्लेट सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

गुमला। थाना क्षेत्र के धनगांव डैम में सिंचाई के लिए लगाए गए सोलर प्लेट की चोरी मामले में गुमला पुलिस ने प्राथमिक अभियुक्त शंकर विलूंग को महुआटोली और चंद्रपाल बाड़ा को गाजाटोली से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्त के पास से पुलिस ने पांच सोलर प्लेट को बरामद किया है. थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि धनगांव गाजाटोली निवासी अनिरूद्ध गोप की पत्नी मगिया देवी ने धनगांव डैम में लगे सोलर प्लेट की चोरी मामले में शंकर विलूंग और चंद्रपाल बाड़ा के खिलाफ चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराया है. गुमला थाना में भादवि की धारा 379/34 के तहत कांड संख्या 23/24 दर्ज करते टीम का गठन किया गया. थाना प्रभारी विनोद कुमार के नेतृत्व में एसआई कुंदन कुमार और एएसआई धनंजय कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अभियुक्त बाड़ा के निशानदेही पर पुलिस ने महुआटोली से शंकर विलूंग को उसके घर से गिरफ्तार किया.

नक्सलियों की साजिश का हुआ खुलासा, एक आईईडी बरामद

संवाददाता। चाईबासा

सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया है. नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान मंगलवार को गोईलकेरा थाना क्षेत्र के लेमसाडीह और बानियाबुरू के बीच जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये एक आईईडी बरामद किया गया. सुरक्षा की दृष्टिकोण से आईईडी को उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से विनिष्ट किया गया है. नक्सल विरोधी अभियान जारी है.

कोल्हान के जंगल में सुरक्षाबलों के द्वारा दस अक्टूबर 2023 से गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगडा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगडा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है.

हुआ जब्त | मेराल थाना पुलिस ने गोंदा मेन रोड स्थित दुकान में की छापेमारी

दुकान से अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, दुकानदार गिरफ्तार

संवाददाता। मेराल

बरामद शराब और गिरफ्तार दुकानदार के कारनामों के बारे में जानकारी देते डीएसपी व अन्य पुलिस अधिकारी.

गढ़वा जिला अंतर्गत मेराल थाना की पुलिस ने गोंदा मेन रोड स्थित एक किराना दुकान से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त किया है. पुलिस ने अवैध रूप से अंग्रेजी शराब बेचते हुए दुकान संचालक सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया. उसके दुकान से पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के 24 बोतल विदेशी शराब, 20 पीस केन बियर तथा 7 बोतल देसी शराब बरामद किया है. मेराल थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीवी मंडल ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर यह जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम मिली गुप्त सूचना की सत्यापन के लिए तत्काल सशस्त्र बल के साथ पुलिस पदाधिकारियों की टीम गठित कर छापेमारी की गई. सूचना के अनुसार किराना दुकान से भारी मात्रा में अवैध देसी तथा विदेशी शराब जब्त किया गया. साथ ही मौके पर संचालक सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया. मंडल ने बताया कि जब्त शराब और गिरफ्तार सुजीत कुमार के खिलाफ थाना में कांड दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है. प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीवी मंडल के नेतृत्व में गठित छापामारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक नीतीश कुमार, सुरजीत चौधरी, सुमन कुमार शर्मा, संजय हेंब्रम, सअनि रामायण सिंह, हवलदार मनोज राम तथा रिजर्व गार्ड के आरक्षी जितेंद्र कुमार शामिल थे.

खास बातें

- 24 बोतल विदेशी शराब, 20 पीस केन बीयर बरामद
- प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीवी मंडल ने दी जानकारी

कांड्रा रेलवे ओवरब्रिज पर नैनो कार दुर्घटनाग्रस्त हुई

संवाददाता। आदित्यपुर

दुर्घटना क्षेत्र बन चुके कांड्रा रेलवे ओवरब्रिज पर मंगलवार की रात करीब 2 बजे एक नैनो कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. कार काफी तेज गति से चल रही थी. हालांकि चालक की जान बच गई, लेकिन इस दुर्घटना के बाद ब्रिज पर लंबा जाम लग गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अनियंत्रित नैनो कार गार्डवाल से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. वहीं, नैनो पर सवार सभी यात्री और चालक बाल- बाल बच गए. रात्रि गश्त कर रही कांड्रा थाना पुलिस जब तक घटना स्थल पहुंची तब तक सभी घटनास्थल से भाग चुके थे. पुलिस दुर्घटना के कारण की जांच में जुटी हुई है. बता दें कि चौका-कांड्रा मार्ग पर अवस्थित कांड्रा का रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के समय से ही इसकी डिजाइन और इंजीनियरिंग को लेकर सवाल उठते रहे थे. सड़क निर्माता कंपनी द्वारा बनाए गए रेलवे ओवर ब्रिज पर एक तीखा मोड़ बना दिया गया है. इसके कारण वाहनों को घुमाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. खासकर भारी और लंबे मालवाहक चालकों को इस तीखे मोड़ से गुजरने में पसीने छूट जाते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें चंद्रमा राहु का योग है. बाहर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. आपका मन दुखी रहेगा. माता का आप पर स्नेह बना रहेगा एवं माता के आशीर्वाद से आपके कार्य सिद्ध होंगे. हनुमानजी का पूजन ध्यान करना चाहिए.

वृषभ आय के लिए किया गया कार्य लाभ देगा. लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा एवं समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. माता को हृदय संबंधी रोग हो सकता है. संतान के कार्य सिद्ध होंगे. संतान की सफलता से मन प्रसन्न रहेगा.

मिथुन किसी से बिना वजह की बहस हो सकती है.धर्म में मन लगेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. अधिक क्रोध में किसी का अपमान न करें, नहीं तो विवाद हो सकता है. माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अन्न और वस्त्र का दान करें.

कर्क ससुराल से संबंध में सुधार होगा. भाग्य का साथ मिलेगा. भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. माता के आशीर्वाद से कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. संतान के लिए शुभ समय है. संतान को पूर्ण सफलता प्राप्त होगी.

सिंह किसी संत का आशीर्वाद मिलेगा. अधिक क्रोध से बचकर रहें नहीं तो ब्लड प्रेशर अधिक बढ़ने से नुकसान हो सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें नहीं तो परिवार में विवाद हो सकता है. माता का वर्तमान में क्रोध अधिक रहेगा.

कन्या जीवनसाथी का सुख-सहयोग मिलेगा. लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा. माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा एवं माता के आशीर्वाद से कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. धार्मिक कार्य हो सकता है. भाइयों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है. माता को हड्डी या जोड़ों से संबंधित तकलीफ हो सकती है.

वृश्चिक संतान के प्रति प्रेम बढ़ेगा. मन में धार्मिक विचार उत्पन्न होंगे. भगवान की भक्ति करने से मन को शांति मिलेगी. परिवार में आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा.

धनु परिवार में भाइयों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. माता के प्रति लगाव बना रहेगा. माता के आशीर्वाद से आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आपको शीत प्रकृति से संबंधित रोग हो सकता है.

मकर समय बहुत ही उपयुक्त है. पराक्रम से कार्य में गति मिलेगी. समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. संतान की शिक्षा से संबंधित कार्य पूर्ण होंगे. शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर पाएंगे. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कुंभ कल भाइयों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है. माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. संतान पक्ष की तार्किक बुद्धि के कारण विवाद की स्थिति बन सकती है. मंदिर में मिठाई का दान करें.

मीन समय उपयुक्त है. कल जो योजना बनाएंगे एवं उनके क्रियान्वयन के लिए प्रयास करेंगे. दिमाग सक्रिय रहेगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. समाज में कोई विशेष पद मिल सकता है. पितरों के नाम से अन्न दान करें.

आर्यभट्ट सभागार में होगा समारोह का आयोजन, मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन रहेंगे शामिल

इक्फाई विवि का चौथा दीक्षांत समारोह आज, 196 स्टूडेंट को मिलेगी डिग्री

विशेष संवाददाता। रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड के चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन 17 जनवरी को होगा. मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में सुबह 11:30 बजे से समारोह शुरू होगा. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे. बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा सम्मानित अतिथि होंगे. दीक्षांत समारोह के दौरान, विश्वविद्यालय 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों को कुल 196 डिग्रियां प्रदान करेगा, जिसमें 10 पीएचडी शामिल है. विभिन्न कार्यक्रमों के शीर्ष रैंकर और दूसरे रैंकर्स को क्रमशः 8 स्वर्ण पदक और 8 रजत पदक प्रदान किए जाएंगे. यह

जानकारी प्रेस को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) रमन कुमार झा ने दी.

उन्होंने बताया कि हमारा विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, कानूनी प्रक्रिया जैसे सभी क्षेत्रों में छात्रों को तैयार करने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है, ताकि वे अपने नियमित शैक्षणिक प्रदर्शन के अलावा सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें. आकाश वर्मा और राजनंदनी तिवारी के नेतृत्व में बीसीए कार्यक्रम के पांच छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय हैकथॉन में भाग लिया और देश भर में प्रतियोगिता जीती. उन्होंने आनंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई में शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2023 में प्रथम स्थान हासिल किया, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में ई-सुरक्षा साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय हैकथॉन में प्रथम पुरस्कार, आईआईटी आईएसएम धनबाद में कॉन्सेटो हैकथॉन में प्रथम पुरस्कार, आईआईटी बॉम्बे में एटलसियन हैकथॉन में भारत की शीर्ष 8 टीमें फाइनलिस्ट व माइक्रोसॉफ्ट इमेजिन कप में सेमी फाइनलिस्ट में विजेता रहे.

इनक्यूबेशन सेंटर व विदेशी भाषा लैब स्थापित करने की योजना

उन्होंने बताया कि एमबीए प्रोग्राम की छात्रा रितिका कुमारी ने एनआईटी कुरुक्षेत्र में 'योवा संगम' में भाग लिया, जहां उन्हें हरियाणा के राज्यपाल के साथ बातचीत करने का मौका मिला. कानूनी जागरूकता के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झारखंड द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्कूल ऑफ लॉ के लीगल एड क्लिनिक को सर्वश्रेष्ठ कानूनी सेवा क्लिनिक के लिए सम्मानित किया गया है. प्रोफेसर (डॉ.) रमन कुमार झा ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय ने स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए एक इनक्यूबेशन सेंटर और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय नौकरी के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए विदेशी भाषा लैब स्थापित करने की योजना बनाई है. इसके अलावा, विश्वविद्यालय न केवल इक्फ़ाई के लिए बल्कि पूरे झारखंड के लिए उद्योग-शैक्षणिक ज्ञान और कौशल अंतर को पाटने के लिए प्रोफेसर डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, रांची, प्रोफेसर डॉ. डीके सिंह, जेयूटी जैसे झारखंड के अग्रणी कुलपतियों की मदद से वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर रहा है. शिक्षा की गुणवत्ता और समाज पर इसके प्रभाव की मान्यता में, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड को टाइम्स हायर एजुकेशन, लंदन और वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज रियल इम्पैक्ट जैसी स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय और भारतीय रैंकिंग एजेंसियों द्वारा गुणवत्ता में भारत के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में तथा शिक्षा और औद्योगिक अनुप्रयोगों में प्रभाव के संबंध में शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में से स्थान दिया गया था.

पेंशनधारियों में बीते चार सालों में 82% की वृद्धि, 35 लाख से ज्यादा लाभार्थी

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चे को जल्द मिलेगा अंडा : कृपानंद

खास बातें

- पोषाहार के लिए विभाग की तैयारियां दो माह में होंगी पूरी
- ट्रांसजेंडर्स के उत्थान के लिए बोर्ड का गठन किया जायेगा

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पोषाहार में अंडा जल्द मिलता शुरू होगा. इसके लिए विभाग तैयारी कर रहा है. इसमें एक से दो माह का समय लगेगा. वहीं राज्य सरकार 100 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड तैयार कर ससमय लाभुकों को पेंशन देने का काम कर रही है. सर्वजन पेंशन योजना के तहत राज्य में कुल नौ योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें तीन योजनाएं केन्द्र संपोषित हैं तथा 6 योजनाएं राज्य सरकार चला रही हैं. चार वर्षों में राज्य के पेंशनधारियों में 82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. वहीं आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि 2023 में इस अभियान में 6 लाख 56 हजार से ज्यादा पेंशन के आवेदन प्राप्त हुए हैं. सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेस कांफ्रेस को संबोधित करते हुए महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव कृपानंद झा ने कही.

उन्होंने योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड में ट्रांसजेंडर्स के उत्थान के लिए बोर्ड का गठन किया जायेगा. विभाग उनके उत्थान के लिए एक समेकित योजना तैयार कर रहा है. विभागीय सचिव ने बताया कि राज्य में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत किसी कारणवश ड्रॉप आउट हो रही बच्चियों को प्रोत्साहित करने के लिए और उन्हें शिक्षित बनाने के लिए 2023-24 में अब तक 6 लाख 21 हजार लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया है. वहीं बीते 23 में 7 लाख 28 हजार से ज्यादा बच्चियों एवं किशोरियों को लाभ दिया गया. विभाग की ओर से मातृ किट वितरण की योजना शुरू की गयी है. साथ ही सेनेटरी नैपकिन का भी वितरण किया जायेगा. वहीं बाल कल्याण के तहत विषम परिस्थितियों में रह रहे बच्चों के संरक्षण और देखभाल के लिए बच्चों को 4 हजार रुपये प्रति बच्चा स्पॉन्सरशिप उपलब्ध कराया जा रहा है. अब तक यह लाभ 4 हजार 497 बच्चों को दिया जा चुका है.

एक ही कैंपस में ओल्ड एज होम और चिल्ड्रेन होम

चाइल्ड इन कंफिलक्ट विद ला के लिए रांची जिले में 1107 .23 लाख से 50 शैय्या वाले एक प्लेस आफ सेप्टी के निर्माण की योजना है. इसके तहत राज्य के तीन जिले दुमका, पलामू और लातेहार में ऐसे तीन होम तैयार किये जाने की योजना है, जिसमें एक ही कैंपस में ओल्ड एज होम और चिल्ड्रेन होम होंगे.

6850 आंगनबाड़ी केन्द्रों को बनाया जाएगा सक्षम

राज्य के 6850 बेहतर आंगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना पर विभाग काम कर रहा है. वहीं 29 हजार से ज्यादा सेविकाओं को स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराया जायेगा. 10 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन का निर्माण डीएमएफटी/ सीएसआर फंड के तहत कराने की योजना है. साथ ही केन्द्रों में एलपीजी सिलेंडर, वाटर प्यूरीफायर और स्मार्ट टीवी आदि जैसी सुविधा दी जायेगी. सेविकाओं और सहायिकाओं की सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है.

जल्द भरी जाएंगी बाल विकास परियोजना की रिक्तियां

विभाग के अधीन बाल विकास परियोजना के रिक्त पदों के विरुद्ध 64 पदों पर तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं के रिक्त पदों के विरुद्ध 444 पदों पर नियुक्ति संबंधी कार्रवाई की जा रही है. इन रिक्त पदों को भरने के लिए जेपीएससी और जेएसएससी की सहायता ली जायेगी.

अपराह्न 3 बजे खेल मंत्री करेंगे उद्घाटन

एसजीएफआई प्रतियोगिता खेलगांव में आज से शुरू होगी

खेल संवाददाता । रांची

खास बातें

- स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग की मेजबानी में होगा आयोजन
- 17 जनवरी से 19 फरवरी तक स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के द्वारा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मेजबानी में रांची में 17 जनवरी से 19 फरवरी तक आयोजित होने वाली 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल 2023-24 के अंतर्गत फुटबॉल खेल की तैयारी पूरी कर ली गई है. आयोजन के पूर्व खेल गांव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के प्रशासी पदाधिकारी जयंत कुमार मिश्र ने कहा कि रांची में होने वाले 6 खेलों में से 17 से 21 जनवरी तक होने वाले फ़ुटबॉल अंडर 14 बालक एवं बालिका प्रतियोगिता के लिए देश भर से 620 बालक एवं 500 बालिका खिलाड़ी, झारखंड फ़ुटबॉल संघ एवं झारखंड ओलम्पिक संघ से 117 तकनीकी पदाधिकारी खेल गांव पहुंच चुके हैं. उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से सभी को उनके झारखंड आगमन पर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया व उनके खेल गांव पहुंचने पर पंजीयन के उपरांत वेलकम किट बैग दिया गया. प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए शिक्षा विभाग के 200 से अधिक शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं 50 से अधिक पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है.

प्रतियोगिता का उद्घाटन 17 जनवरी को 3 बजे खेल मंत्री हफीजुल हसन, खेल विभाग और शिक्षा विभाग के पदाधिकारी बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में करेंगे. फुटबाल प्रतियोगिता के बालिका वर्ग के मैच विकास विद्यालय में एवं बालक वर्ग के मैच खेल गांव प्रैक्टिस ग्राउंड, बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी एवं मंदिर मैदान मोरहाबादी में मैच खेले जाएंगे. उन्होंने बताया कि फुटबॉल के अलावे रांची में कबड्डी, वुशु, खोखो, साइकलिंग और स्केटिंग की प्रतियोगिता होंगी. जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अयोजन सचिव धीरसेन सोरेंग, झारखंड ओलिंपिक संघ के शिवेंदु दुबे, झारखंड फ़ुटबॉल संघ के तकनीकी निदेशक नवीन सुंडी, एस जी एफ आई के प्रतिनिधि कनिका मौजूद थे.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले कोयला मंत्रालय के अपर सचिव एम नागराजू

रांची। कोयला मंत्रालय के अपर सचिव एम नागराजू और सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने मंगलवार को सीएम हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की. इस मौके पर सीसीएल के साथ टीवीएनएल के विस्तार पर चर्चा हुई. मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे भी इस मौके पर मौजूद थे.

परीक्षा का एडमिट कार्ड नहीं हुआ जारी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली जाने वाली संयुक्त स्नातक प्रतियोगिता परीक्षा का एडमिट कार्ड अब तक जारी नहीं किया गया है. परीक्षा 28 जनवरी और 4 फरवरी को होनी है. परीक्षा होने में केवल 11 दिन बाकी हैं. इस कारण से अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है. इससे पहले परीक्षा के लिए 16 और 17 दिसंबर 2023 की तिथि तय की गयी थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से परीक्षा को स्थगित कर दिया गया. इसके बाद परीक्षा की तिथि 21 को निर्धारित किया गया, लेकिन इसके बाद परीक्षा की तिथि में फिर से बदलाव किया गया.

नंदी धाम अलसंगा में सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिमडेगा/ठेठईटाँगर । प्रखंड के नन्दी धाम अलसंगा में मकर संक्रांति के मौके पर देर रात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड पार्टी युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का मौजूद रहे. अपने संबोधन में उन्होंने सबसे पहले सभी को मकर संक्रांति की शुभकामना देते हुए इस प्रकार का आयोजन करने को लेकर समिति की सराहना की. उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आप झारखंड पार्टी को जानकारी दें ,आपकी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर दूर करने का काम किया जाएगा.

प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों को मिली नियुक्ति तिथि से ग्रेड-01 की स्वीकृति

संवाददाता। रांची

डीसी सह अध्यक्ष जिला शिक्षा स्थापना समिति राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक रांची मिथलेश केरकेट्टा और जिला शिक्षक स्थापना समिति के सभी पदाधिकारी और सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे.

बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों को नियुक्ति तिथि से ग्रेड-01 की स्वीकृति प्रदान जाएगी. वहीं सेवा मुक्त शिक्षकों को पुनः बहाल करने के लिए तीन शिक्षकों को न्यायालय के आदेश के आलोक में बहाल किया जाएगा. शिक्षक व शिक्षिकाओं की अवकाश स्वीकृति प्रदान करने के क्रम में एक शिक्षिका के अवकाश की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया. प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षक की सेवा संपुष्ट करने के संबंध में पांच शिक्षकों की सेवा संपुष्टि की जाएगी. पिछले पांच वर्ष से

अनुपस्थित शिक्षिका से दूसरा कारण पृच्छा की जाएगी. आरोप मुक्त शिक्षक को विभागीय कार्रवाई से मुक्त किया जाएगा. प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक शिक्षक को अन्यत्र प्रतिनियोजित करने का निर्णय लिया गया. पिछले पांच वर्ष से अनुपस्थित गैर अनुसूचित जिले से अनुसूचित जिले में अवमानना वाद सख्या-612/2022 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में पुनः वाद दायर करने वाले 33 वादियों के स्थानांतरण से संबंधित निर्णय लिया गया.

कला का कमाल : हजारीबाग के नूरा शिव मंदिर में 20 फुट लंबी और 20 फुट चौड़ी रंगोली

टिंकू की रंगोली, खूब बटोर रही है सुर्खियां

संवाददाता। हजारीबाग

जिला के युवा आर्टिस्ट टिंकू इन दोनों भगवान श्री राम की रंगोली बनाकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. 16 साल का टिंकू नूरा शिव मंदिर में लगभग 20 फीट लंबी और 20 फीट चौड़ी रंगोली में श्री राम, लक्ष्मण, सीता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दर्शाया है. वहीं एक स्कूल का बच्चा राम मंदिर की ओर जा रहा है. अपनी रंगोली में उसने राम मंदिर को भी बनाया है. पिछले 7 दिनों से टिंकू रंगोली तैयार कर रहा है. मंगलवार को उसकी रंगोली तैयार हो गयी. रंगोली तैयार होने के बाद देखने वालों की हुजूम वहां टूट पड़ी है. सभी आर्टिस्ट टिंकू की कला की सराहना कर रहे हैं.

देखने योग्य

भगवान श्रीराम, अयोध्या, मंदिर और योगी को मिला है रंगोली में स्थान

टिंकू ने रंगोली बनाने में मार्बल चूर्ण का उपयोग किया है. तरह-तरह के रंग-बिरंगे शंखमर्मर चूर्ण और बालू से रंगोली तैयार की गयी है. उसकी रंगोली को देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंच रहे हैं और सभी की जुबान पर एक ही वाक्य है- वाह टिंकू, तुने तो गजब का डाला.रंगोली बनाने वाला कलाकार टिंकू कहता है- जब से होश संभाला है, तभी से राम जन्मभूमि के बारे में सुनते आए हैं. ऐसे में जब राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है और वहां प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है तो इस खुशी में भगवान राम की रंगोली बना दी है. उसका कहना है कि रंगोली बनाने के बाद वह खुशी मिल रही है, जिसको बयान नहीं किया जा सकता. टिंकू हजारीबाग के नूरा का रहने वाला है.उसने बेहद कम समय में कलाकृति के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान जिले और पूरे राज्य भर में बनाई है. एक बार फिर टिंकू की रंगोली शहर में धूम मचा रही है.

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय

बिरसा भगवान और कार्तिक उरांव की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

डॉ. सुनील दुबे ने संभाला कुलपति का पदभार, दिए कई निर्देश

संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के नये कुलपति के रूप में डॉ. सुनील चंद्र दुबे ने पदभार ग्रहण किया. सुनील चंद्र दुबे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में सहायक महानिदेशक है. इनका कार्यकाल 3 साल के लिए होगा. पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ सुनील दुबे ने बीएयू परिसर स्थित बिरसा भगवान और कार्तिक उरांव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित किया. कुलपति ने सभी निदेशकों और डीन को निर्देश दिया की अधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और सभी स्तर के शिक्षकेतर कर्मचारियों के रिक्त पदों का ब्योरा एक सप्ताह के अंदर निदेशक प्रशासन के पास जमा कराए, ताकि एक माह के अंदर सभी रिक्तियां जेपीएससी और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम बहाली की जा सके उन्होंने विश्वविद्यालय के स्कॉलर परिषद और प्रबंध परिषद की बैठक 15-20 दिनों के अंदर कराने का निर्देश दिया. विश्वविद्यालय में एग्रोटेक किसान मेला 24 से 26 फरवरी तक करने का निर्णय लिया गया और इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का निदेश निदेशक प्रसार शिक्षा को दिया गया.

बीएयू में सहायक प्राध्यापक के रूप में कर चुके हैं कार्य

डॉ सुनील चंद्र दुबे वर्ष 1989 से 2001 तक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक व एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य कर चुके हैं. बाद में वह आईसीएआर, नयी दिल्ली चले गए, जहां उन्होंने सीनियर साइंटिस्ट, प्रधान साइंटिस्ट, विभागाध्यक्ष, निदेशक और सहायक महानिदेशक के पदों पर कार्य कर चुके है. पौधा और कवक रोगों का प्रबंधन व निदान उनके शोध का प्रमुख क्षेत्र रहा है. देश-विदेश के प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल में उनके 200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हैं. वर्तमान में वह नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, नयी दिल्ली, नेशनल अकेडमी आफ बायोलॉजिकल साइंसेज, तमिलनाडु, इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, उदयपुर और इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, नयी दिल्ली के फेलो हैं.

कुलपति ने कहा कि डीन, डायरेक्टर सहित सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी, अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना होगा और फाइल में स्पष्ट राय देनी होगी ताकि फाइलों का निष्पादन में कम से कम समय लगे. फाइल मूवमेंट की प्रक्रिया को भी छोटा किया जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय में कोई भी खर्च पूरी तरह नियमपूर्वक होना चाहिए. एक्ट, स्टेच्यूट, सेवा संहिता और सरकारी प्रावधानों के तहत ही प्रस्ताव और फाइल नोटिस आनी चाहिए.

जेएसएससी का परीक्षा परिणाम जारी करने की उठायी मांग

जूनियर इंजीनियर अभ्यर्थी धरना पर

संवाददाता। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) कार्यालय के बाहर जूनियर इंजीनियर (जेई) अभ्यर्थी धरने पर बैठे हैं. अभ्यर्थी अक्टूबर 2023 में ली गयी जेई परीक्षा का परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं. इससे पहले अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री सचिवालय, राजभवन समेत कई सरकारी कार्यालयों में परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग को लेकर आवेदन दे चुके हैं. इसके अलावा जेएसएससी कार्यालय को भी आवेदन दिया था. इसके बावजूद जेएसएससी ने रिजल्ट जारी नहीं किया. जिसके बाद गुस्साये अभ्यर्थियों ने जेएसएससी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गये. बता दें कि जेएसएससी ने जुलाई 2022 में

जूनियर इंजीनियर की परीक्षा ली थी. जिसका प्रश्न पत्र लीक हो गया था. इसके बाद अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया था. जिसके बाद जेएसएससी ने परीक्षा रद्द कर दिया था. इसके बाद जुलाई 2023 में दोबारा परीक्षा ली गयी थी. लेकिन नियोजन नीति रद्द होने के कारण फिर से परीक्षा रद्द हो गया. इसके बाद अक्टूबर 2023 में परीक्षा ली गयी. लेकिन इसके परिणाम अब तक जारी नहीं किये गये हैं.

बजट की तैयारी कर रही सरकार, अंतिम रूप देने में लगे हैं अधिकारी-कर्मचारी

चुनावी वर्ष 2024 में हेमंत सोरेन सरकार के सामने हैं कई चुनौतियां

बजट की तैयारी

राज्य सरकार जोरशोर से बजट की तैयारी में जुटी है. सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं. चुनावी वर्ष होने के कारण उसे बहुत सोच समझ कर बजट पेश करना है. महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे सरकार के सामने चुनौती बन कर खड़ी है. अगले महीने पेश होने वाले बजट को लेकर लोगों के बीच चर्चा भी जारी है. आम आदमी की चाहत है कि महंगाई पर अंकुश लगे ताकि उन्हें घर चलाने में सहूलियत हो. उनका कहना है कि बजट में इसका प्रावधान होना चाहिए. इस समय काफी संख्या में राज्य के बच्चे ऊच्च शिक्षा के लिए अन्य राज्यों में जाते हैं. अगर उसकी व्यवस्था झारखंड में ही हो जाए तो बच्चों की पढ़ाई और आसान हो जाएगी. इसलिए मेडिकल और इंजीयरिंग कॉलेजों की संख्या बढ़नी चाहिए. पिछले कई सालों से लोग यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि झाररखंड शिक्षा और पर्यटन हब के रुप में उभरकर आएगा. इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा और राज्य के राजस्व में वृद्धि भी होगी. कई वर्षों से यह बात चर्चा में है कि प्राकृतिक स्थलों के अलावा कई राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक धरोहर यहां हैं. उन्हें विकसित करने की जरुरत है. ताकि टूरिज्म तेजी से बढ़े और राज्य के आम आदमी की आर्थिक स्थिति में सुधार हो. इसके अलावा विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरा जाए ताकि कर्मचारियों के अभाव में कामकाज प्रभावित न हो. बजट में इन सब चीजों के लिए प्रावधान किए जाने की जरुरत है. शुभम संदेश की टीम ने बजट के सिलसिले में राज्य के विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

- आम आदमी की चाहत महंगाई पर अंकुश लगाया जाए
- हर विभाग के रिक्त पदों को शीघ्र भरे राज्य सरकार
- राज्य में ही उच्च शिक्षा की सुविधाएं मिलनी चाहिए
- राज्य में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या बढ़नी चाहिए

सरकार के बजट में ऐसा प्रावधान हो कि...

शिक्षा और पर्यटन का हब बने झारखंड

गोड्डा

चिकित्सक की पढ़ाई का खर्च अब कम होना चाहिए, सरकार ध्यान दे : डॉ. ओम वाचस्पति

गोड्डा के युवा चिकित्सक डॉ. ओम वाचस्पति कहते हैं कि बजट में चिकित्सक बनने की प्रक्रिया को पारदर्शी और सस्ता बनाए जाने का प्रावधान किया जाना चाहिए. चयन की प्रक्रिया को गुणवत्ता पूर्ण के साथ साथ योग्यतम प्रत्याशी को मौका मिले, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए. पढ़ाई महंगी न हो इसके लिए कॉलेज को सरकार की ओर से सब्सिडी दिए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए.

बायोटेक्नोलॉजी और उपकरणों में स्वदेशी को बढ़ावा देना चाहिए : डॉ. प्रशांत मिश्रा

सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रशांत मिश्रा कहते है कि चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग होने वाले आधुनिक उपकरण विदेशी होते हैं जो बहुत ही महंगे होते हैं. उनकी जगह पर स्वदेशी उपकरणों को बढ़ावा देना चाहिए एवं बायोटेक्नोलॉजी पर सरकार को अधिक फोकस करना चाहिए. तभी इसका लाभ मिलेगा और चिकित्सा व्यवस्था सस्ती हो सकेगी. इसका लाभ प्रदेशवासियों को मिलेगा.

मेडिकल की पढ़ाई के लिए सीट बढ़ाए जाने की बहुत जरूरत है : डॉ. अरुण सिंह

आई स्पेशलिस्ट डॉ. अरुण सिंह कहते है कि केंद्र और राज्य दोनों सरकार को चाहिए कि चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी करे. इसके लिए मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या को बढ़ानी होगी. साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बदलाव करते हुए इसे वर्ल्ड लेवल का बनाए. बजट में अलग राशि का प्रावधान कर इसे किया जा सकता है.

विश्वस्तरीय चिकित्सा का लाभ सभी को मिले ऐसी व्यवस्था हो : मुकेश गाडिया

मेडिकल क्षेत्र में एक लंबे समय से काम करने वाले युवा कारोबारी मुकेश कुमार गाडिया बताते हैं कि चिकित्सा क्षेत्र में जबरदस्त सुधार किए जाने की आवश्यकता है. अभी भी हमारे यहां पुरानी चिकित्सा व्यवस्था ही है, जबकि विश्व स्तर पर टेक्नोलॉजी कहां से कहां चली गई है. इसका लाभ अभी भी हमारे देश में खास लोगों तक ही सीमित है. इसे निचले स्तर तक फैलाए जाने की आवश्यकता है. इसके लिए सरकार को बजट में अलग से प्रावधान कर उपाय करने चाहिए. यही प्रदेश के कारोबारियों की मांग है.

बजट में प्रशिक्षण के लिए राशि आवंटित होनी चाहिए, वकीलों को लाभ होगा : मो शाहजहां

महगामा प्रखंड में कार्यरत शिक्षक मो शाहजहां कहते है कि बजट में प्रशिक्षण के लिए विशेष व्यवस्था किया जाना चाहिए. ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है. शिक्षक ने बताया कि वर्तमान समय में आधुनिक शिक्षा से जुड़ने के लिए उपाय किए जाने चाहिए. इसके लिए शिक्षक एवं छात्र दोनों को समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है, ताकि सभी एक समान आधुनिक शिक्षा से जुड़ सकें.

शिक्षा सबके लिए जरुरी, बजट में अलग से प्रावधान करे राज्य सरकार : मो लुकमान

शिक्षक मो लुकमान कहते हैं कि सरकार को शिक्षा में बजट के लिए अलग से प्रावधान करना चाहिए ताकि शिक्षा का प्रसार सौ प्रतिशत तक हो सके. हर घर तक हर बच्चे को शिक्षा मिले इसके लिए एक अभियान चलाकर जोड़ा जाना चाहिए. शिक्षा को अनिवार्य करने के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए.

प्राथमिक शिक्षा सबको मिले, इसकी पूरी व्यवस्था होनी ही चाहिए : अमरेश कुमार

हनवारा में पदस्थापित शिक्षक अमरेश कुमार कहते हैं कि प्राथमिक शिक्षा सबको मिले इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाना चाहिए. प्रत्येक बच्चे की प्राथमिक शिक्षा पूरी हो इसके लिए स्पष्ट और अनिवार्य व्यवस्था किया जाना चाहिए. शिक्षक को भी इसके लिए तैयार किया जाने की आवयशक्ता है.

अधिवक्ता हित पर सरकार को ध्यान देना जरुरी, सुरक्षा बढ़ाई जाए : प्रमोद शर्मा

गोड्डा व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता प्रमोद शर्मा कहते हैं कि सरकार को चाहिए कि वह अधिवक्ताओं के हित के लिए बजट में प्रावधान करे ताकि अधिवक्ताओं की सुरक्षा और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके. सरकार की अधिकांश योजनाओं के लाभ से अधिवक्ताओं को वंचित कर दिया जाता है.

सरकार बजट में आवासीय कॉलोनी व्यवस्था का प्रावधान करे : विनोद पंडित

अधिवक्ता विनोद पंडित कहते हैं कि सरकार अपने बजट में हर बार अधिवक्ताओं को लाभ देने की बात करती है, मगर होता कुछ नहीं है. सरकार को चाहिए कि अधिवक्ताओं को कम रेट पर ऋण उपलब्ध कराए. अधिवक्ता के बच्चों को बेहतर पढ़ाई के लिए बिना गारंटी फंड उपलब्ध करवाए. आवासीय कॉलोनी की व्यवस्था हो. आखिर उन्हें भी तो सरकार से कुछ मिले.

जिलों में अधिवक्ताओं को अत्याधुनिक लाइब्रेरी की सुविधा मिले : निखिल झा

अधिवक्ता निखिल झा कहते हैं कि बजट में प्रावधान होना चाहिए कि प्रत्येक बार एसोसिएशन के अंदर अत्याधुनिक सुविधा से युक्त लाइब्रेरी की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि छोटे जगह पर प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं को सभी लॉ एवं कोर्ट के आदेश निर्णय की अद्यतन जानकारी प्राप्त हो सके. यह अधिवक्ताओं के लिए काफी लाभकारी होगा. वैसे भी सभी के लिए पढ़ना जरुरी है. जब वकीलों को जानकारी होगी तो वे अपनी बहस और अच्छी तरह से कर सकेंगे.

धनबाद

फिर बरगलाने वाला होगा बजट, पर युवा झांसे में फंसने वाले नहीं : सौरभ

धनबाद झरिया स्थित न्यू पाथरबंगला के रहने वाले सौरभ कुमार मंडल ने कहा कि जो सरकार अपने 4 वर्षों के कार्यकाल में युवाओं को रोजगार देने की दिशा में कार्य नहीं की है. वह अब अपने आखिरी कार्यकाल में क्या करेगी . सरकार का यह बजट फिर से युवाओं को बरगलाने वाला होगा .लेकिन इस बार युवा इनके चुनावी झांसे में नहीं आएंगे .

सरकार इस बार के बजट में युवाओं को पहली प्राथमिकता दे : तिलक जेडिया

धनबाद जोराफाटक के रहने वाले तिलक जेडिया ने कहा कि सरकार इस बजट में युवाओं को पहली प्राथमिकता दे. क्योंकि युवा के कंधों पर समाज और राज्य का भविष्य टिका हुआ है. सरकार से अपेक्षा है कि अधिक से अधिक युवाओं के विकास के लिए बजट पास करें और युवा पीढ़ी को नई ऊंचाई और नए भविष्य की ओर अग्रेषित करें.झारखंड के नवयुवक छात्रों के लिए सभी महाविद्यालय में 11वीं और 12वीं की कक्षा संपूर्ण रूप से चले. इस प्रकार का लाभ सरकार से चाहूंगा जोकि वर्तमान स्थिति में नहीं हो पा रहा है. साथ ही सरकार राज्य में बड़े उद्योग को स्थापित करने में पूरा प्रयास करे. इसका दूरगामी फायदा होगा.

वर्तमान सरकार ने रोजगार के नाम पर लॉलीपॉप दिया है : सूरज कुमार

धनबाद झरिया स्थित जामाडोबा 4 नम्बर के रहने वाले सूरज कुमार ने कहा कि इस बजट में राज्य सरकार से अब कोई उम्मीद नहीं है . राज्य सरकार ने युवाओं को अपने कार्यकाल में रोजगार के नाम पर सिर्फ और सिर्फ लॉलीपॉप दिया है.जिससे युवा पूरी तरह निराश हो चुके हैं .उन्होंने कहा कि छूट या लाभ मिलने की उम्मीद तो तब करेंगे जब वैकेंसी निकलेगी.

युवाओं को रोजगार देने के प्रति सरकार गम्भीर नहीं हो रही है : मनीष कुमार

धनबाद झरिया स्थित जामाडोबा के रहने वाले मनीष कुमार ने कहा कि जो सरकार अपनी चुनावी वादे में 5 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात कही थी उस सरकार से इस बजट में अब क्या उम्मीद रखे .यह बजट पूरी तरह चुनावी होगा जो फिर से धरातल पर नहीं दिखेगा . उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के प्रति सरकार गम्भीर नहीं है. जिससे बेरोजगारी की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है . इसे देखते हुए सरकार को हर सेक्टर में वेकेंसी निकालने की जरूरत है. ताकि युवाओं को उनकी उम्र सीमा में रोजगार मिल सके. नहीं तो उम्र निकलने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता है. यह बहुत ही गंभीर समस्या है. इसे सरकार को देखना होगा.

लातेहार

स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष जोर हो रिक्त पदों को भरा जाए : डॉ. मोना रंजन

दंत चिकित्सक डॉ. मोना रंजन ने कहा कि अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के नहीं रहने के कारण लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें नहीं मिल पा रही है. राज्य के अस्पतालों में चिकित्सकों के काफी पद रिक्त हैं. इसे भरना आवश्यक है. अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के नहीं रहने के कारण मामूली रोगों में भी रोगियों को रेफर कर दिया जाता है. ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में तो चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति ही नहीं है. कई स्वास्थ्य केंद्र तो नर्स व कपांउडर के भरोसे चल रहा है. सरकार को अस्पतालों में चिकित्सकों की बहाली करने का प्रावधान बजट में करना चाहिए. यह प्रदेश के लिए जरूरी है.

बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित, स्कूलों में शिक्षकों की बहाली हो : डॉ. हरि प्रसाद

गांधी इंटर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. हरि प्रसाद ने कहा कि राज्य के स्कूलों में बहुत ही विकट परिस्थिति है. स्कूलों में शिक्षकों की निंतात कमी है. विषयवार शिक्षकों के नहीं रहने के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. उनका परीक्षा परिणाम भी अपेक्षानुरूप नहीं आ रहा है. शिक्षकों के खाली पदों को भरना आवश्यक है. शिक्षा व स्वास्थ्य किसी भी प्रदेश को सुदृढ़ और समृद्ध बनाते हैं. इसके अलावा आवामन को सुलभ बनाना आवश्यक है. ग्रामीण क्षेत्रों को प्रखंड और जिला मुख्यालय से जोड़ना आवश्यक है. आज भी ग्रामीण क्षेत्रों मे सुदृढ़ नहीं है. बजट में नये सड़क बनाने के लिए अलग से प्रावधान किया जाना चाहिए.

एम्स जैसे अस्पताल खोले जाएं, केन्द्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ाए जाएं : रंजीत कुमार

दवा व्यवासायी रंजीत कुमार ने कहा कि राज्य वासियों को बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि आज भी हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में पीछे हैं. राज्य में एम्स जैसे अस्पताल की नितांत आवश्यकता है. रांची के रिम्स में रोगियों का काफी दवाब है, उसे दूर करना आवश्यक है. मेडिकल कॉलेज व शोध यूनिवर्सिटि का खुलना आवश्यक है. सरकार को इस बजट में इसका प्रावधान करना चाहिए. लातेहार में भी एक मेडिकल कॉलेज खुलना चाहिए. यहां के छात्रों को बाहर जाना पड़ता है.

बोकारो

व्यवसायियों के हित में बने योजानाएं, इसका बजट में प्रावधान करे सरकार : संजय सिंह

बोकारो जिले के जैनामोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार को चैंबर के हित में बाजार से लेकर व्यावसायी के कल्याण को ध्यान में रखकर योजनाओं का सृजन करना चाहिए. जैनामोड़ को स्वच्छ बनाने से लेकर पेयजल की समुचित व्यवस्था, आकर्षक लाइटिंग, दुकानों की सुरक्षा से लेकर हर गली व चौक-चौराहे के विकास को लेकर बजट का निर्माण हो, ताकि चैंबर का चहुंमुखी विकास हो सके. उन्होंने बताया कि कई बार सरकार एवं सरकारी पदाधिकारी को जैनामोड़ के सौंदर्यीकरण को लेकर प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन अभी तक सरकार ने इस दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया है.

बजट में बाजार की सुरक्षा का प्रावधान लाए राज्य सरकार : नवीन गर्ग

बोकारो जिले के जैनामोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष नवीन गर्ग ने बताया कि जैनामोड़ में पिछले एक साल से चोरी की घटनाएं बढ़ गयी है. तीन साल पहले उच्च क्षमता के सीसीटीवी लगाए गए थे, जो चोरी हो गए हैं. सरकार को इस बजट में बाजार की सुरक्षा के लिए बाजार के हर गली व चौक चौराहे में सीसीटीवी लगाने की दिशा में बजट में प्रावधान करना चाहिए. इसके अलावा चैंबर का विकास कैसे हो, इसको लेकर बजट में विशेष प्रावधान होना चाहिए. उन्होंने बताया कि व्यवसायी एवं दुकानों की सुरक्षा सबसे पहले जरूरी है, इस दिशा में सरकार को नीति बनाने की जरूरत है.

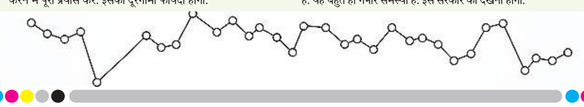

जमशेदपुर

हेल्थ सेक्टर में सुविधाएं बढ़े, हर मरीज को मिले आयुष्मान भारत का लाभ : डॉ. अरुण

डॉ अरुण कहते है कि हेल्थ सेक्टर में सुविधाएं बढ़ाई जानी चाहिए. महंगाई कम हो. आयुष्मान भारत योजना का लाभ मरीजों को बिना किसी प्रकार के परेशानी के सुगम तरीके से मिले, यह सुनिश्चित होना चाहिए. सरकार गांवों में प्राथमिक स्वासथ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोल रही है. इन केंद्रों पर इलाज के दौरान आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित हो. मानव संसाधन को सुदृढ़ किया जाना चाहिए. बजट में सरकार की मजबूत नीति हो, ऐसा ना हो कि न्यायालय में जाकर टूट जाए.

किसानों के हित में हो झारखंड का बजट : सुमित

सुमित माझी कहते है कि झारखंड का बजट स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार सृजन पर आधारित हो. बजट किसानों के हित में हो. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाले बजट की आवश्यकता है, जिससे वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके. बेरोजगारी खत्म करने के लिए सरकार की पहल हो. युवाओं को नौकरी अगर देने में सरकार सक्षम नहीं है, तो उनके लिए व्यापार और कृषि के क्षेत्र काम किए जाएं, जिससे युवा स्वरोजगार कर सकें. इस बार के बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा पर विशेष रूप से फोकस किया जाय. इससे झारखंड का भविष्य सुनहरा होगा. जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट हो.

बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने को लेकर बनाए जाएं बजट : ममता कुमारी

ममता कुमारी कहती है कि बजट ऐसा हो कि मेरे घर का बजट ना गड़बड़ाए. खाद्य सामाग्रियों की कीमत कम हो. रसोई गैस की कीमत कम हो. साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य को भी सस्ते किए जाएं. इस बात का सरकार को ख्याल रखना चाहिए. सरकार को इस बजट में बाजार की सुरक्षा के लिए बाजार के हर गली व चौक चौराहे में सीसीटीवी लगाने की दिशा में बजट में प्रावधान करना चाहिए. सौंदर्य प्रसाधन की कीमतें नियंत्रित हो. सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को सुदृढ़ बनाने वाला बजट हो. सरकार बाजार व्यवस्था व फुड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर बजट में प्रावधान करे.

बजट में चिकित्सा संसाधनों पर विशेष ध्यान देना चाहिए: रंजीत

बहरागोड़ा के चिकित्सा कर्मी रंजीत कुमार साहू का कहना है कि सरकार को बजट बनाते वक्त सभी वर्गों को ध्यान रखते हुए चिकित्सा के क्षेत्र को और बेहतर बनाने के लिए बजट में विशेष ध्यान देना चाहिए. जिससे कि कोरोना जैसे महामारी या आपात का स्थिति में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराया जा जिससे स्थाई स्वास्थ्य कर्मी की पदों में वृद्धि एवं औषधि की कमी को दूर किया जा सके.

चक्रधरपुर

बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत देने वाला हो सरकार का बजट: डॉ. सचिदानंद राम

चक्रधरपुर निवासी चिकित्सक सचिदानंद राम ने कहा कि राज्य सरकार का बजट बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत देने वाला होना चाहिए. बढ़ती महंगाई से हर कोई त्रस्त है. दिन प्रतिदिन खाद्यान्न सामान से लेकर जरुरत के सामानों के दामों में इजाफा हो रहा है. इससे लोगों को घर-परिवार चलाने में मुश्किलें आ रही है. बजट किसानों के लिए हितकारी होनी चाहिए. किसानों के लिए विशेष पैकेट हो तो बेहतर होगा. उन्हें आनेवाले दिनों में फायदा होगा. साथ ही बजट में मध्यम वर्ग के लोगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए.

शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकार ध्यान दे टैक्स भी कम हो : डॉ. मनोज कुमार कोड़ाह

रिम्स के डॉक्टर सह समाजसेवी गोईलकेरा निवासी डॉक्टर मनोज कुमार कोड़ाह ने कहा कि राज्य सरकार के बजट में शिक्षा व स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए. बजट जनकल्याणकारी हो,ताकि लोगों पर टैक्स के नाम पर अतिरिक्त बोझ न बढ़े.राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति ठीक नहीं है.इस पर राज्य सरकार को प्रमुखता से कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर स्वास्थ्य उपकेन्द्र की सुविधा नहीं है.उन स्थानों पर स्वास्थ्य उपकेन्द्रों का निर्माण होना चाहिए. अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर होनी चाहिए, ताकि स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हो सकें.

केन्द्रों में बढ़ायी जाएं सुविधाएं, चिकित्सकों की कमी भी दूर की जाए : डॉ. दुर्गा प्रसाद

चक्रधरपुर निवासी होमियोपैथी के चिकित्सक डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार के बजट में स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया जाता है. इस बार के बजट में सरकार को स्वास्थ्य को लेकर ध्यान दिया जाना चाहिए. स्वास्थ्य केन्द्रों में सुविधाएं बढ़ायी जानी चाहिए.चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में एक्सरे तक की सुविधा नहीं है.वहीं अस्पताल में डॉक्टरों कमी है. ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पताल जर्जर हालत में पड़े हुये हैं.ग्रामीण क्षेत्रों तक मोबाईल वैन के माध्यम से लोगों तक ईलाज की सुविधा पहुंचनी चाहिए.

बहरागोड़ा

चिकित्सा का क्षेत्र महत्वपूर्ण, सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे: अमृतांशु बेरा

फार्मासिस्ट अमृतांशु बेरा ने बताया कि सरकार को बजट बनाते वक्त चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष बल देना चाहिए. क्योंकि महामारी तथा आपातकाल जैसे स्थिति में बजट कम होने से स्वास्थ्य सुविधा बेहतर तरीके से मिल पाना असंभव हो जाता है. इसलिए प्रतिदिन बढ़ रही जनसंख्या की दर को देखते हुए चिकित्सा विभाग पर सारे संसाधन के साथ-साथ मैनपॉवर की भी वृद्धि करनी चाहिए. इससे काम करना आसान होगा. मरीजों को फायदा होगा. साथ ही ग्रामीण स्तर में स्वास्थ्य सुविधा को और बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए.

राज्य सरकार बजट में चिकित्सा तथा शिक्षा पर विशेष ध्यान दे: देवाशीष साउ

चिकित्सा विभाग से जुड़े देवाशीष साउ का कहना है कि राज्य सरकार को बजट बनाते वक्त शिक्षा तथा चिकित्सा मैं विशेष बोल देना चाहिए. क्योंकि दूसरे राज्य की अपेक्षा हमारे झारखंड राज्य में शिक्षा तथा चिकित्सा अत्यंत पिछड़ा हुआ है. वहीं स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए हमें पड़ोसी राज्यों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है. कई मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्य में जाना पड़ता है. इससे उन्हें काफी परेशानी होती है. काफी खर्च भी होता है. इसलिए सारे संसाधनों के साथ चिकित्सा कर्मियों की बढ़ोतरी करनी चाहिए.

गिरिडीह

राज्य सरकार के बजट में स्वास्थ्य सुविधा पर ध्यान देने की जरूरत : डॉ. सुभाष मिश्रा

गांडेय प्रखंड के चिकित्सक डॉ सुभाष मिश्रा ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को आगामी बजट में स्वास्थ्य सुविधा पर ध्यान देने की जरूरत है . वर्तमान समय में सरकारी अस्पताल में इलाज की सुविधा तो उपलब्ध है, लेकिन मरीजों को दवा नही मिल पा रहा है. जबकि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मरीजों को मुफ्त दवा देने के नाम पर प्रति वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं. इस पर सरकार को ध्यान देने की जरुरत है.

राज्य सरकार को बजट में चिकित्सकों पर ध्यान देने की जरूरत : डॉ. राजेश कुमार

जमुआ सीएचसी के चिकित्सक डॉ राजेश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार को आने वाले बजट में चिकित्सकों की सुविधा पर ध्यान देने की जरूरत है . पिछले दस_पंद्रह वर्षों से चिकित्सक अनुबंध पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन उसे नियमित करने की दिशा में कोई कारगर पहल नहीं किया जा रहा है . सीएचसी में अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी काफी कम वेतनमान पर कार्य कर रहे हैं . उन्हें भी नियमित करने की जरूरत है.

अनुबंध पर काम कर रहे चिकित्सकों को नियमित करने की है जरूरत : डॉ. युनुस

धनवार के चिकित्सक डॉ युनुस अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार को इस बजट में अनुबंध पर काम कर रहे चिकित्सको को नियमित करने की जरूरत है . राज्य में स्वास्थ्य सेवा काफी अहम है . इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है . अनुबंध पर काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मी भी दिन_रात अपनी सेवा में लगे रहते हैं. उनकी सेवा को नियमित करने की जरूरत है.

चिकित्सकों की नियुक्ति जरूरी, स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढ़नी चाहिए : डॉ. काजिम खान

डॉ काजिम खान ने कहा कि झारखंड में चिकित्सकों की नियुक्ति जरूरी है. चिकित्सकों की कमी के कारण कई स्वास्थ्य केंद्र और सीएचसी में डॉक्टरों की कमी है. राज्य सरकार को अपने बजट में चिकित्सकों की कमी को दूर करने की कोशिश करना चाहिए. साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में सुविधाएं भी बढ़ाई जानी चाहिए. इससे मरीजों को लाभ होगा.

बेरमो

खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी लाया जाय तो अच्छा रहेगा: आनंद जायसवाल

गोमिया के प्रसिद्ध व्यवसायी आनंद जायसवाल ने बताया कि राज्य सरकार खाद्य पदार्थों में टैक्स को कम करे. महंगाई के कारण आम आदमी पूर्व की तरह सभी प्रकार के विटामिन से संबंधित खाद्य पदार्थ का उपयोग नहीं कर पाता है. इसलिए राज्य सरकार को इस पर विशेष ध्यान दे. यह बुनियादी जरुरत से जुड़ा हुआ है.

कर नियंत्रित करे सरकार : संतोष कुमार

संतोष कुमार गोमिया में प्रिंटिंग प्रेस चलाते हैं. हाल के दिनों में रो मेटीरियल के दाम बढ़ गए हैं. पहले प्रिंटिंग में कोस्ट कम लगता था, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार के टैक्स के कारण लागत बढ़ गई है. इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए. साथ ही सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए. आम से लेकर खास वर्ग को भी इन दोनों क्षेत्रों में महंगाई की मार झेलनी पड़ती है.

बेरोजगारी की तलवार

दुनिया भर में बेरोजगारी किस तरह अपना असर दिखाने लगी है, सूचना तकनीक क्षेत्र में नौकरियों के संकट से इसे समझा जा सकता है. बेरोजगारी भारत में भी एक गंभीर समस्या है और इसमें नयी नौकरियों की कमी तो एक बड़ी समस्या तौर पर मौजूद है. लेकिन इससे भी ज्यादा बड़ा असर तो उन लोगों पर है, जो अभी नौकरियों में हैं, लेकिन जिन पर रोजगारहीनता की तलवार लटक रही है. नए साल की शुरुआत के साथ टेक्नोलॉजी क्षेत्र की कंपनियों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें आने लगी हैं. गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक सभी ने एलान किया है कि इस वर्ष वे अपनी कर्मचारियों की संख्या में कटौती करेंगी. इसकी दो वजहें बताई गई हैं. एक तो आशंका है कि इस वर्ष विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी का शिकार हो सकती हैं. दूसरी तरफ ये कंपनियां अब बड़े पैमाने पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही हैं. इस कारण पहले जितने कर्मचारियों की जरूरत पड़ती थी, अब उतनी आवश्यकता नहीं रह गई है. इस बीच टीसीएस और इन्फोसिस जैसी भारत की भी बड़ी कंपनियों ने अपनी पिछली तिमाही की जो रिपोर्ट जारी की है, उसके परिणाम निराशाजनक आए हैं. इसका प्रभाव इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों पर अवश्य पड़ेगा. मतलब यह कि हाई टेक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए संकटपूर्ण दिन आने वाले हैं. वैसे यह सूरत सिर्फ टेक क्षेत्र की नहीं है. संयुक्त राष्ट्र की श्रम एजेंसी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने चेतावनी दी है कि नए साल में दुनिया भर में बेरोजगारी बढ़ने का अंदेशा है. आईएलओ ने कहा है कि साल 2022 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5.3 प्रतिशत थी, जो पिछले साल थोड़ी बेहतर होकर 5.1 प्रतिशत रही, लेकिन आईएलओ के अध्ययन के मुताबिक 2024 में श्रम बाजार परिदृश्य और बेरोजगारी के बिगड़ने की आशंका है. इस साल वैश्विक बेरोजगारी दर बढ़कर इस साल 5.2 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी. आईएलओ के मुताबिक जी-20 के सदस्य अधिकांश देशों में अतिरिक्त आय में कमी आई है. महंगाई की वजह से जीवन स्तर में जो गिरावट हुई है, वह जल्द सुधरने वाली नहीं है. आईएलओ ने अपने एक अन्य अध्ययन के आधार पर कहा है कि चीन, रूस और मेक्सिको को छोड़कर जी-20 के सदस्य देशों में 2023 में औसत वास्तविक वेतन में गिरावट आई हुई है. ब्राजील, इटली और इंडोनेशिया में वास्तविक वेतन में सबसे तेज गिरावट देखी गई. तो उभरता आर्थिक परिदृश्य सबके सामने है, जिस पर नीति निर्माताओं को चिंता करने की जरूरत है. शासक समूहों के लिए अपना तंत्र बचना ही प्राथमिकता है. इसका असर यह हो रहा है कि रोजगार पैदा करने वाली नीतियों पर शासक समूहों और कारपोरेट घरानों ने एक तरह से बंदिश लगा दी है. बढ़ती आर्थिक असमानता एक और बड़ी समस्या की तरह हालात को विकराल बना रही है.

> नए साल की शुरुआत के साथ टेक्नोलॉजी क्षेत्र की कंपनियों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें आने लगी हैं. गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक सभी ने एलान किया है कि इस वर्ष वे अपनी कर्मचारियों की संख्या में कटौती करेंगी.

सुभाषित

विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ।।

एक राजा और विद्वान में कभी कोई तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि एक राजा तो केवल अपने राज्य में सम्मान पाता है वही एक विद्वान हर जगह सम्मान पाता है. जो विद्या को प्राप्त कर चुका है, वह एक राजा से भी अधिक बड़ा है.

तेरा-मेरा नहीं, हम सबके हैं श्रीराम

22 जनवरी, 2024 को उनकी मूर्ति का उनके निज स्थान अयोध्या में स्थापित करके उन्हें जीवंत करने, यानी उनको पुनर्स्थापित के लिए प्राण–प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है. इसके लिए खास रणनीति या फिर साजिश कहें, देश तो दो धड़ों में बंट गया है, एक तो वह, जो इसे नए सिरे से स्थापित करके उनकी प्राण–प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं अर्थात सत्तारूढ़ दल और दूसरा विपक्ष. अब यह भी समझने की कोशिश करते हैं कि ये दोनों आखिर हैं कौन.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

जिस प्रकार हम आसमान की ऊंचाइयों को नाप नहीं सकते, जिस प्रकार हम समुद्र की गहराइयों की थाह नहीं ले सकते, उसी प्रकार हम श्रीराम की मर्यादा की गहराइयों और ऊंचाइयों को क्या किसी भी तरह से माप सकते हैं? क्योंकि वे अनंत हैं, अथाह हैं और सच तो यह है कि यह कार्य भारतीय सोच से उनकी तुलना किसी से बिलकुल नहीं की जा सकतीं, मर्यादा पुरुषोत्तम सबसे अलग हैं. इक्ष्वाकु वंश के मर्यादा पुरुषोत्तम राम अयोध्या के महाराज दशरथ के चार पुत्रों में सबसे बड़े थे. उनकी मर्यादाओं पर अब तक सैकड़ों ग्रंथ लिखे जा चुके हैं, लेकिन जब भी अपने निराशा के क्षण में आप उन्हें जानना और पढ़ना चाहेंगे, उनकी कीर्ति अदभुत होती जाएगी और उस मर्यादा पुरुषोत्तम राम के विचारों से मन आलोकित होने लगेगा. भगवान वाल्मीकि और महाकवि तुलसीदास ने जो लिखा है, यदि उन ग्रंथों को किसी ने पढ़ा है, तो फिर उनके लिए एक सामान्य बुद्धि वाले द्वारा कुछ लिखना बेमानी ही होगी. आज यह विषय बहुत ही विचारणीय हो गया है कि ऐसे श्रीराम को व्यक्तिगत रूप से कोई कैसे अपनी संपत्ति बना सकता है. आज देश ही नहीं, पूरे विश्व में भारत के लिए यही चर्चा का मुद्दा बना हुआ है कि क्या श्रीराम किसी खास धर्म-समुदाय, पार्टी विशेष, संस्था या संगठन की संपत्ति हैं? ऐसा इसलिए, क्योंकि 22 जनवरी, 2024 को उनकी मूर्ति का उनके निज स्थान अयोध्या में स्थापित करके उन्हें जीवंत करने, यानी उनको पुनर्स्थापित के लिए प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है. इसके लिए खास रणनीति या फिर साजिश कहें, देश तो दो धड़ों में बंट गया है, एक तो वह, जो इसे नए सिरे से स्थापित करके उनकी प्राण-प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं अर्थात सत्तारूढ़ दल और दूसरा विपक्ष. अब यह भी समझने की कोशिश करते हैं कि ये दोनों आखिर हैं कौन. इन दोनों में पहले तो एक वह हैं, जो मूर्ति को स्थापित करने और उनमें प्राण-प्रतिष्ठा करने वाले हैं और वे हैं मूलतः भारतीय जनता पार्टी तथा दूसरे वह हैं, जो अभी सत्ता में नहीं है और सत्तारूढ़ दल के विरोध में कार्य करते हैं अर्थात विपक्षी दल. विरोध करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, क्योंकि हमारा संविधान हमें इसकी अनुमति देता है. भाजपा, जो अभी सत्ता में हैं, विपक्ष का कहना है कि अभी तक तो मंदिर का निर्माण पूरा हुआ नहीं है, फिर अधूरे मंदिर में श्रीराम को स्थापित करने का क्या कारण है, यह धर्मसंगत नहीं है. वहीं, संत-महात्माओं और कई पीठ के शंकराचार्य में भी दो फाड़ हो गए हैं. एक का कहना है कि भारतीय धार्मिक पद्धति के अनुसार वह तिथि उचित और शुद्ध नहीं है, जबकि रामनवमी बिल्कुल निकट है. रामनवमी के दिन की तिथि उचित है. ऐसा न करके सत्तारूढ़ दल ने यह इसलिए किया, क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव निकट होने के कारण उस समय तक आचार संहिता लग जाएगी, फिर उद्घाटन और मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा नहीं की जा सकेगी. और, यदि वर्तमान सत्तारूढ़ दल किसी कारण से लोकसभा चुनाव जीत नहीं पाया, तो फिर क्या होगा? विपक्ष का कहना है कि यह शुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए किए जाने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को बाजारीकृत करने का कार्य है, जो देश के लिए अहितकारी है. सच में भाजपा की नीतियों से चिढ़कर अलग हुए कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि चुनाव आते-आते ऐसी कोई बड़ी घटना होगी, जिसकी कोई कल्पना तक नहीं कर पाया होगा. कई राज्यों के राज्यपाल रहे सतपाल मलिक ने तो यहां तक कहा है कि यदि फिर से वर्तमान सरकार चुनकर सत्ता में आती है तो इसके आगे कोई चुनाव देश में नहीं होने वाला है. वहीं, संचार क्रांति के नायक कहे जाने वाले सैम पित्रोदा भी यह कह चुके हैं कि यदि ईवीएम से इस बार भी देश में लोकसभा चुनाव हुए, तो सत्तारूढ़ दल 400 सीटें जीतकर अपनी सरकार बनाएगी. श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के मुद्दे पर देशभर में विवाद गहरा गया है और किसी अनहोनी को मानकर देश का माहौल डरा-सा लगने लगा है. अब 22 जनवरी का दिन दूर नहीं है और संत-महात्माओं ने विवाद खड़ा कर दिया है, वहीं विपक्ष तो पहले से ही मुद्दे को गरमाने में लगा है. अब प्रश्न या है कि इसका समाधान कैसे हो?

चूंकि मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि घोषित कर दी गई है और निमंत्रण भी बांटे जा चुके हैं. क्या सत्तारूढ़ भाजपा इस बात को स्वीकार करेगी कि जिस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री शामिल होकर उद्घाटन करने वाले हों, उसे फिलहाल टाला जा सकता है? यह किसी तरह से संभव नहीं है, क्योंकि यह बात सत्तारूढ़ दल के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है. इसलिए निमंत्रण के साथ यह भी प्रचारित किया जा रहा है कि अभी यह हिंदू राष्ट्र बनाने के मार्ग का एक कदम है, जिसके विस्तार में वाराणसी और मथुरा अगला कदम होगा. उद्घाटन समारोह को टालने की बात विशेषकर शंकराचार्यों द्वारा की जा रही है. ऐसा इसलिए कि आदि शंकराचार्य ने चार मुख्य मठ स्थापित किए थे, जिसका उद्देश्य धर्म रक्षार्थ, सनातन रक्षार्थ था. ऋग्वेद का संबंध पूर्व दिशा से माना जाता है, इसलिए गोवर्धन मठ को जगन्नाथपुरी कहा जाता है. यजुर्वेद का संबंध दक्षिण दिशा से है, इसलिए श्रृंगेरी मठ, अथर्ववेद का संबंध उत्तर दिशा से है, तो जोशीमठ तथा हस्तामलक द्वारिका पूरी के साथ ही बारह ज्योतिर्लिंग की स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी और केवल 32 वर्ष की आयु में उन्होंने शरीर त्याग दिया. जिन शंकराचार्यों ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने से मना कर दिया है, वे हैं स्वामी श्रीनिश्चलानंद सरस्वती, स्वामी श्रीभारती कृष्ण जी, स्वामी श्रीअभिमुक्तेश्वरानंद जी, स्वामी श्रीसदानंद महाराज जी. सनातन धर्म के रक्षार्थ उनका उद्देश्य था यदि कोई आक्रांता हमारे सनातन धर्म पर हमला करे, तो यह मठाधीश शंकराचार्य उनसे शास्त्रार्थ करें और अपने सनातन की रक्षा करें. चूंकि अब देश का राजनीतिक भाव सनातन धर्म के रक्षार्थ नहीं, बल्कि राजनीतिक ताकत का परिचायक हो गया है, इसलिए ऐसा कहा जा रहा है कि देश के इन चार मठों के शंकराचार्यों ने राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण—प्रतिष्ठा को धर्म के अनुकूल नहीं माना है. लेकिन, अब उनकी सुनता कौन है?

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

विनम्रता

विनम्रता आपके आंतरिक प्रेम की शक्ति से आती है. दूसरों को सहयोग व सहायता का भाव ही आपको विनम्र बनाता है. यह कहना गलत है कि यदि आप विनम्र बनेंगे तो दूसरे आपका अनुचित लाभ उठाएंगे. जबकि यथार्थ स्वरूप में विनम्रता आपमें गज़ब का धैर्य पैदा करती है. आपमें सोचने समझने की क्षमता का विकास करती है. विनम्र व्यक्तित्व का एक प्रचंड आभामंडल होता है. धूर्तों के मनोबल उस आभा से स्वयं परास्त हो जाते है. उल्टे जो विमम्र नहीं होते वे आसानी से प्रभावित हो जाते है, क्योंकि धूर्त को तो मात्र मीठी बातों से उसका अहं सहलाना भर होता है. अहंकार यहां परास्त हो जाता है. किन्तु जहां विनम्रता होती है वहां तो सत्य की अथाह शक्ति भी होती है, जो मनोबल प्रदान करती है. विनम्रता के प्रति समर्पित आस्था जरूरी है. मात्र दिखावे की विनम्रता असफ़ल ही होती है. 'पहले विन्रमता से निवेदन करूंगा. यदि काम न हुआ तो भृकुटि टेढ़ी करूंगा' यह चतुरता विनम्रता के प्रति अनास्था है, छिपा हुआ अहं भी है. कार्य पूर्व ही अविश्वास व अहं का मिश्रण असफलता ही न्योतता है. विनम्रता सशक्त व्यक्तित्व का द्योतक है. वह मनुष्य को कतई निर्बल नहीं बनाती, बल्कि वह उसे हर परिस्थिति में आगे बढ़ने और लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति प्रदान करती है. बड़े-बड़े वृक्ष तूफान में उखड़ जाते हैं, क्योंकि वे नम्र नहीं होते. वहीं एक घास का तूफान कुछ भी बिगाड़ नहीं पाता. सम्यक् विनम्र व्यक्ति, विनम्रता को झुकने के भावार्थ में नहीं लेता. सच्चाई उसका पथप्रदर्शन करती है. निश्छलता उसे दृढ़ व्यक्तित्व प्रदान करती है. अहंकार आपसे दूसरों की आलोचना करवाता है. वह आपको आलोचना-प्रतिआलोचना के एक प्रतिशोध जाल में फंसाता है. अहंकार आपकी बुद्धि को कुंठित कर देता है. आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को संदेहयुक्त बना देता है. अहंकारी दूसरों की मुश्किलों के लिए उन्हें ही जिम्मेवार कहता है और उनकी गलतियों पर हंसता है. अपनी मुश्किलो के लिए सदैव दूसरों को जवाबदार ठहराता है और लोगों से द्वेष रखता है. विनम्रता हृदय को विशाल, स्वच्छ और ईमानदार बनाती है. यह आपको सहज सम्बंध स्थापित करने के योग्य बनाती है. विनम्रता न केवल दूसरों का दिल जीतने में कामयाब होती है अपितु आपको अपना ही दिल जीतने के योग्य बना देती है. आपके आत्म-गौरव और आत्म-बल में उर्ज़ा का अनवरत संचार करती है. आपकी भावनाओं के द्वन्द समाप्त हो जाते है, साथ ही व्याकुलता और कठिनाइयां स्वतः दूर होती चली जाती है.

वैज्ञानिक चेतना के लिए विज्ञान कांग्रेस जरूरी

• विज्ञान

दिनेश सी. शर्मा

आमतौर पर जनवरी माह का पहला सप्ताह भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण समय होता है. यह वह वक्त है जब विशाल सालाना आयोजन-भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का अधिवेशन होता है. इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करते हैं और देशभर से आये हजारों वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं, लेकिन जनवरी, 2024 अलग रहा. जब न केवल जालंधर के पास स्थित एक यूनिवर्सिटी ने आखिरी वक्त पर इसकी मेजबानी करने से हाथ खींच लिए और वजह बताई 'अनदेखी चुनौती' बल्कि आयोजन के लिए धन मुहैया करवाने वाली केंद्र सरकार ने भी. इससे मजबूरन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन ने अब यह आयोजन रद्द कर दिया. भारतीय विज्ञान कांग्रेस एक नायाब मंच है. जहां अन्य वैज्ञानिक सम्मेलन किसी विशेष विषय के दायरे में होते हैं, जिनमें चुनींदा शीर्ष वैज्ञानिक भाग लेते हैं, वहीं आईएससी अधिवेशन बहु-विषयक है और इसमें भाग लेने का मौका तमाम नियमित विज्ञान विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए खुला होता है. यह विज्ञान नीति निर्धारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श करने और सरकार को सुझाव देने का मंच रहा है. इस प्रकार के सुझाव नीतियों को स्वरूप देने में मददगार रहे, यहां तक कि नए सरकारी विभागों का सृजन भी संभव हुआ, मसलन, पर्यावरण विभाग, जिसने आगे चलकर मंत्रालय का स्वरूप लिया, और सागर विभाग जो वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान के नाम से जाना जाता है. सबसे ऊपर, आईएससी विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त जिज्ञासा की ललक को बढ़ाने का काम करती रही.1914 में अपनी स्थापना के साथ, आईएससी के वार्षिक अधिवेशन कोविड महामारी से बनी रुकावट के दौर के अलावा, बिना नागा होते रहे. विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है. आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों–कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था. इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली. उद्देश्य था, जो लोग विशुद्ध एवं कार्यकारी विज्ञान में रुचि लेते हों, उन्हें साझा मंच प्रदान करना और समाज के साथ विज्ञान का राब्ता बनाना. यह पहला ऐसा मंच था, जहां गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान और जीव-विज्ञान से जुड़े लोग आपस में मिलते और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करते. इस प्रकार की बैठकों को ध्यान में रखकर, सालों तक, नये वैज्ञानिक समाज और व्यावसायिक संस्थानों का उद्भव हुआ- नतीजा रहा समरस भारतीय वैज्ञानिक समुदाय. राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के कुछ आलोचक कहते हैं कि यह मंच अपनी प्रासंगिकता गंवा चुका है और अभी भी सदी पुरानी रिवायत और प्रारूप में जकड़ा हुआ है. हालांकि इस प्रकार की धारणा सही नहीं है और यह आईएससी के उस क्रमिक विकास को झुठलाना है, जिसने भारत में विज्ञान की उन्नति के विभिन्न चरणों के साथ अपनी गति बनाए रखी. पहला चरण था 1914-1947 का, जब भारतीय साइंसदानों और भारत में स्वरूप ले रहे विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में कार्यरत यूरोपियन वैज्ञानिकों के बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान काफी रहा. आईएससी अधिवेशनों में प्रस्तुत सभी खोज-पत्रों की प्रतिद्वंद्वी-मीमांसा होती, जिससे वैज्ञानिक कार्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता देने के सिद्धांत का उद्भव हुआ. भारत में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भी आईएससी का एक उप-उत्पाद है. मेघनाद साहा द्वारा स्थापित 'साइंस एंड कल्चर' पत्रिका इसका एक प्रमुख उदाहरण है. 1930 के दशक के आखिर में, जब स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ने लगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भावी भारत को लेकर योजनाओं की रूपरेखा बनानी शुरू की, तो तीव्र औद्योगिकीकरण एवं सामाजिक दायित्व के जरिये राष्ट्रीय विकास के लिए नूतन विचारों के लिए आईएससी एक सार्थक मंच बना. यह 1937 का अधिवेशन था, जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने संबोधन में ये कालजयी पंक्तियां कहीं 'विज्ञान युग की आत्मा है और आधुनिक संसार का सिरमौर अवयव. भविष्य विज्ञान का है और उनका, जो विज्ञान से दोस्ती रखना चाहेंगे और समाज की तरक्की के लिए इसकी मदद लेना चाहेंगे'.

> विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है. आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों–कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था. इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली.

नैनो यूरिया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा

• सामयिकी

वीरेंद्र थापर

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिकों ने छद्म कृषि विज्ञान के नैनो यूरिया को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा और किसानों का खुला शोषण बताया. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा ताजा प्रकाशित अनुसंधान के अनुसार ईफको की नैनो यूरिया तकनीक अपनाने से गेहूं की पैदावार में 21.6 प्रतिशत और धान की पैदावार में 13 प्रतिशत कमी दर्ज हुई. इसके अतिरिक्त गेहूं और धान के दानों में नाइट्रोजन 17, प्रोटीन में 11 प्रतिशत की कमी भी दर्ज हुई है. ज्ञात रहे कि सरकारी संस्था ईफको ने वर्ष-2021 में तरल नैनो यूरिया का विपणन इस दावे के साथ शुरू किया था कि तरल नैनो यूरिया (4 प्रतिशत नाइट्रोजन) की 500 मिलीलीटर की बोतल 50 किलो परंपरागत यूरिया (46 प्रतिशत नाइट्रोजन) के एक बैग के बराबर है. केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा खूब प्रचार के बावजूद नैनो यूरिया अभी तक किसानों और कृषि वैज्ञानिकों का विश्वास नहीं जीत पाया है, क्योंकि छद्म नैनो यूरिया न तो किसानों की फसल के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ और ना ही वैज्ञानिक कसौटी पर खरा साबित हुआ है. सभी वैज्ञानिक पद्धति परिकल्पना, प्रयोग, परीक्षण और निष्कर्ष का एक निरंतर चक्र है. विज्ञान प्रयोगसिद्ध अनुसन्धान से अंतर्दृष्टि देता है. इसलिए ये देव श्रुति, धर्मशास्त्र, अध्यात्म और छद्म विज्ञान व व्यापार से बिलकुल अलग है. छद्म विज्ञान ऐसे दावे, आस्था या प्रथा को कहते हैं, जिसे विज्ञान की तरह प्रस्तुत किया जाता है, पर जो वैज्ञानिक विधि का पालन नहीं करता है और छद्म व्यापार ऐसे व्यापार हैं ज़िनका उद्देश्य झूठे तथ्यों के सहारे वस्तुओं को बेचकर भोलीभाली जनता को लूटना होता है. 140 करोड़ आबादी वाले भारत की खाद्य सुरक्षा पिछले 50 वर्षो से मुख्यता गेहूं और धान के उत्पादन पर आधारित रही है. जिनमें मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से ही, देश में खाद्य सुरक्षा के खतरे की घंटी बज जाती है और सरकार गेहूं आयात करने और चावल निर्यात रोकने पर मजबूर हो जाती है. ऐसी विकट परिस्थिति में बिना उचित वैज्ञानिक परीक्षण किए नैनो उर्वरकों पर जल्दबाजी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है और इन अविश्वसनीय उर्वरकों को दूसरे उर्वरकों के साथ, कंपनियों द्वारा जबरदस्ती बेचना किसानों का खुला शोषण है! अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक छद्म नैनो यूरिया का विरोध शुरू से कर रहे हैं. प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान ज़र्नल 'प्लांट सॉयल' के अंक 10 अगस्त 2023 में अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिकों मेक्स फरेंक और सौरेंन हस्टीड ने रहस्योद्घाटन किया है कि नैनो यूरिया के दावे झूठे और इस बारे में भारत की उर्वरक कम्पनी ईफको किसानों और समाज को झूठ बोलकर नैनो यूरिया का प्रचार और विपणन कर रही है! नैनो यूरिया के इस दुष्प्रचार से देश की खाद्य सुरक्षा और समाज खास तौर पर किसानों में कृषि विज्ञान अनुसंधान में विश्वास कम होने की संभावना है! इसी तरह की आशंका देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों ने पहले भी अभिव्यक्त की है. उनके अनुसार तकनीकी तौर पर नैनो यूरिया पहले से प्रचलित पारंपरिक दानेदार यूरिया का विकल्प कभी नहीं बन सकता और ना ही कृषि विश्वविद्यालयें व संस्थानों ने इसे अपनी फसलों की समग्र सिफारिश में अनुशंसित व शामिल किया है! आर्थिक तौर पर भी नैनो यूरिया किसान हितैषी नहीं है, क्योंकि आधे लीटर नैनो यूरिया का दाम 240 रुपये है, जो कि पारंपरिक दानेदार यूरिया के एक बेग (45 किलो) के दाम के लगभग बराबर ही है! इन सब तथ्यों के बावजूद, ईफको और सरकार द्वारा नैनो यूरिया का दुष्प्रचार दूर्भागयपूर्ण और सहकारी संस्था ईफको द्वारा इसका वार्षिक लगभग 5 करोड बोतल उत्पादन (₹1200 रुपये कीमत वार्षिक) और किसानों को दूसरे उर्वरकों के साथ जबर्दस्ती बेचना, किसानों से खुली लूट है. जो देश की खाद्य सुरक्षा के लिए घातक साबित हो सकता है. कृषि रसायन विज्ञान के अनुसार, रासायनिक रूप मे एक बेग (45 किलो) पारंपरिक यूरिया में 46% नाइट्रोजन होती है, जिसका मतलब है कि 45 किलोग्राम यूरिया में लगभग 20 किलोग्राम नाइट्रोजन होती है. इसके विपरीत, 500 मिलीलीटर नैनो यूरिया में 4% नाइट्रोजन की दर से मात्र 20 ग्राम नाइट्रोजन होती है. यानी दानेदार पारम्परिक यूरिया के मुकाबले हजार गुना से भी कम नाईट्रोजन नैनो यूरिया में होती है. तब सामान्य सी बात है कि नैनो यूरिया की 20 ग्राम नाइट्रोजन दानेदार यूरिया की 20 किलोग्राम नाइट्रोजन की भरपाई कैसे कर सकती है.

> केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा खूब प्रचार के बावजूद नैनो यूरिया अभी तक किसानों और कृषि वैज्ञानिकों का विश्वास नहीं जीत पाया है, क्योंकि छद्म नैनो यूरिया न तो किसानों की फसल के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ और ना ही वैज्ञानिक कसौटी पर खरा साबित हुआ है. सभी वैज्ञानिक पद्धति परिकल्पना, प्रयोग, परीक्षण और निष्कर्ष का एक निरंतर चक्र है.

मीडिया में अन्यत्र

आईटी कंपनियों को बदलाव का इंतजार

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक, इन्फोसिस और विप्रो सभी ने राजस्व के मोर्चे पर अनुमान के मुताबिक या उससे बेहतर प्रदर्शन किया. सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की चार बड़ी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे तथा उनके प्रबंधन की टिप्पणियां यही बताती हैं कि मांग में कमी के मामले में बुरा दौर बीत चुका है. कम से कम सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग तो यही मानता है. बहरहाल कंपनियों का प्रबंधन अभी भी अल्पावधि में मांग में सुधार के अनुमानों को लेकर सतर्क है. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक, इन्फोसिस और विप्रो सभी ने राजस्व के मोर्चे पर अनुमान के मुताबिक या उससे बेहतर प्रदर्शन किया. मुनाफे और मार्जिन के क्षेत्र में भी उनका प्रदर्शन कमोबेश ऐसा ही रहा. अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आश्चर्यजनक रूप से मजबूत प्रदर्शन की बदौलत निवेशक भी प्रबंधकों से बेहतर अमुमानों की उम्मीद कर रहे थे क्योंकि अमेरिका भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए प्रमुख बाजार है. बहरहाल, एक ओर जहां प्रबंधन इस लिहाज से सकारात्मक है कि कंपनियां मान रही हैं कि मांग और मार्जिन में कमी के लिहाज से बुरा समय बीत चुका है तो वहीं उनमें से कोई यह नहीं मानती है कि मांग में तत्काल कोई इजाफा होगा. कम से कम दो प्रबंधकों ने कहा कि अभी भी ऐसा रुझान है जहां ग्राहक विवेकाधीन व्यय को टाल रहे हैं. सकारात्मक पहलू की बात करें तो इन सभी कंपनियों को नए क्षेत्रों, मसलन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और एचसीएल की बात करें तो क्लाउड आधारित उत्पादों के क्षेत्र में बाजार नजर आ रहा है. कंपनियां नए सौदे हासिल करने को लेकर भी आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आने लगी हैं. यूरोप में टीसीएस के सबसे अधिक ग्राहक हैं और कंपनी का कहना है कि दो खराब वर्षों के बाद यूरोपीय संघ का व्यय सामान्य हो सकता है. तीन बड़ी कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या कम हुई लेकिन श्रम शक्ति में कमी की दर में धीमापन आया. एचसीएल इकलौती ऐसी कंपनी रही जिसमें कर्मचारियों की तादाद बढ़ी. राजस्व वृद्धि और मार्जिन में सुधार दोनों मामलों में उसका परिणाम सबसे बेहतर रहा. बहरहाल एचसीएल प्रबंधन का कहना है कि मांग में कोई स्पष्ट सुधार नहीं नजर आया है. समूचे उद्योग जगत में चर्न रेट (किसी दी गई अवधि में एक कंपनी के साथ ग्राहकों के कारोबार बंद करने की दर) में भी कमी आई है और अब यह दर 12-15 फीसदी के दायरे में रह गई है. **(बिजिनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मद/मदन

मदन हमेशा मद में चूर रहता है. वह ऐसे क्यों रहता है, यह तो वही जाने, लेकिन जहां तक मैं समझता हूं यह उसके नाम का प्रभाव है.जिसका नाम ही मदन है तो उसके लिए मद तो सहज सुलभ है. आप कहेंगे कि क्या मदन का मद से कोई संबंध है? व्याकरण के दृष्टिकोण से कुछ अर्थों में कोई संबंध नहीं है. हिंदी शब्द सागर के अनुसार मद के दो रूप हैं. एक संस्कृत मूल का रूप और दूसरा अरबी भाषा मूल का. संस्कृत मूल के मद का मतलब है प्रमाद, नशा, मद्य, गर्व, अहंकार, घमंड, मतिविभ्रम, हर्ष, आनंद, कस्तूरी, पागलपन, चित्त का उद्वेग या उमंग, उन्माद, एक प्रकार का रोग, एक दानव का नाम, वह गंधयुक्त द्रव, जो मतवाले हाथियों की कनपटियों से बहता है. अरबी मूल वाले मद के भी कई अर्थ हैं. जैसे लंबी लकीर जिसके नीचे लेखा लिखा जाता है. खाता. जैसे कहा जाता है इस मद में सौ रुपये खर्च हुए, कार्य या कार्यालय का एक विभाग, शीर्षक, अधिकार, ऊंची लहर, ज्वार. मद के संयोग से बहुत सारे शब्द बने हैं और उन्हीं में एक है मदक. मतलब मद+क. मतलब मद करनेवाला, एक प्रकार का मादक पदार्थ जो अफीम के सत में बारीक कतरा हुआ पान पकाने से बनता है. पीनेवाले इसकी छोटी-छोटी गोलियों को चीलम पर रखकर तमाखू की भांति पीते हैं. याद रखिए, वैसे पीनेवाले को मदक्की कहा जाता है और वह निंदा का पात्र होता है. समाज उसे हेय दृष्टि से देखता है. उसका मजाक उड़ाता है. दूसरा शब्द मदन है. यह शब्द अपने आप में मादक है, जिसके उच्चारण मात्र से वातावरण मादक बन जाता है. मदन मुख्य रूप से कामदेव को ही कहा जाता है, लेकिन इसके अनेक अर्थ हैं. जैसे कामक्रीड़ा. इसके और अर्थ हैं-मैनफल नामक वृक्ष और उसका फल, धतूरा, मौलसिरी, भ्रमर, मोम, अखरोट का वृक्ष, महादेव के चार प्रधान अवतारों में से तीसरे अवतार का नाम, मैना पक्षी.

रे पगले, तुकबंदी बिन जीवन है निस्सार!

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

कविता में तुकबंदी के महत्व से हम सभी परिचित हैं. 'गाना' की तुकबंदी 'खाना' होती है. 'जाती' की तुकबंदी 'आती' होती है. 'अच्छाई' की तुकबंदी 'बुराई' कर ली जाती है. इसी तरह तुकबंदियों का सहारा लेकर कविता लिखी जाती है. जिस कविता में तुकबंदी बढ़िया बैठ जाती है, उसको वाह-वाही मिलती है. कमजोर तुकबंदी पर श्रोता चुपचाप बैठे रहते हैं या हूटिंग करना शुरू कर देते हैं. जीवन के सभी क्षेत्रों में आदमी को तुकबंदी करना आनी चाहिए. जो लोग तुकबंदी नहीं करना जानते हैं, उन्हें समाज में बेतुका व्यक्ति माना जाता है कुछ लोगों की अपने घर में ही तुकबंदी नहीं बैठती. पति और पत्नी दोनों की तुकें अलग-अलग होती हैं. इसलिए जो संगीतात्मकता उनके व्यवहार से उत्पन्न होनी चाहिए, वह कर्कशता में बदल जाती है. एक कहता है 'खाना', दूसरा कहता है 'चाय'. अब सोचिए 'चाय' और 'खाना' की तुकबंदी कैसे हो सकती है ? जब जीवन में तुकबंदी नहीं है तो पति-पत्नी चाहे घर के भीतर रहें या घर के बाहर कहीं जाएं, उनमें छत्तीस का आंकड़ा सदैव नजर आता रहेगा. कई बार सास और बहू की तुकबंदी नहीं मिलती. जिसके कारण यह दोनों शीतयुद्ध की मुद्रा में सदैव बनी रहती हैं. जबकि दूसरी ओर अगर सास और बहू की तुकबंदी कायम हो जाए तो घर स्वर्ग में बदल जाता है. पिता की पुत्र से, पुत्र की माता से, भाई की भाई से तुकबंदी का होना घर की सफलता के लिए बहुत जरूरी है. कई छुटभैया अपने उच्च नेता के साथ तुकबंदी साध कर ऊँचे-ऊँचे पदों पर पहुंचने में सफल हुए हैं. नेताजी के मुख से निकले हर शब्द को यह चमचे इतना बढ़िया तुकबंदी बनाकर साथ देते हैं कि नेताजी उन्हें अपने दाहिने हाथ के समान आदर और महत्व देना शुरू कर देते हैं. दूसरी तरफ ऐसे छुटभय्ये जो तुकबंदी मिलाने की कला में फिसड्डी रह जाते हैं, वह राजनीति में भी पीछे ही छूट जाते हैं. नेता ऐसे छुटभइयों को कभी महत्व नहीं देता जिनसे उसके साथ तुकबंदी लगाना नहीं आता हो. ससुराल में नए-नए दामाद के साथ उसके साले, साली, सास, ससुर आदि सभी लोग जबरदस्त तुकबंदी साध कर चलते हैं. यह अलग बात है कि धीरे-धीरे तुकबंदी कमजोर पड़ती जाती है और आखिर में तो दामाद जी को एक-एक शब्द की तुकबंदी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है. जब दामाद फूफा होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं, तब ससुराल में उनके लिए तुकबंदी गूलर का फूल अथवा स्वप्न सरीखा प्रश्न बनकर रह जाती है. वह बेचारे कुछ भी कहते रहते हैं और दूसरी तरफ से तुकबंदी कभी प्रस्तुत नहीं होती. जीवन से तुकबंदी का गायब हो जाना दरअसल सरसता और सामंजस्य का समाप्त होना है.

गेहूं सी रंगत तेरी...

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

हमारी त्वचा की रंगत कई चीजों से प्रभावित होती है. आनुवंशिकता, लाइफस्टाइल, हमारा खान-पान और भी कई चीजें इसे प्रभावित करती हैं. रंग गोरा, काला, गेहुंआ... जो भी हो सब की अलग खूबसूरती है, अलग आकर्षण है. इसे पूरी तरह बदलना कहीं से संभव नहीं. गेहुंआ रंग अपने देश का सबसे आम स्किन टोन है. गेहूं सी रंगत वाला गेहुंआ. इसे हल्के भूरे रंग के रूप में भी जाना जाता है. गोरे रंग की तुलना में अधिक अपारदर्शी होता है लेकिन गहरे रंग की त्वचा के रंग की तुलना में हल्का रंग.

हां, हरेक कंप्लेक्शन के मेकअप का अलग अंदाज होता है. आज हम जानेंगे कि गेहुंआ जिसे व्हीटिश कंप्लेक्शन भी कहते हैं, के लिए कौन-कौन से ब्यूटी टिप्स प्रभावी हैं.

जब करें आई मेकअप

आई शैडो में वार्म कलर्स जैसे भूरे या अन्य न्यूड कलर्स का उपयोग करना बेहतर होगा. आईलाइनर के लिए भूरे या काले जैसे गहरे रंगों का उपयोग करें. कूल लुक के लिए चमकीले हरे और नीले रंग भी आज़मा सकती हैं. सिल्वर, पिंक, नारंगी या पर्पल जैसे चमकीले रंगों का उपयोग नहीं करें.

वार्म टोन्ड कंसीलर

हमेशा अपने स्किन कलर से थोड़ा डार्क वार्म-टोन्ड कंसीलर चुनें. इससे त्वचा के काले धब्बे, निशान और त्वचा के रंग जादू की तरह छुप जाएंगे.

होंठों पर डार्क शेड

व्हीटिश कंप्लेक्शन है तो वाइन, ब्राउन जैसे गहरे रंग की लिपस्टिक ही आप पर अधिक जंचेगी. हल्के रंगों का उपयोग करने से बचें. गुलाबी, नारंगी या लाल जैसे शेड से जरूर बचें.

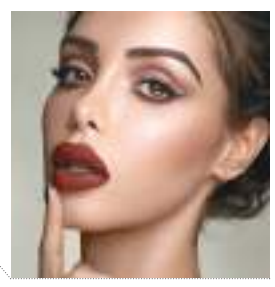

ब्लश हो नेचुरल

ब्लश जरूर नेचुरल रखें. आप किसी औपचारिक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं तो आप ब्लश के लिए गहरे लाल या प्लम शेड का उपयोग कर सकती हैं.

जब लगाएं फाउंडेशन

फाउंडेशन लगाते समय नेचुरल कॉम्प्लेक्शन को छिपाने के लिए हल्के टोन वाले फाउंडेशन का उपयोग नहीं करें. ऐसे में आप अपना नेचुरल स्किन टोन खो देंगे. यदि आप लाइट टोन का उपयोग करते हैं, तो आपकी त्वचा अप्राकृतिक और असमान दिखाई देगी. चेहरे पर फाउंडेशन लगाते समय गर्दन पर भी इसे लगाएं.

हेयर कलर पर दें ध्यान

व्हीटिश स्किन टोन वार्म और डार्क रंगों, खास कर ब्राउन के साथ जादुई आकर्षण दिखाता है. आपके बालों के लिए गहरे भूरे, चेस्टनट, लाल तांबे और गहरे ऑबर्न रंगों बेहतर विकल्प हो सकते हैं. मैरून, गहरे लाल रंगों, गहरे भूरे और गहरे सुनहरे रंगों में भी आपको बेहतर और बोल्ड लुक देंगे. हां नियॉन शेड आपके लिए नहीं है. इससे दूर रहें.

ड्रेस हो ऐसी

ऐसे रंग पहनने से बचें जो आपकी त्वचा के रंग से मेल खाते हों, जैसे बेज और हल्का भूरा. इससे आपकी रंगत पीली और डल लगेगी. हरे, गुलाबी और नीले रंग जैसे टोन बेहतर विकल्प हैं. खास अवसरों के लिए सफेद कपड़े भी पहन सकती हैं.

इन आदतों से तौबा-तौबा

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन

डॉ सुनीता झा
वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ

मॉल या ग्रॉसरी स्टोर गए और सैनिटरी पैड के सेक्शन पर नजर पड़ी तो बड़ा पैकेट उठा लिया. 36-40 पैड के बड़े पैकेट जहां किफायती महसूस होते हैं वही बार-बार खरीदने के झंझट से मुक्ति दिलाने वाले भी. लेकिन यह आदत हमारे हेल्थ पर भारी पड़ सकती है और हम यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन से ग्रस्त हो सकते हैं. दरअसल एक दिन में अमूनन तीन-चार पैड का उपयोग महिलाएं या लड़कियां करती हैं. ऐसे में एक महीने में 18-20 से अधिक पैड का उपयोग नहीं हो सकता. जब 40 पैड का बड़ा पैकेट हम लेते हैं तो अगली बार के लिए वार्डरोब के किसी कोने में (आमतौर पर छिपा कर) स्टोर कर देते हैं. यहां पैड का हाइजीन प्रभावित होता है. बता दें कि लाइफ स्टाइल की इन्हीं छोटी-छोटी गलतियों की वजह से लड़कियों और महिलाओं के जीवन में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन या यूटीआई बड़ी समस्याओं में एक है.

क्या है यूटीआई

सामान्य भाषा में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन या यूटीआई यूरिन इंफेक्शन भी कहा जाता है. यूरिन इंफेक्शन सबसे सामान्य और बार-बार परेशान करने वाली स्थिति है. इनकी जिंदगी में संक्रमण का करीब 25% भाग यूटीआई के नाम होता है. करीब 50-60 प्रतिशत महिलाएं जिंदगी में एक बार कम से कम यूटीआई से जरूर ग्रसित होती हैं.

ये आदत भी बुरी

शिक्षण संस्थान या ऑफिस या अन्य किसी कारण से प्रतिदिन बाहर निकलने वाली महिलाओं के लिए जींस पैंट एक सुविधाजनक वस्त्र है. कई बार ऐसा होता है कि बाहर से आकर जींस कहीं हैंग किया और दूसरे-तीसरे या किसी और दिन पहन कर फिर चले गए. यह आदत यूटीआई का कारण हो सकती है. एक बार पहनी हुई जींस को दोबारा तभी पहनें जब आपने इसे अच्छी तरह धो लिया हो.

भारी पड़ सकता है मनमर्जी का एंटीबायोटिक

यूरिन इंफेक्शन होने पर अपने झारखंड में महिलाओं की एक बड़ी संख्या भाभी, ननद, चाची, फूआ, मौसी, बहन, पड़ोसन-परिचिता या फिर गूगल से पूछ कर खुद एंटी बायोटिक दवाएं ले लेती हैं. कई बार नुक्कड़ का दवा दुकानदार भी पूरे आत्मविश्वास से एंटीबायोटिक की गोली और साथ में कुछ क्रीम दे देता है. बेशक इन उपायों से भी लक्षण कुछ देर के लिए शांत हो जाते हैं, पर रोग का पूरा उपचार नहीं होता. इस लापरवाही के कारण किडनी तक इंफेक्शन फैल सकता है और किडनी प्रभावित हो सकती है. बैक्टेरिया शरीर में ही बना रह सकता है और बार बार इस वजह से परेशानी हो सकती है.

कराइए जांच

यूरिन इन्फेक्शन होने पर बेहतर हो कि आप सबसे पहले चिकित्सक से संपर्क करें. इसके बाद उनकी सलाह से यूरिन रुटीन एग्जाम और फिर क्लचर एग्जाम कराएं. इसमें जो बैक्टीरिया सामने आए, उसी के लिए उपयुक्त चिकित्सक का सुझाया एंटीबायोटिक व अन्य दवा खाएं.

ये हैं लक्षण

यूटीआई का सबसे बड़ा लक्षण है पेशाब करते समय बहुत तेज जलन और यूरिनरी ट्रैक्ट में खुजली होना. बेशक कई बार जब हम कम पानी पीते हैं तब भी पेशाब के समय वजाइना में जलन होती है. लेकिन यूटीआई के समय जलन के साथ बहुत तेज चुभन का भी अहसास होता है. यूटीआई होने पर यूरिन बहुत अधिक पीला या मटमैले रंग का, कम मात्रा में और रूक-रूक कर आता है. पेशाब के अधिक तेज प्रेशर का अहसास होता है लेकिन यूरिन पास करने जाते हैं तो कुछ ड्रॉप या बहुत कम मात्रा में यूरिन आता है. कई बार पीड़िता के यूरिन से तेज स्मेल आ सकती है. पेट दर्द, कमर दर्द की शिकायत हो सकती है/ साथ ही अधिक थकान, कंपकपी जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं. कुछ महिलाओं में यूटीआई के कारण बुखार के लक्षण भी दिख सकते हैं. यह गंभीर स्थिति हो सकती है जब यूरिन इंफेक्शन के किडनी तक फैलने की आशंका होती है.

यूटीआई से बचाव

यूरिन इन्फेक्शन से बचाव के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है. इसमें सबसे अहम है कि हम पेशाब को रोकने की कोशिश न करें. यूरिन इफेक्शन से बचने के लिए खूब सारा पानी पीना भी बेहतर उपाय है. शारीरिक संबंध के बाद अपने प्राइवेट पार्ट की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें. हमेशा साफ इनर वियर पहनें.

घर हो चकाचक

- किचन कैबिनेट्स को साफ करने के लिए नींबू-सिरका का मिश्रण एक स्प्रे बोतल में डालकर किचन कैबिनेट पर स्प्रे करें. थोड़ी देर यूं ही छोड़ दें और फिर नरम सूती कपड़े से साफ करें.
- पसंद की असेंशियल ऑयल की दो बूंदों को रुई के गोले पर डालें और गंध को खत्म करने के लिए डस्टबिन में रख दें. फ्रेशनेस के साथ ये घर से कीड़ों को दूर भगाएगा.
- स्टील के बर्तन पर साफ करने के बाद भी धब्बे नजर आएं तो सिरके व नमक का घोल मिला कर कुछ देर धब्बों पर लगा रहने दें. फिर रगड़ कर धो दें. दाग साफ हो जाएंगे.
- प्रैशर कुकर अंदर से काला हो जाए तो नीबू की फांकें काट कर पानी में डाल कर उबालें. फ़िर साफ़ करे . कुकर साफ हो जाएगा.
- लोहे के तवे को नींबू से साफ करें. अच्छे से साफ हो जाएगा.
- स्टील की छूरी कांटे को साफ करने के लिए उन पर जैतून का तेल लगाएं.
- जले बरतन में कटा प्याज और पानी डाल कर उबालिए, ठंडा होने पर फिर साफ कीजिए. बरतन आसानी से साफ हो जाएगा.
- जले बरतन को ऐल्यूमिनियम फॉयल से साफ करें.

खुशनुमा अपना आशियाना

इंटीरियर डेकोर में इन दिनों क्या है इन और कैसे घर को दे सकते हैं एक अलग, कोजी और वार्म लुक....

वॉल प्लेट्स

होम डेकोर में वॉल प्लेट्स इन दिनों ट्रेंडी हैं. अलग-अलग कलर्स और पैटर्न वाली ये प्लेट्स आपके घर को अलग पहचान देगी. होम डेकोर स्टोर से महंगी वॉल प्लेट्स लें या लोकल मारकेट से ब्लू पॉटरी, पोर्सलेन या टेराकोटा प्लेट्स लेकर इनके साथ थोड़ी कलाकारी करें, रचनात्मकता के कई अंदाज इससे उभर सकते हैं.

मेमोरी वाल

इन दिनों तस्वीरें तो हम खूब खिंचवाते हैं, पर उन्हें संभालते नहीं. घर की एक दीवार को मेमोरी वाल बनाएं. लैपटॉप, हार्ड डिस्क, मोबाइल में छिपे फोटो को निकाल कर प्रिंट कराएं और खूबसूरत और एक जैसे लेकिन अलग अलग आकार के फोटो फ्रेम में लगा कर सजाएं. ज़िंदगी के गुज़रे हुए कल और तमाम खूबसूरत पलों को दोबारा जीने का एक खूबसूरत तरीका का मेमोरी वाल.

विंड चाइम्स

विंड चाइम्स का ट्रेंड होम डेकोर का कोई नया कॉन्सेप्ट है. लेकिन मार्केट में लगातार नए नए तरह के विंड चाइम्स आ रहे हैं. इनकी नवीनता ही इन्हें टिकाए हुए है. लकड़ी, टेराकोटा, ब्रास, ग्लास... ढूंढने पर आपको कई यूनीक तरह के विंड चाइम्स मिल जाएंगे. इसके जरिए अपने घर को अपना अलग अंदाज दे सकती हैं.

लोकल आर्ट

आमतौर पर किसी डेकोर शॉप से हम पेंटिंग आदि खरीद कर घर को कलात्मक रूप देते हैं. बेहतर हो कि किसी लोकल या रीजनल आर्ट को अपनी दीवारों पर जगह दें. इन्हें आप अपने आसपास से भी ढूंढ सकती हैं या फिर तब भी जब किसी और राज्य या देश में घूमने जाएं. झारखंड में सोहराय पेंटिंग, डोकरी आर्ट बेहतर विकल्प हो सकते हैं.

लो सीटिंग अरेंजमेंट

घर को वॉर्म और कोज़ी वाइब देने में लोअर सिटिंग अरेंजमेंट जादू सा काम करता है. लिविंग रूम या बालकनी में लो-सीटिंग कॉर्नर बना सकते हैं. इसके लिए आप सोफा कम बेड वाले फोल्डिंग मैट्रेस, गद्दे, बड़े सीटिंग कुशंस, मोढ़े, ओटोमन स्टूल्स आदि का उपयोग कर सकते हैं.

मां बनने के लिए यही है राइट टाइम

पौष्टिक आहार, खुश रहना, एक्सरसाइज करना...मां बनने के निर्णय के बाद बेशक ये बातें अहम हैं. पर आज के दौर में तन, मन और धन से जुड़ी कुछ और भी ऐसी बातें हैं जिनपर मां बनने से पहले सोचना और इन मसलों को सुलझाना बेहतर निर्णय होगा.

आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादीशुदा जोड़े की होती है. कठिन मेहनत और कई पड़ावों को पार कर गर आप भी इस मोड़ पर पहुंचे हैं जहां बाहों में नन्हें मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है. ये तैयारियां कई स्तर की हैं. कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर. कुछ करियर मसले हैं तो कुछ नितांत पारिवारिक. स्त्री विशेषज्ञ, करियर सलाहकार और इन अनुभवों से गुजर चुकीं महिलाओं से बातकर हमने जुटाई कुछ ऐसी ही जानकारियां जो मायने रखती हैं किलकारी से पहले...

तनाव की छुट्टी

अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुडबाय कहिए. स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ रजनी लाल कहती हैं कि तनाव दरअसल बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है. जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा. पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण. यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनाइनशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें. कोलाहर भरे रास्ते से आना जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढे जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सकून भरा हो.

पिल्स-विल्स

अब आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं दे सकती हैं. आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्सियम और विटामिंस होने चाहिए. डॉ लाल के मुताबिक फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है. वहीं कैल्सियम सप्लीमंट्स आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं.

प्लेट पर दें ध्यान

खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, मिठाई आदि शामिल करना चाहिए. मौसमी सब्जियां व फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपके लिए जरूरी हैं. ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन सी आदि के अच्छे स्रोत हैं. मांसाहारी हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं. अंकुरित चना, मूंग आदि में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में होती है. वे महिलाएं जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही, वे इसका सेवन जरूर करें. थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं.

कराएं जांच

डॉ लाल के मुताबिक आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायराइड हार्मोंस जैसे टी थ्री, टी फोर व टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक कराए जाते हैं. प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं. डॉक्टर पहले ही आश्वास्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो.

बॉस से कहिए

हालांकि ऐसा कोई नियम नहीं कि आप बेबी को लेकर अपनी योजनाएं अपने बॉस से शेयर करें. लेकिन जैसा कि करियर सलाहकार विकास सिंह कहते हैं, यह कदम प्रोफेशनल रिश्ते में पारदर्शिता बरकरार रखने और आगे संस्थान से सहयोग पाने के लिए बेहतर हो सकता है.

जानिए संस्थान के ऑफर

आज कई ऐसे संस्थान हैं जो ऐसे दौर में महिलाओं को वर्क फ्रॉम होम का विकल्प देते हैं. पता कीजिए कि आपके यहां यह सुविधा है या नहीं. कई संस्थान कुछ वर्षों के बाद पुनः नियुक्ति के मौके भी देती हैं. बेशक पुराने संस्थान में वापस जाएं या नए जॉब की तलाश करें, कठिन बार्गेनिंग से जूझना पड़ेगा. रिज्यूमे में ब्रेक या नई जॉब की कठिनाई से कैसे उबरेंगी, इन पर भी विचार करना बेहतर होगा.

जानिए अधिकार

जिंदगी के इस अहम फैसले के बाद बेहतर हो कि इस बाबत मिले अपने अधिकारों के बारे में आप जानकारी जुटाएं. मातृत्व लाभ संसोधन अधिनियम 2017 के मुताबिक सवैतनिक प्रसूति अवकाश अब 26 हफ्ते की हो गई है. इस पीरियड के खत्म होने पर काम के स्वरूप के अनुसार महिला कर्मचारी घर से काम का विकल्प नियोक्ता की सहमति पर पा सकती है. इसके अलावा क्रेच आदि की सुविधा के बाबत भी इस अधिनियम में प्रावधान है जिसके बारे में आप जानकारी जुटाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

आग लगने से 12 लाख की संपति राख

जमुई। जमुई के एक दुकान में बदमाशों ने आगलगी की घटना को अंजाम दिया है. आपसी विवाद में आग लगाने की बात कही जा रही है. दुकान में आग लगने से 12 लाख की संपत्ति जलकर राख हो गई. मामला जमुई जिले के सिमुलतला थानाक्षेत्र के टेलवा बाजार का है. घटना से आक्रोशित पूरे टेलवा बाजार के व्यवसायियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अनिश्चितकाल के लिए अपने-अपने प्रतिष्ठान को बंद कर दिया.

गया में छह नए कोरोना मरीजों की हुई पहचान

पटना। गया जिला में बीते 24 घंटे के दौरान 6 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद हड़कंप मच गया है. जिले में नए मरीजों की कुल संख्या 36 हो गई है जबकि एक्टिव मरीजों की संख्या 14 है. 6 नए संक्रमितों में पांच डोभी के रहने वाले हैं जबकि एक मानपुर का निवासी है. जिलों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ते देख स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है. एहतियात के तौर पर जांच को बढ़ा दिया गया है. पहले एक से डेढ़ सौ जांच हो रही थी जिसे बढ़ाकर पांच से छह सौ तक कर दिया गया है. सिविल सर्जन ने बताया कि जो 6 नए मरीज मिले हैं उनमें कोई गंभीर नहीं हैं. सभी को घर में ही आइसोलेट किया गया है, फिलहाल एक भी संक्रमित अस्पताल में भर्ती नहीं है.

पटना एयरपोर्ट पर 5 जोड़ी विमान रद्द

पटना। पटना एयरपोर्ट पर कोहरे और धुंध के कारण विमान परिचालन में परेशानी आ रही है. मंगलवार को भी विमान का परिचालन विलंब से किया जा रहा है. जबकि 5 जोड़ी विमान को रद्द किया गया. पटना एयरपोर्ट से जाने वाले दिल्ली, रांची, हैदराबाद, चंडीगढ़ और मुंबई की उड़ानें रद्द कर दी गई है. साथ ही पुणे, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुम्बई की दोपहर और शाम में जानेवाले फ्लाइट को विलंब से परिचालित किया जाएगा. पटना एयरपोर्ट के रनवे पर विजिबिलिटी कम होने के कारण इस तरह की स्थिति बनी हुई है. मंगलवार सुबह से लेकर दोपहर 12:00 बजे तक विजिबिलिटी काफी कम थी.

बोधगया : लाल मुकुट समारोह आयोजित

तिब्बती लामाओं ने बोधगया के कार्ग्यू मोनलम में 17वें करमापा शिक्षक ताई सितु रिनपोछे द्वारा आयोजित लाल मुकुट समारोह में भाग लेते हुए.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

1. गुप्त वंश के किस शासक ने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की? – चंद्रगुप्त द्वितीय
2. चीनी यात्री 'इत्सिंग' ने बिहार का भ्रमण कब किया था? – 673 ई. में
3. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने बिहार में 625 ई. से 640 ई. तक किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था? – नालंदा विश्वविद्यालय
4. जनसंख्या की दृष्टि से भारत के राज्यों में बिहार का कौन सा स्थान है? – तीसरा
5. जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से भारत के राज्यों में बिहार का कौन सा स्थान है? – तीसरा
6. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कौन थे? – ऋषभनाथ
7. जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान् महावीर को निर्वाण कहाँ प्राप्त हुआ? – पावापुरी
8. तुगलक काल में बिहार की राजधानी क्या थी? – बिहार शरीफ
9. दरिया खां नहानी को बिहार का शासक किस काल में बनाया गया? – 1495-1522 ई.

मृतक महिला बलुआ गांव स्थित विद्यालय में कार्यरत थी

रिश्तेदार के घर से लौट रहे स्कूल प्रिंसिपल की हत्या

संवाददाता। कैमूर

खास बातें

- अपराधियों द्वारा दूसरी बड़ी घटना को अंजाम दिया है
- हत्या का आरोप पति ने अपने ही भतीजे पर लगाया है

कैमूर में प्रधानाध्यापिका की हत्या से हड़कंप मच गया. एक सप्ताह के अंदर अपराधियों ने हत्या की दूसरी घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है. मामला रामगढ़ थाना क्षेत्र का है. जहां सोमवार रात घर लौट रही एक प्रधानाध्यापिका की पहले से घात लगाए अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी. मृतक महिला थाना क्षेत्र के लक्षनपुरा के बलुआ गांव में स्थित विद्यालय में प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत थी, जिसकी पहचान स्थानीय निवासी योगेंद्र सिंह की पत्नी जयंती सिंह के रूप में हुई है. मिली जानकारी के मुताबिक जयंती सिंह अपने गोतिया (रिश्तेदार) के घर से अपने घर वापस लौट रही थी, तभी गली में पहले से घात लगाए अपराधियों ने गोली मार दी.

इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया गया है. हालांकि अपराधियों के द्वारा यह घटना किस कारण से अंजाम दिया गया है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है. बता दें कि जिले में एक सप्ताह के भीतर अपराधियों द्वारा दूसरी बड़ी घटना को अंजाम दिया है. बीते 11 जनवरी को ही चैनपुर थाना क्षेत्र के मदुरनी पहाड़ी के निकट एक सिर कटी लाश बरामद हुई थी, जिसकी पहचान चैनपुर के ही एक शिक्षिका के रूप में हुई थी.

उस मामले की गुत्थी अभी तक सुलझी भी नहीं थी दूसरी घटना सामने आ गई. महिला की हत्या का आरोप उसके पति ने अपने ही भतीजे पर लगाया है. भभुआ सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराने आए पति योगेंद्र सिंह ने कहा कि मेरे भतीजे ने ही गोली मारकर पत्नी की हत्या की है. मैंने सभी रिपोर्ट और जानकारी रामगढ़ थाना को दे दी है. जिला प्रशासन से मांग करता हूं कि हत्यारे को गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दी जाए.

बिहार के 14 जिलों में चल रही शीतलहर

संवाददाता। पटना

खास बातें

- मौसम के कारण हवाई और रेल यात्रा प्रभावित है
- सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा

बिहार में लगातार गिर रहे तापमान और चल रही शीतलहर से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. सुबह से ही कोहरा छाया रह रहा है और दिनभर ठंड हवा के कारण लोग घर में रहने को मजबूर हैं. इसे देखते हुए पटना सहित कई जिलों के निजी और सरकारी स्कूलों को आज तक के लिए बंद कर दिया है. मौसम के कारण हवाई और रेल यात्रा प्रभावित है. पटना समेत राज्य के अधिकतर जिलों में शीत दिवस जैसे हालात हैं. पूर्णिया, बक्सर पटना, गया, मुजफ्फरपुर, फारबिसगंज, सबौर, गोपालगंज, जमुई, वैशाली, औरंगाबाद, बांका, सीवान और कैमूर शहर में शीत दिवस के हालात हैं. पटना समेत राज्य के अधिकतर जिलों में सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा. सोमवार को पटना सहित 8 शहरों के अधिकतम तापमान में वृद्धि और 23 शहरों में गिरावट आयी. मौसम विभाग के मुताबिक, एक चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिणी बांग्लादेश एवं आसपास के क्षेत्र में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर मौजूद है.

'13 फरवरी को हाजिर हों उदयनिधि स्टालिन'

पटना। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन को पटना की एक अदालत ने नया समन जारी किया. उदयनिधि ने अपने बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी. उनके बयान के खिलाफ यहां शिकायत दर्ज कराई गई थी. पटना की एमपी-एमएलए अदालत ने उदयनिधि स्टालिन को 13 फरवरी को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है. उदयनिधि के बयान के खिलाफ वकील डॉ. कौशलेंद्र नारायण ने सीजेएम कोर्ट पटना में केस दायर किया और बाद में केस को एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया. 6 दिसंबर को एमपी-एमएलए कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन को आईपीसी की कई धाराओं के तहत समन जारी किया था. सोमवार को भी कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई.

जदयू एमएलसी खालिद अनवर बोले-

कांग्रेस की रफ्तार बहुत धीमी है

संवाददाता। पटना

नरेंद्र मोदी की सरकार को हटाने के लिए इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन सीटों के बंटवारे को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है. जदयू एमएलसी खालिद अनवर कहा कि कांग्रेस कभी इलेक्शन तो कभी अन्य चीजों में व्यस्त रही जिसके कारण सीट शेयरिंग में देरी हुई. सीट शेयरिंग का मामला अभी तक फंसा हुआ है. बदकिस्मती है कि जिस पार्टी की लीडरशिप में आगे बढ़ना चाह रहे थे उस पार्टी की रफ्तार वह नहीं जो हमलोग चाह रहे. कांग्रेस में पार्टी का सिस्टम ज्यादा है. उसमें कई ग्रुप हैं. जिस उदार दिल से काम होना चाहिए था वह नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि हम देश में सत्ता परिवर्तन की बात कर रहे हैं और कांग्रेस सीटें गिनने में लगी है. 17 सीट तो हमारी है ही. यह हमें मिलनी ही चाहिए. बाकी सीटों पर राजद और कांग्रेस को जल्द बात करनी चाहिए. नीतीश कुमार ने कांग्रेस को मजबूत करने के लिए विपक्षी एकता नहीं की थी. देश के 130 करोड़ लोगों के लिए किया है. हम अपने वसूलों से समझौता नहीं कर सकते. बाकी पार्टियों को तय करना है. उन्हें हमारे साथ रहना है या नहीं. बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इससे पहले यह बात कह चुके हैं कि कांग्रेस का ध्यान लोकसभा चुनाव पर नहीं है. सीएम ने यह बयान तब दिया था जब कुछ महीने पहले ही पांच राज्यों में विधानसभा का चुनाव हुआ था. अब एक बार फिर नीतीश कुमार की पार्टी के नेता ने कुछ वैसा ही बयान दिया है.

कारोबार

ईपैक ड्यूरेबल का आईपीओ 19 जनवरी को खुलेगा

नयी दिल्ली। ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड ने अपने 640 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 218-230 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी की ओर से मंगलवार को जारी सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, आईपीओ 19 जनवरी को खुलेगा और 23 जनवरी को समाप्त होगा. एंकर निवेशक 18 जनवरी को बोली लगा पाएंगे. आईपीओ में 400 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर और 1.3 करोड़ इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है.

फेडरल बैंक का मुनाफा 25 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। फेडरल बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 25 प्रतिशत बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रहा. बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध मुनाफा 804 करोड़ रुपये रहा था. फेडरल बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 6,593 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 4,967 करोड़ रुपये थी. निजी क्षेत्र के बैंक ने इस तिमाही में 5,730 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की.

एलएंडटी को मिला बुलेट ट्रेन परियोजना का ठेका

नयी दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की विनिर्माण इकाई को देश में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए विद्युतीकरण प्रणाली स्थापित करने का बड़ा ठेका मिला है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. यह ऑर्डर अधिकृत जापानी एजेंसी ने दिया है. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, एलएंडटी कंस्ट्रक्शन के रेलवे रणनीतिक व्यापार समूह को मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के लिए 508 किलोमीटर मार्ग पर विद्युतीकरण प्रणाली के निर्माण के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. इसे बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में जाना जाता है. विद्युतीकरण प्रणाली स्थापित होने के बाद इस मार्ग पर ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी.

डीआरपीपीएल के तहत बनने वाले इन फ्लैट्स में बाथरूम भी होगा

धारावी के फ्लैट का साइज बढ़ा

भाषा। मुंबई

खास बातें

- धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट 23 हजार करोड़ का है
- महाराष्ट्र सरकार और अडाणी ग्रुप इसे बना रही है

मुंबई के धारावी में फ्लैट की चाहत रखनेवाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर यह है कि पहले के मुकाबले यहां पर फ्लैट का साइज बड़ा होगा. एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी में लोगों को अब मिनिमम 350 स्क्वायर फीट के फ्लैट मिलेंगे. महाराष्ट्र सरकार और अडाणी ग्रुप के जॉइंट वेंचर में बन रहे इन फ्लैट की साइज को करीब 17% बढ़ाया जाएगा. धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) के तहत बनने वाले इन फ्लैट्स में इंडिपेंडेंट किचन और बाथरूम भी होगा. इस बात की जानकारी अडाणी ग्रुप ने दी है. पिछले साल जुलाई में महाराष्ट्र सरकार ने धारावी स्लम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए अडाणी ग्रुप की बोली को मंजूरी दी थी. 29 नवंबर 2022 को अडाणी ग्रुप की कंपनी ''अडाणी प्रॉपर्टीज'' ने स्लम को रीडेवलप करने के प्रोजेक्ट की बोली जीती थी. कंपनी ने इसके लिए 5,069 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी. अडाणी ग्रुप के अलावा बोली लगाने वालों में दूसरे नंबर पर डीएलएफ ग्रुप रहा था, जिसने 2,025 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी. धारावी के स्लम एरिया को अलग-अलग फेस में रीडेवलप किया जाना है. सबसे पहले वहां रहने वाले लोगों को शिविरों में भेजा जाएगा. इसके बाद वहां पर नए घरों को बनाया जाएगा.

धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट 23 हजार करोड़ का है. प्रोजेक्ट के तहत, जो लोग 1 जनवरी 2000 से पहले से धारावी में रह रहे हैं, उन्हें फ्री में पक्का मकान दिया जाएगा. जबकि, जो लोग 2000 से 2011 के बीच आकर यहां बसे हैं, उन्हें इसके लिए कीमत चुकानी होगी. 1999 में भाजपा-शिवसेना सरकार ने पहली बार धारावी के रीडेवलपमेंट का प्रस्ताव रखा था. इसके बाद 2003-04 में महाराष्ट्र सरकार ने धारावी को एक इंटीग्रेटेड प्लान्ड टाउनशिप के रूप में रीडेवलप करने का निर्णय लिया और इसके लिए एक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई और टेंडर निकाले गए. 2011 में सरकार ने सभी टेंडर को कैसिंल कर दिया और एक मास्टर प्लान तैयार किया था. महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने अक्टूबर 2022 में नए टेंडर जारी किए. इससे पहले इस प्रोजेक्ट के लिए लगी बोली को उद्धव ठाकरे सरकार ने साल 2019 में कैंसिल कर दिया था.

साल 2008 में ''स्लमडॉग मिलियनेयर'' फिल्म के रिलीज होने के बाद इस क्षेत्र को लोकप्रियता मिली. फिल्म ने कई अवॉर्ड भी जीते. इसके बाद फिल्म गली बॉय में ये देखने को मिली थी. कई टूरिस्ट यहां भारत की बस्ती में रहने वालों के जीवन की झलक देखने आते हैं. इस इलाके को 1882 में अंग्रेजों ने बसाया था. मजदूरों को किफायती ठिकाना देने के मकसद से इसे बसाया गया था. धीरे-धीरे यहां लोग बढ़ने लगे और झुग्गी-बस्तियां बन गईं. यहां की जमीन सरकारी है, लेकिन लोगों ने झुग्गी-बस्ती बना ली है.

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 15.92 लाख नए सदस्य जोड़े

नयी दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नवंबर में ईएसआई योजना के तहत 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा. श्रम मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नवंबर 2023 में करीब 20,830 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए और ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए. बयान के अनुसार, नियमित वेतन पर रखे गए कर्मचारियों के ईएसआईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में करीब 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा गया. युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का सृजन हुआ. नए पंजीकरण में 25 वर्ष आयु वर्ग तक के 7.47 लाख कर्मचारी हैं. यह कुल कर्मचारियों का 47 प्रतिशत है. आंकड़े के अनुसार, नवंबर में शुद्ध रूप से 3.17 लाख महिलाएं पंजीकृत हुई. नवंबर महीने में कुल 58 समलैंगिक समुदाय के कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया. नौकरियों का यह आंकड़ा अस्थायी है क्योंकि आंकड़ें संकलित करना निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है.

चाय का निर्यात 1.65% घटकर 18.2.69 करोड़ किलोग्राम रहा

एजेंसी। कोलकाता

जनवरी-अक्टूबर 2023 में देश से चाय का निर्यात 1.65 प्रतिशत घटकर 18.269 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि पिछले कैलेंडर की समान अवधि में यह 18.575 करोड़ किलोग्राम था. टी बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 के पहले 10 महीनों में उत्तर भारत से निर्यात सालाना आधार पर 4.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11.033 करोड़ किलोग्राम रहा. इसी तरह जनवरी से अक्टूबर 2023 के दौरान दक्षिण भारत से निर्यात 3.25 प्रतिशत बढ़कर 7.236 करोड़ किलोग्राम हो गया, जो 2022 की समान अवधि में यह 7.008 करोड़ किलोग्राम था. कैलेंडर वर्ष 2022 में चाय का निर्यात सालाना आधार पर 17.57 प्रतिशत बढ़कर 23.108 करोड़ किलोग्राम था. 2021 में निर्यात 19.654 करोड़ किलोग्राम रहा था. चाय उद्योग के सूत्रों ने बताया निर्यात परिदृश्य गंभीर बना हुआ है क्योंकि ईरान के साथ भुगतान की समस्या के कारण वहां होने वाला निर्यात खतरे में है. ईरान परंपरागत रूप से भारत के चाय निर्यात का 20 प्रतिशत आयात करता है, लेकिन वह अब करीब शून्य हो गया है. सूत्रों ने बताया कि ऐसी स्थिति में संयुक्त अरब अमीरात जैसे नए बाजारों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है जो सीआईएस ब्लॉक के बाद पहले से ही दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया है.

सुजुकी इंडिया ने वाहनों की कीमतें बढ़ाईं

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने वाहनों की कीमतें तत्काल प्रभाव से बढ़ाने की मंगलवार को घोषणा की. मोटर वाहन निर्माता ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि सभी मॉडलों में वृद्धि का अनुमानित भारित औसत 0.45 प्रतिशत है. कंपनी के अनुसार, नई कीमतें 16 जनवरी 2024 से लागू होंगी. मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ऑल्टो से लेकर इनविक्टो तक कारों की एक श्रृंखला बेचती है. इनकी कीमत 3.54 से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है.

लगायी छलांग — अडाणी समूह के मुखिया ने विश्व आर्थिक मंच के लिए लिखे एक ब्लॉग में कहा

हरित हाइड्रोजन शुद्ध-शून्य उत्सर्जन यात्रा के लिए महत्वपूर्ण

एजेंसी। नयी दिल्ली

उद्योगपति गौतम अडाणी ने मंगलवार को कहा कि हरित हाइड्रोजन भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में सफर की कुंजी है और इसपर आने वाली उच्च लागत को सौर ऊर्जा की तरह नीचे लाया जा सकता है. अडाणी समूह के मुखिया ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के लिए लिखे एक ब्लॉग में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन की दिशा में छलांग लगाने से भारत को ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने और शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी. नवीकरणीय बिजली के इस्तेमाल से पानी को विभाजित करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है. यह एक स्वच्छ ईंधन है और इससे कार्बन उत्सर्जन नहीं होता है. इसका इस्तेमाल इस्पात और तेल रिफाइनरी जैसे उद्योगों में कच्चे माल और वाहनों में ईंधन के रूप में किया जा सकता है. अडाणी ने अपने ब्लॉग में कहा, नवीकरणीय ऊर्जा एक लंबा सफर तय कर चुकी है लेकिन यह अनुकूल मौसमी हालात पर निर्भर करती है.

हरित हाइड्रोजन जीवाश्म ईंधन का एक व्यवहार्य विकल्प हो सकता है. हालांकि, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भर है. ऐसे में इसकी व्यवहार्यता इसपर निर्भर करती है कि नवीकरणीय ऊर्जा की उत्पादन लागत हरित हाइड्रोजन की तुलना में तेजी से कम हो. नवीकरणीय ऊर्जा के साथ हरित हाइड्रोजन कारोबार में भी सक्रिय अडाणी समूह के चेयरमैन अडाणी ने कहा कि 'ऊर्ध्वाधर एकीकरण' से हरित हाइड्रोजन उत्पादन लागत को काफी कम किया जा सकता है. ऊर्ध्वाधर एकीकरण में एक कंपनी अपनी मुख्य उत्पाद से जुड़ी सभी गतिविधियों को अंजाम देती है. उन्होंने कहा, खासकर भारत में हरित हाइड्रोजन कई क्षेत्रों के लिए शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में आखिरी मुकाम हो सकता है. हालांकि, हरित हाइड्रोजन पर आने वाली वर्तमान लागत अधिक है और इसे कम करने की जरूरत है. उन्होंने कहा, भारत के लिए न्यायसंगत समाधान एक जीवाश्म ईंधन को दूसरे के साथ बदलना न होकर नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन की ओर छलांग लगाना है. सौर लागत में आई कमी को हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भी दोहराया जा सकता है. सौर ऊर्जा की उत्पादन लागत पिछले कुछ वर्षों में तेजी से घटी है. वर्ष 2011 में सौर पैनल से बिजली पैदा करने पर 15 रुपये प्रति यूनिट की लागत आती थी लेकिन अब यह घटकर 1.99 रुपये प्रति यूनिट पर आ गई है. यह पूरी दुनिया में सौर ऊर्जा की सबसे कम उत्पादन लागत है.

सरकार ने शीरा पर लगाया 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क

एजेंसी। नयी दिल्ली

सरकार ने गन्ने के रस से बने शीरा के निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है. यह इथेनॉल उत्पादन का प्रमुख घटक है. सरकार ने चालू सीजन में चीनी उत्पादन में गिरावट के बीच यह कदम उठाया है. वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना के अनुसार, यह शुल्क 18 जनवरी से प्रभावी होगा. इस कदम का मकसद घरेलू भट्टियों के लिए शीरा की उपलब्धता को बढ़ावा देना और सरकार के इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने में मदद करना है. सरकार का लक्ष्य चालू वर्ष में पेट्रोल के साथ 15 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करना है जिसके लिए 690 लीटर इथेनॉल की आवश्यकता होगी. इथेनॉल के बिना सरकार ने चालू 2023-24 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी उत्पादन घटकर 3.23-3.3 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया है, जो पिछले सीजन में 3.73 करोड़ टन था. भारत वियतनाम, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड और फिलीपींस सहित देशों को शीरा निर्यात करता है. तीन राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात शीरा का निर्यात करते हैं.

ब्रीफ खबरें

दो मोटरसाइकिल के टक्कर में अधेड़ घायल

सेन्हा/लोहरदगा। कंडरा चौक के समीप दो मोटरसाइकिल के टक्कर होने से एक अधेड़ व्यक्ति घायल हो गया. जिसके बाद परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया. घटने के बाद एक मोटरसाइकिल वाला गाड़ी छोड़कर घटना स्थल से फरार हो गया. घायल की पहचान बुटी निवासी महावीर मांझी के 55 वर्षीय पुत्र बिजेमल पासवान के रूप में की गई है. बता दें कि सूचना मिलते ही प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह, थाना प्रभारी गणेश कुमार यादव दलबल कर साथ घटना स्थल पहुंचे और दोनों क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया. फिलहाल पुलिस घटना की तहिकात में जुट गई है.

मां जलेश्वरी मेला का मंत्री ने किया उद्घाटन

नावाडीह। लौहनगरी के नाम से विख्यात भेंडरा में मकर संक्रांति के अवसर पर जमुनिया नदी के तट पर लगने वाले सात दिवसीय मां जलेश्वरी मेले का उद्घाटन मंगलवार को सूबे के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी ने किया. उद्घाटन समारोह में प्रमुख पूनम देवी, जिप सदस्य फूलमति देवी, मुखिया नरेश कुमार विश्वकर्मा, पंसस गोपाल यादव भी शामिल थे. इससे पूर्व जल की देवी मां जालेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर माथा टेका. वहीं, मेला में ब्रेक डांस, तारा माची, टोरा टोरा, नाव झूला, मौत का कुएं एवं मीना बाजार, काला जादू आदि का आनंद उठाया.

डालसा के सहयोग से रोगी रिनपास में भर्ती

किरिबुरु। डालसा सचिव पश्चिमी सिंहभूम के सहयोग से पुलहातु बड़ी बाजार के एक मानसिक रोगी सूरज कुमार भंज (19) को रिनपास कांके में भर्ती कराया गया. विदित हो कि सूरज लगभग 5 वर्षों से मानसिक रोग से ग्रसित है, जिसके चलते उसका परिवार बहुत ही परेशान है. सूरज के परिवार वाले आर्थिक कमजोरी के कारण उसका सही इलाज भी नहीं करा पा रहे थे, लेकिन जैसे ही उन लोगों को आदिवासी उरांव समाज संघ, चाईबासा के द्वारा पहले भी मानसिक रोगियों को रिनपास कांके में इलाज हेतु भर्ती कराने की जानकारी हुई तो तुरंत उक्त परिवार के लोगों ने वस्तुस्थिति से अवगत कराया.

जिला बनाने को लेकर डीसी से मिले पूर्व विधायक

तेनुघाट। दर्जा प्राप्त मंत्री सह गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बोकारो डीसी से मिलकर बेरमो को जिला बनाने में सकारात्मक सहयोग की मांग की. इस दौरान तेनुघाट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्र, सचिव वकील प्रसाद महतो समेत कई अधिवक्ता और अन्य लोग शामिल थे. महतो ने बेरमो अनुमंडल को जिला बनाने में अग्रतर कार्रवाई करने से संबंधित ज्ञापन डीसी को सौंपा. उन्होंने इस ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त को कहा है कि उनके द्वारा 30 मार्च 2015 को विधानसभा सत्र के गैर सरकारी संकल्प के वक्तव्य में बेरमो अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की थी.

दांतू में महिला ने फंदे से लटककर दे दी जान

बोकारो। कसमार थानाक्षेत्र के दांतू में तीस वर्षीय एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी. मृतका पूनम देवी दांतू निवासी राम कुमार नायक की पत्नी बताई जाती है. राम कुमार नायक रेलवे में नौकरी करते हैं. सूचना के बाद कसमार थाना प्रभारी उज्ज्वल कुमार पांडेय समेत अन्य पुलिस बल दांतू पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर घटना की जानकारी ली. इधर, मृतका के पिता ने कसमार थाना में मामला दर्ज कराते हुए दहेज की मांग को लेकर बेटी को जान से मार डालने का आरोप लगाया है.

मजदूर-किसान की आवाज थे कॉ महेन्द्र सिंह : भाकपा

लोहरदगा। कॉमरेड महेंद्र सिंह गरीब मजदूर-किसान की आवाज थे. उक्त बातें कॉ महेन्द्र सिंह के 19वें शहादत दिवस के अवसर पर उभर कर आई. वक्ताओं ने कहा कि कॉ महेन्द्र सिंह गरीब-गुरवों की आवाज सड़क से सदन तक उठाते रहे. कॉ बी पी गुप्ता ने कहा कि कॉ महेंद्र सिंह अपने साथियों की सुरक्षा अपने शहादत के साथ किया. कॉ हजारी उरांव ने कहा कि सरना कोड खत्म होने पर कॉ महेंद्र सिंह ही ऐसे नेता थे, जिन्होंने सरना कोड को पुनः लागू करने की आवाज बुलंदी से उठायी थी.

ओढ़नी धारण कर श्रद्धालु करेंगे पालकी साहिब का स्वागत, कोल्हान के सभी गुरुद्वारों में तैयारियां पूरी

गुरु गोबिंद सिंह जयंती आज, टेल्को से निकलेगा भव्य नगर कीर्तन

संवाददाता। जमशेदपुर

सिखों के दसवें गुरु साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 357वां प्रकाशपर्व बुधवार को जमशेदपुर में श्रद्धा भावना और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा. प्रकाशोत्सव पर 17 जनवरी को टेल्को गुरुद्वारा साहिब से निकलने वाले भव्य नगर कीर्तन को लेकर कोल्हान के सभी गुरुद्वारों में तैयारियां पूरी कर ली गयीं है. मंगलवार को प्रकाशपर्व की बधाई देते हुए प्रधान सरदार भगवान सिंह ने संगत से करबद्ध अपील करते हुए कहा कि सभी श्रद्धालु गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के सम्मान में केसरी या नीली दस्तार और ओढ़नी धारण कर पालकी साहिब का स्वागत करें. सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) ने कोल्हान की सभी 34 गुरुद्वारा कमिटियों से अपील करते हुए बयान जारी किया है कि प्रकाश पर्व के पावन मौके पर संगत तथा अन्य संस्थाएं दर्शक बनने के बजाय केसरी या नीली दस्तार और ओढ़नी धारण कर बड़ी संख्या में सीजीपीसी के साथ नगरकीर्तन में शामिल हों.

सीजीपीसी पूरी तरह से तत्पर

पूर्व संध्या पर प्रधान भगवान सिंह के नेतृत्व में चेयरमैन सरदार शैलेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष चंचल सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, सुखदेव सिंह बिट्टू, अमरीक सिंह, दमन सिंह, अकाली दल के सुखदेव सिंह खालसा और रामकिशन सिंह ने टेल्को गुरुद्वारा साहिब पहुंच कर हो रही तैयारियों का जायजा लिया. नगर कीर्तन के दर्शनीय आयोजन और सफलता के लिए सीजीपीसी पूरी तरह से तत्पर है. नगर कीर्तन सुबह ठीक साढ़े ग्यारह बजे टेल्को गुरुद्वारा साहिब से रवानगी होगी तथा पूर्व निर्धारित मार्ग से होता हुआ शाम को ठीक पांच बजे साकची गुरुद्वारा साहिब में संपन्न होगा.

स्वागत के लिए 38 तोरण द्वार

निर्धारित रूट अनुसार सुबह साढ़े ग्यारह बजे टेल्को गुरुद्वारा से भव्य शोभायात्रा निकलेगी जो टाटा मोटर्स मेन गेट, नीलडीह गोलचक्कर, तार कंपनी, टिनप्लेट, गोलमुरी, आर डी टाटा गोलचक्कर व कालीमाटी रोड़ होते हुए साकची गुरुद्वारा में पहुंच कर शाम पांच बजे संपन्न होगा. सभी गुरुद्वारों में शब्द-कीर्तन के विशेष दिवान का आयोजन होगा साथ ही इस शुभ अवसर पर शहर के सभी गुरुद्वारों में अटूट लंगर की व्यवस्था होगी. नगर कीर्तन में पालकी साहिब के स्वागत के लिए पुरे मार्ग में लगभग 38 सजावटी तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं.

जोगिंदर सिंह बिछाएंगे पालकी साहिब की राहों में पुष्प

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 357वें प्रकाशोत्सव को लेकर शहर के सभी श्रद्धालु उत्साहित होकर कोई न कोई सेवा अपने हिस्से में ले लेने को ललायित हैं. इसी कड़ी में टेल्को से निकलनेवाले नगर कीर्तन में समाजसेवी जोगिन्दर सिंह जोगी ने आरम्भ से लेकर गंतव्य तक पालकी साहिब के आगे पूरे राह पुष्प बिछाने की सेवा निभाने के बीड़ा उठाया है. साकची गुरुद्वारा के वरीय उपाध्यक्ष और सीजीपीसी के उपाध्यक्ष जोगिन्दर सिंह जोगी ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के कोलाघाट से 10 विभिन्न प्रजाति के पुष्प स्वयं लेकर आएंगे.

81 वर्ष पुराना है जमशेदपुर में नगर कीर्तन का इतिहास

इतिहास के झरोखे से देखें तो जमशेदपुर में नगर कीर्तन सन 1943 में सर्वप्रथम निकाला गया था. इस हिसाब के जमशेदपुर में नगर कीर्तन शोभायात्रा निकलते हुए 81 साल हो गए हैं. इस पर प्रकाश डालते हुए सीजीपीसी के चेयरमैन सरदार शैलेन्द्र सिंह और महासचिव अमरजीत सिंह ने बताया कि, पहले पहल केवल सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाशपर्व पर ही नगर कीर्तन निकाला जाता था और उस वक़्त सीजीपीसी के अंतर्गत केवल 22 गुरूद्वारे ही आते थे. समय के साथ नगर कीर्तन की लोगप्रियता और लोगों की आपार धार्मिक भावनाओं की कद्र करते हुए 1947 को दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के जन्म दिहाड़े पर भी नगर कीर्तन निकाला जाने लगा, जो तब से आज तक लगातार आयोजित किया जा रहा है.

तीन से छह माह तक का समय सभी राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण है

ईडी के नाम पर डराया जा रहा, पर हम डरनेवाले नहीं हैं : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि वर्ष 2024 चुनाव का साल है. तीन से छह माह तक का समय हर राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण है. कहा कि मई के अंत तक नयी लोकसभा का गठन हो जाएगा. मार्च के दूसरे सप्ताह के बाद मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू होगा. उसके बाद तिथियों की घोषणा होगी. इस दौरान सभी दल, अपने द्वारा किये गये कार्यों का प्रचार प्रसार करेंगे. इसे प्रभावित करने और डराने का काम किया जा रहा है. ईडी के नाम पर डराया जा रहा है, मगर हमलोग डरनेवाले नहीं है, लड़ने वाले लोग हैं. सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह बातें आज संवाददाता सम्मेलन में कहीं.

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों को केंद्रीय एजेंसियां के माध्यम से डराने का काम किया जा रहा है. केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई यह बता रही है कि पहले धर्म के नाम पर, फिर संप्रदाय के नाम पर, उसके बाद ईडी की कार्रवाई के नाम पर डराया जा रहा है. इसका ताजा उदाहरण् सभी को देखने को मिल रहा है. आरोप लगाया कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद ईडी की कार्रवाई चलती रही. जिसका फायद बीजेपी को मिला.

उन्होंने कहा कि ईडी के माध्यम से झारखंड में भी ऐसा ही करने का प्रयास चल रहा है. मगर यहां यह सब नहीं चलेगा. हम लड़नेवाले लोग हैं. जनता को सब पता है. ईडी के समन और नोटिस की जानकारी कैसे सार्वजनिक हो जाती है. जबकि किसी माध्यम से यह जानकारी पब्लिक डोमेन में नहीं डाली जाती है. इससे तो यही जाहिर होता है कि ईडी की कार्रवाई राज्य सरकार को परेशान करने के लिए की जा रही है. सुप्रियो ने कहा कि ईडी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई लड़ने को विवश किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के समझ गयी है. चुनाव में सबक सिखायेगी. जनता में ईडी की कार्रवाई को लेकर आक्रोश है. ईडी सिर्फ यहां भ्रम की स्थिति पैदा कर, विशेष राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है. सुप्रियो ने कहा, 14 जनवरी को ईडी ने समन जारी किया, जबकि इस दिन सीएम काफी व्यस्त रहते है. यह जानते हुए भी ईडी ने समन जारी किया. पूछा कि ईडी जानकारी दे कि किसके पास से क्या बरामद हुआ है.

सीएम ईडी को घर बुलाते हैं व उनके नेता देते हैं धमकी : भाजपा

प्रमुख संवाददाता। रांची

- पश्चिम बंगाल से भी ज्यादा भयावह स्थिति उत्पन्न कर सकती है हेमंत सरकार
- झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर भाजपा का पलटवार

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है. बीजेपी के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि एक तरफ सीएम 8 नोटिस के बाद ईडी को पूछताछ के लिए अपने पास बुलाते हैं. वहीं दूसरी ओर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ईडी को धमकी दे रहे हैं. ऐसे में तो मुख्यमंत्री को कैबिनेट से यह भी निर्णय कर लेना चाहिए कि राज्य के किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए अधिकारी अपने ऑफिस में नहीं बुलाएं. अधिकारी पूछताछ के लिए घर जाएं. झामुमो के बयान से साफ झलक रहा है कि मुख्यमंत्री के पास ईडी के सवालों का जवाब नहीं है.

जनता को दिग्भ्रमित करने में जुटा है झामुमो : प्रदीप वर्मा ने कहा कि ईडी ने बार-बार बताया है कि आखिर मुख्यमंत्री को वह क्यों बुला रही है, बावजूद इसके झामुमो जनता को दिग्भ्रमित करने में जुटा है. झामुमो बौखलाहट में है. झामुमो को बताना चाहिए कि उनका सहयोगी दल कांग्रेस सत्ता में रहकर राजद सुप्रीमो पर किस राजनीतिक विद्वेष से कार्रवाई करवाती थी. लालू यादव पर सीबीआई की कार्रवाई राजनीतिक थी या कानूनी प्रक्रिया. छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश के चुनाव परिणाम झामुमो को डराने लगे हैं.

इंटरव्यू के लिए तो नहीं बुला रही ईडी : वर्मा ने कहा कि कौन सी ऐसी पूछताछ होती है, जिसमें पहले से प्रश्न बता दिए जाते हैं. कोई इंटरव्यू लेने के लिए ईडी थोड़े बुला रही है. उसके पास जमीन की लूट के साक्ष्य होंगे. पकड़े गए लोगों से कुछ कागजात मिले होंगे. झामुमो नेता के धमकी भरे बयानों से स्पष्ट हो रहा है कि ये ईडी के अधिकारियों के साथ पश्चिम बंगाल में हुए वारदात से भी ज्यादा भयावह स्थिति उत्पन्न करने की कोशिश की जा रही है.

रोजगार व भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी कुछ नहीं बोलते :दीपांकर

बगोदर (गिरिडीह)। झारखंड के बगोदर विधानसभा के विधायक रहे शहीद महेंद्र सिंह के याद में कार्यकर्ता व महेंद्र सिंह के विचारों पर चलने वाले लोगों की महाजुटान होकर शहीद महेंद्र सिंह के 19वीं शहादत दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत शहीद महेंद्र सिंह के जन्मस्थान खम्बरा में लोगों ने महेंद्र सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया. मौके पर भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जहां मोदी को देश की आर्थिक व्यवस्था एवम रोजगार पर ध्यान देना चाहिए, वहां लोगों को मन्दिर-मस्जिद के मामले में युवाओं को भटका रहे हैं. दीपंकर ने कहा कि महेंद्र सिंह के शहीद हुए 19 वर्ष हो गए हैं, बावजूद उनके प्रति लोगों की भावना व कद्र कम नहीं हुआ है. अपितु हर वर्ष दोगुनी ताकत के साथ उनके शहादत दिवस पर लोग इकट्ठे होते हैं. महेंद्र सिंह हमारे लिए प्रेरणादायक हैं. मौके पर विधायक अरुप चटर्जी, पूर्व विधायक राजकुमार यादव सहित हजारों लोग उपस्थित थे.

साढ़े सात करोड़ की लागत से चांडिल बाईपास सड़क की होगी मरम्मत

संवाददाता। चांडिल

चांडिल गोलचक्कर से जामडीह तक बदहाल हो चुकी राष्ट्रीय राजमार्ग 32 का मरम्मत कार्य का शिलान्यास रविवार को सांसद संजय सेठ व विधायक सविता महतो ने नारियल फोड़कर किया. चांडिल की जनता का बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होती दिखाई दे रही है. एनएच 32 के इस 11.6 किमी लंबे हिस्से की मरम्मत 7 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से होगी. सांसद संजय सेठ व विधायक सविता महतो ने विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद मंत्रोच्चारण के बीच नारियल फोड़कर मरम्मति कार्य का शिलान्यास किया. इसके साथ ही अब ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चांडिल की जीवन रेखा कही जाने वाली उक्त सड़क की बदहाली दूर होने वाली है. इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि चांडिल बाईपास सड़क रेलवे की जमीन पर बना है. पहले रेलवे ने सड़क बनाने की सहमती दी. इसके बाद रेलवे ने ही पहले सड़क भी बनाकर दी. रेलवे ने सड़क बनाकर इसे एनएचएआई को सौंप दिया था.

संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में गुणवत्ता में कमी और निम्न स्तर का सामग्री इस्तेमाल के कारण सड़क जल्द ही बहदाल हो गई थी. अब नए सिरे से एनएचएआई की ओर से सड़क की मरम्मति का काम करवाया जाएगा. इससे लोगों को आवागमन में सहुलियत होगी. सांसद ने स्थानीय राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता व आम लोगों को सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करने की अपील की ताकि सड़क का निर्माण अच्छी हो सके. उन्होंने कहा कि एनएचएआई को 45 दिनों के अंदर सड़क की मरम्मति पूरी करने की बात कही है.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में जमशेदपुर आएंगे राहुल गांधी

आनंद मिश्रा। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे की अध्यक्षता में मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित पार्टी कार्यालय तिलक पुस्तकालय में जिला स्तरीय विस्तारित बैठक हुई. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी बलजीत सिंह बेदी शामिल हुए.

बैठक में संगठनात्मक प्रगति की समीक्षा की गई. साथ ही भारत जोड़ो यात्रा के क्रम में पार्टी नेता राहुल गांधी के जमशेदपुर आगमन की तैयारी को लेकर संबंधी सभी विषयों पर चर्चा की गई. बैठक में जमशेदपुर एवं जिला के निवासियों को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल कराने के लिए जिला कमिटी के द्वारा निमंत्रण पत्र अधिकृत किया गया. निमंत्रण के तहत सभी कम्पनी के यूनियन एवं कर्मचारी, सभी सामाजिक संगठन, इंडिया गठबंधन के सभी नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सभी धार्मिक संस्था, सभी समाज के संगठन, सभी खेल संस्थान, सभी एसएचजी के पदाधिकारी एवं सदस्य, सभी शैक्षणिक संस्थान, सभी ग्राम प्रधान, सभी 231 मुखिया, जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, सभी वरिष्ठ नागरिक समिति, सभी कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं के अलावा कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ, सभी जिला पदाधिकारी, सभी प्रखंड पदाधिकारी, सभी मंडल पदाधिकारी, अग्रणी संगठन एवं विभाग के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी, कांग्रेस पार्टी के सदस्य गणों को बड़े पैमाने पर निमंत्रण दिया जाएगा. बैठक में यह भी तय किया गया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के स्वागत में जगह-जगह तोरण द्वार बैनर फ्लेक्स चौक चौराहों को सजावट करने के अलावा यात्रा रूट पर बड़े पैमाने पर स्वागत संबंधित सभी संदेशों को लिखा जाएगा.

आक्रोश | आदिवासी प्रतिनिधियों ने भरी हुंकार, 11 फरवरी को मोरहाबादी से विरोध मार्च

कुड़मी को एसटी में शामिल नहीं होने देंगे आदिवासी संगठन

संवाददाता। रांची

झारखंड के आदिवासी संगठन कुड़मी जाति को एसटी में शामिल नहीं होने देंगे और इस प्रकार की मंशा के विरोध में 11 फरवरी को मोरहाबादी परिसर से पैदल विरोध मार्च निकालेंगे. यह घोषणा मंगलवार को करमटोली चौक के समीप केंद्रीय धुमकुड़िया भवन में विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा संवाददाता सम्मेलन में की गयी. मीडिया के समक्ष हुंकार भरते हुए आदिवासी प्रतिनिधियों ने कहा कि कुरमी/कुडमी महतो कभी भी आदिवासी नहीं थे. वे नॉर्थ बिहार एवं अन्य इलाकों से झारखंड में आकर बसे हैं और वे अपने को शिवाजी का वंशज और खुद को क्षत्रिय कुल का बतलाते आये हैं.

पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने बताया कि आजादी की लड़ाई में भी इन्होंने हिस्सा नहीं लिया था. ये अंग्रेजों द्वारा हड़पी गई जमीन की देखभाल करते थे और अंग्रेजों के साथ मिले हुए थे. जब 1950 -1952 में भारत सरकार द्वारा आदिवासियों की सूची बनाई जा रही थी तो इस सूची में भी इन्होंने खुद को क्षत्रिय एवं शिवाजी के वंशज बतलाया. बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में रैली कर वे खुद को क्षत्रिय बतलाते आ रहे हैं . केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा की आदिवासियों के साथ कुरमी/कुड़मी महतो का रोटी-बेटी का रिश्ता कभी नहीं रहा है. ये मुख्य रूप से आदिवासियों की जमीन, आरक्षित मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद एवं नौकरी को हड़पने के लिए आज वे खुद को आदिवासी होने का दावा रहे हैं आदिवासियों की हकमारी करने हेतु खुद को आदिवासी बतला रहे हैं इनका रीति रिवाज, संस्कृति, भाषा कहीं से भी आदिवासियों से मेल नहीं खाता है फिर भी ये आदिवासी होने का दावा कर रहे हैं. आदिवासी समाज उनके गलत मंसूबो को कभी कामयाब नहीं होने देगा. इस प्रेस सम्मेलन में सोमा मुंडा, अध्यक्ष संयुक्त पड़हा महासभा खूंटी रवि तिग्गा,अध्यक्ष राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा झारखंड, फुलचन्द तिर्की, अध्यक्ष केन्द्रीय सरना समिति, लक्ष्मी टुडू संरक्षक राजधानी सोर्वता समिति रांची बबलू मुंडा, अध्यक्ष केन्द्रीय सरना समिति, सुशील उरांव अध्यक्ष आदिवासी छात्र संघ, कुदरसी मुंडा अध्यक्ष अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद रांची, निरंजना हेरेंज टोप्पो अध्यक्ष, जय आदिवासी विकास परिषद, अजय तिर्की अध्यक्ष केंद्रीय सरना समिति, बालमुकुंद लोहरा केंद्रीय अध्यक्ष आदिवासी लोहरा समाज झारखंड, अजीत उरांव अध्यक्ष क्षेत्रीय पड़हा समिति हटिया, वासुदेव खड़िया अध्यक्ष आदिवासी खड़िया समाज झारखंड, जगलाल पहान, मुख्य पहान, शिबु पहान, 22 पडहा मुख्य पहान, बलकु उरांव समेत कई लोग मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

बाबा के समाधि स्थल पर पूजा अर्चना के बाद हुआ भंडारा

सेन्हा-लोहरदगा। चंदवा गढ़गांव पहाड़ी के तराई में स्थित समाधि स्थल पर आदिवासी रीति रिवाज से पूजा-अर्चना सह भंडारा का आयोजन किया गया. लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत में पूजा अर्चना के साथ भंडारा का आयोजन समस्त ग्रामीणों के सहयोग से किया गया. बताया जाता है कि प्राचीन काल से ही महादेव मंडा के पुजारी रघुनाथ बाबा के द्वारा किया जाता रहा. लेकिन उनके निधन के पश्चात चंदवा गढ़गांव में पहाड़ी के तराई में कुट्टी बगीचा में उनका समाधि स्थल बनाया गया और गांव के लोग पाहन पुजार के अगुआई पूर्वजों के समय से पूजा अर्चना करते आ रहे है. इस अवसर पर ग्रामीणों के सहयोग से भंडारा का भी आयोजन किया जाता है.

शहर के लिए वरदान है द हेयर स्पीक पार्लर : अरुणा

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने पार्लर का उद्घाटन करते हुए कहा पलामू जिले में जिस प्रकार व्यवसाय ,उद्योग धंधा का लगातार विस्तार हो रहा है ठीक उसी प्रकार पार्लर के व्यवसाय भी उभर रहे है. बाहर से भी युवा एंटरप्रेन्योर पलामू में आकर अच्छे ब्रांड के साथ व्यवसाय को विस्तार देना चाहते है. उसी का जीता जागता उदाहरण द हेयर स्पीक है. ऐसे व्यवसाय से जहां व्यवस्थापक व्यवसाय करते वही कई महिला पुरुष को रोजगार मिलता है. इसके लिए मैं पार्लर की पूरी टीम को बधाई देती हूं. संस्था के व्यवस्थापक आशीष पांडे ने कहा कि पलामू शहर के लिए यह एक वरदान है. हम सभी को अपनी सौंदर्य का खास ख्याल रखना चाहिए. जिसमें बालों की भूमिका आम होती है.

अब्दुल रउफ अंसारी बने उर्स कमिटी के मुख्य कन्वेनर

लोहरदगा। हजरत बाबा दुखन शाह (रअ) के सालाना उर्स आगामी 4 से 6 फरवरी को है. जिसको लेकर अंजुमन इस्लामिया की विशेष बैठक सदर हाजी मो. अफसर कुरैशी की सदारत में हुई. बैठक में मुख्य रूप से अंजुमन इस्लामिया मजलिस ए अम्मा के नाजिम ए आला हाजी अब्दुल जब्बारूल अंसारी, सचिव सफदर आलम, नायब सदर नेहाल कुरैशी, सह सचिव मोजम्मिल अंसारी पूर्व सदर हाजी शकील अहमद, पूर्व सचिव फिरोज राही, कमरूलजमा कुरैशी आदि मौजूद थे. बैठक में हजरत बाबा दुखन शाह (रअ) के सालाना उर्स 2024 को सफलता पूर्वक संपन्न कराने को लेकर विचार विमर्श किया गया. तत्पश्चात सर्व सहमति से 11 सदस्यीय उर्स कमिटी का गठन किया गया है.

सप्लाई मजदूरों ने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

बोकारो थर्मल। डीवीसी के बोकारो ताप विद्युत केंद्र, बोकारो थर्मल में कार्यरत सप्लाई मजदूरों ने संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया. वे प्रबंधन द्वारा बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने का दबाव का विरोध कर रहे थे. मासिक वेतन का भुगतान रोके जाने से भी वे आक्रोशित थे. सैकड़ों सप्लाई मजदूरों ने प्लांट के अंदर डीवीसी का परियोजना प्रधान के कक्ष के सामने घेराव किया और लॉबी को जाम कर प्रबंधन विरोधी नारे लगाए. सप्लाई मजदूरों के आक्रोश को देखते हुए प्रभारी परियोजना प्रधान सह मुख्य अभियंता सुदीप्तो भट्टाचार्य के पहल पर स्थानीय प्रबंधन और संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई. स्थानीय उपमहाप्रबंधक बीजी होल्कर ने संयुक्त मोर्चा के नेताओं को आश्वस्त किया कि सप्लाई मजदूरों के मासिक वेतन का भुगतान अविलंब किया जायेगा.

माता मंगल चंडी पाठ में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

चांडिल। आखाइन यात्रा के पावन अवसर पर मंगलवार को दलमा पर्वत श्रृंखलाओं के तलहटी पर नीमडीह प्रखंड के बामनी गांव में स्थित मां खेलाई चंडी पाठ मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. यहां झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा पश्चिम बंगाल व ओड़िशा के श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा. इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मन्नते पुरी होने पर पास स्थित तालाब में मिट्टी उठाव की रस्म किया और जोड़ा में कबूतर छोड़ा. श्रद्धालुओं ने समाज व परिवार के लिए मंगल कामना किया. उसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने मां मंगल चंडी पाठ में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना किया. बड़ी संख्या में व्रती तालाब से स्नान कर मंगल चंडी पाठ तक दंडी देते हुए यानि जमीन पर लेटते हुए पहुंचे. मान्यता के अनुसार यहां मांगी गई मन्नत पूरा होने पर भक्त खेलाई चंडी पाठ में आकर एक जोड़ा कबूतर को छोड़ देते हैं.

भक्तों को भाजपा कराएगी राम मंदिर के दर्शन

जमशेदपुर। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां अपने आखिरी चरण में पहुंच चुकी हैं. 22 जनवरी को होने वाली भव्य प्राण प्रतिष्ठा के लिए संपूर्ण विश्व व्याकुल है. इसी क्रम में अयोध्या के लिए रेलवे की ओर से 29 जनवरी एवं 19 फरवरी को टाटानगर स्टेशन से दर्शन नगर आस्था स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी. इस यात्रा के तहत हजारों श्रद्धालुओं को राम मंदिर के विधिवत दर्शन करवाने की तैयारी की जा रही है. इसी क्रम में, मंगलवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर एवं जमशेदपुर ग्रामीण की लोकसभा स्तरीय संयुक्त बैठक बिस्टुपुर स्थित तुलसी भवन के मानस सभागार में संपन्न हुई. इस दौरान सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व सांसद आभा महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, प्रदेश मंत्री रीता मिश्रा, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव व अन्य शामिल हुए.

पेज 1 का शेष...

पूछताछ के बाद किये गये...

करीब छह महीने बाद एक बार फिर से ईडी ने उनके घर पर दबिश दी है. 10 सदस्यीय टीम दो इनोवा गाड़ी से उनके घर पर पहुंची. पिछली छापेमारी के दौरान दो दिनों तक कागजात खंगाले गए थे. वहीं, बरामद नकद गिनने के लिए यूनियन बैंक से नोट गिनने की मशीन मंगाई गई थी. बता दें कि इजहार अंसारी कहकशां ग्रुप आफ कंपनीज सहित कई शेल कंपनियों के संचालक रहे हैं. वह एक पूर्व विधायक के काफी नजदीकी माने जाते हैं.

ओम कोक इंडस्ट्रीज में भी पहुंची ईडी की टीम : रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत बोंगावार भरेचनगर स्थित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी के ठकाने पर ईडी की टीम ने दबिश दी है. यहां कारोबारी की फैक्ट्री मेसर्स ओम कोक इंडस्ट्रीज में सुबह ही दो वाहनों में ईडी की टीम सुरक्षा बल के साथ पहुंची. फैक्ट्री में कागजात खंगाले गये. वहीं, ओम कोक इंडस्ट्रीज के प्रबंधक हरिनाथ महतो से भी पूछताछ की गयी. हालांकि, इस छापेमारी को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है.

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल से जुड़ा है मामला : बताया जाता है कि निलंबित आईएएस पूजा सिंघल जब खनन सचिव थीं, उस समय इजहार अंसारी ने बड़े पैमाने पर कोयले से अवैध कमाई की थी. इजहार अंसारी के नाम पर 12 से अधिक शेल कंपनियां हैं. इन्हीं शेल कंपनियों के नाम पर कोयला तस्करी के पैसों को इधर-उधर किया जाता था. ईडी की टीम इजहार अंसारी की सभी शेल कंपनियों के दस्तावेज की जांच में जुटी है. इस मामले में पिछले दिनों राज्य भर में 14 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी.

टेनिस : 35 साल में पहली बार किसी भारतीय ने गैंडस्लैम एकल में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया

भारत के सुमित नागल पहली बार ऑस्ट्रेलिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

भाषा । मेलबर्न

भारत के सुमित नागल ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को मंगलवार को खेले गए मुकाबले में सीधे सेटों में हराकर अपने करियर में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया. 26 वर्ष के नागल क्वालीफायर के रास्ते मुख्य ड्रॉ में पहुंचे हैं. उन्होंने 31वीं वरीयता प्राप्त बुबलिक को दो घंटे 38 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-2, 7-6 से हराया. नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहली बार दूसरे दौर तक पहुंचे हैं. वह 2021 में पहले दौर में लिथुआनिया के रिकार्डास बेरांकिस से 2-6, 5-7, 3-6 से हार गए थे.

विश्व रैंकिंग में 139वें स्थान पर काबिज नागल अपने करियर में दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम का दूसरा दौर खेलेंगे. वह 2020 अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में डोमिनिक थिएम से हारे थे जो बाद में चैंपियन बने. नागल की जीत के साथ ही 35 साल में पहली बार किसी भारतीय ने ग्रैंडस्लैम एकल में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया है. आखिरी बार 1989 में रमेश कृष्णन ने मैट विलांडर को मात दी थी जो उस समय दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मौजूदा चैंपियन थे.

पहले सेट से ही नागल ने बनाया दबदबा : नागल की शुरूआत शानदार रही और उन्होंने पहले ही सेट से बुबलिक पर दबाव बनाया. नागल ने पहले गेम में उन्होंने बुबलिक की सर्विस तोड़ी लेकिन अपनी सर्विस भी बरकरार नहीं रख सके. उन्होंने फिर बुबलिक की सर्विस तोड़कर पहला सेट 42 मिनट में जीत लिया. दूसरे सेट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बुबलिक की सर्विस दो बार तोड़ी और अपनी बरकरार रखकर 43 मिनट में जीत दर्ज की. तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने सातवें गेम तक अपनी सर्विस टूटने नहीं दी. इसके बाद नागल ने सर्विस तोड़कर 4 -3 की बढ़त बनाई और यह 5-3 कर दी . यह सेट टाइब्रेकर तक खिंचा जिसमें नागल 7-5 से विजयी रहे.

पुरुष युगल के पहले दौर में हारी युकी व हासे की जोड़ी

भारत के युकी भांबरी और नीदरलैंड के रॉबिन हासे की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल के पहले दौर में कोलंबिया के निकोलस बेरियेंतोस और ब्राजील के रफाएल मातोस के हाथो हारकर बाहर हो गई . युकी और हासे की गैर वरीय जोड़ी को करीब ढाई घंटे तक चले पहले दौर के मैच में 6-1, 6-7, 6-7 से पराजय झेलनी पड़ी . दिल्ली के 31 वर्षीय युकी 2014 में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर तक पहुंचे थे जो ग्रैंडस्लैम युगल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था . पिछले साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस के साथ मालोरका चैंपियनशिप युगल खिताब जीता था . इस महीने की शुरूआत में युकी और हासे ब्रिसबेन इंटरनेशनल एटीपी टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार गए थे .

- नागल ने कजाखस्तान के अलेक्जेंडर को हराया
- क्वालीफायर के रास्ते मुख्य ड्रॉ में पहुंचे थे नागल
- 6-4, 6-2, 7-6 से नागल ने दर्ज की जीत
- 2 घंटे 38 मिनट तक चला मुकाबला

स्वियातेक ने केनिन को हराया, अब सामना कोलिंस से

शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में मंगलवार को पूर्व चैंपियन सोफिया केनिन को 7-6, 6-2 से हराया . यहां चार बरस पहले खिताब जीत चुकी केनिन ने पहले सेट में कड़ी चुनौती दी लेकिन स्वियातेक ने टाइब्रेकर में जीत दर्ज की . दूसरे सेट के पांचवें गेम में केनिन की सर्विस तोड़कर उन्होंने जीत दर्ज की . पोलैंड की स्वियातेक ने पांच ग्रैंडस्लैम जीते हैं लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब अपने नाम नहीं कर सकी हैं . अब उनका सामना 2022 की उपविजेता डेनियेले कोलिंस से होगा जिन्होंने 2016 की चैंपियन एंजेलिक कर्बर को 6- 2, 3- 6, 6-1 से हराया . कर्बर उन तीन पूर्व चैंपियन में से हैं जो मां बनने के बाद वापसी कर रही हैं . इनमें से एक चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई .

ब्रीफ खबरें

टी-10 के लिए पीसीबी ने मंत्रालय से मंजूरी मांगी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस महीने के आखिर में एक टी-10 लीग के आयोजन के लिये खेल मंत्रालय से अनुमति मांगी है. दूसरी लीगों में खेल रहे खिलाड़ियों की उपलब्धता एक मसला हो सकती है. वहीं पूर्व खिलाड़ी इस तरह के टूर्नामेंट के आयोजन के पक्ष में नहीं हैं. एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड की क्रिकेट प्रबंधन समिति 24 से 28 जनवरी तक टी-10 लीग कराना चाहती है. वह यह भी चाहती है कि सारे अनुबंधित खिलाड़ी इसमें भाग लें. मसला यह है कि कुछ खिलाड़ी यूएई में अमीरात इंटरनेशनल टी-20 लीग खेलने वाले हैं और कुछ बांग्लादेश प्रीमियर लीग खेलेंगे.

तेज गेंदबाज अब्बास तीसरे टी-20 से बाहर

कराची । पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज अब्बास अफरीदी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा और आखिरी टी-20 मैच नहीं खेलेंगे जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन भी पांच मैचों की श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं. पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने बताया कि अफरीदी की पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है जिसकी वजह से वह तीसरा मैच नहीं खेलेंगे. बाकी दोनों मैचों में उनकी उपलब्धता के बारे में बाद में फैसला लिया जायेगा. अफरीदी ने इसी श्रृंखला में पाकिस्तान के लिये पदार्पण किया.

रैली जीपी : रॉस दूसरे स्थान पर बरकरार

हाइल । हीरो मोटोस्पोर्ट्स के राइडर रॉस ब्रांच डकार रैली 2024 की मुख्य बाइक रेस 'रैली जीपी वर्ग' के आठवें चरण में आठवां स्थान हासिल करने के बाद ओवरऑल तालिका में दूसरे पायदान पर बने हुए हैं. उन्होंने इस चरण के विजेता 'रेडबुल केटीएम फैक्ट्री टीम' के केविन बेनाविडिज (3 घंटे 35 मिनट तीन सेकंड) से चार मिनट 49 सेकंड अधिक समय लिया. बारह चरण वाले इस रेस में ब्रांच ओवरऑल रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज 'मॉन्स्टर एनर्जी होंडा टीम' के राइडर रिकी ब्राबेक (36 घंटे 16 मिनट 31 सेकंड) से महज 42 सेकंड से पिछड़ रहे है.

विश्व कप से पहले अपना आखिरी टी-20 मैच खेलेगी भारतीय टीम

अफगानिस्तान का सूपड़ा साफ करने उतरेगा भारत

- मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा
- तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है भारत

भाषा । बेंगलुरू

श्रृंखला जीत चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में इस लय को बरकरार रखते हुए 'क्लीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी और कप्तान रोहित शर्मा के फॉर्म में लौटने की भी उम्मीद कर रही होगी. जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत का आखिरी टी-20 मैच है. मोहाली और इंदौर में मिली जीत के बाद टीम प्रबंधन कोई कोताही बरतना नहीं चाहेगा. दोनों मैचों में छह विकेट से मिली जीत में पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति अहम रही. भारत ने पहले मैच में 159 रनों का लक्ष्य 17. 3 ओवर में और दूसरे में 173 रनों का लक्ष्य 15.4 ओवरों में हासिल किया था. इससे पहले टी20 में भारतीय टीम शुरू में सावधानी से खेलकर आखिरी ओवरों में हाथ खोलने की रणनीति अपनाती आई है.

कुलदीप व आवेश में मिल सकता है मौका

भारत के बल्लेबाजी क्रम में भले ही बदलाव नहीं किया जाएगा, लेकिन कुलदीप यादव और आवेश खान को मौका मिल सकता है . कुलदीप को रवि बिश्नोई या वॉशिंगटन सुंदर की जगह और आवेश को मुकेश कुमार की जगह उतारा जा सकता है . विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा रायपुर में पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे मैच के बाद से टी-20 खेल रहे हैं . उन्हें आराम देने का विचार होने पर संजू सैमसन को उतारा जा सकता है . दूसरी ओर अफगानिस्तान को सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दोनों मैचों में नाकाम रहे हैं .

टीमें

- **भारत :** रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार .
- **अफगानिस्तान :** इब्राहिम जदरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद , नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान .

हफीज की बैठकों से पाकिस्तान टीम खफा

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निदेशक मोहम्मद हफीज के रवैये से अधिकांश खिलाड़ी खफा है क्योंकि वे लंबी बैठकें और काफी भाषणबाजी करते हैं. जानकारी के अनुसार कुछ खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया दौरे और अब न्यूजीलैंड दौरे पर हफीज के इस रवैये पर नाराजगी जताई है. जानकारी के मुताबित वह काफी लंबी बैठकें करते हैं और लंबे भाषण देते हैं. इससे खिलाड़ी बेचैन हो जाते हैं. हफीज को पीसीबी की क्रिकेट प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले यह पद सौंपा था. मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि खिलाड़ी इस बात से भी खफा हें कि विदेशी लीगों में खेलने के लिये अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) देने में भी पक्षपात किया जा रहा है.

आईपीएल को तरजीह देने के लिये क्रिकेटर कसूरवार नहीं : लारा

भाषा । एडिलेड

महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि आईपीएल समेत दुनिया भर में खेली जा रही टी-20 लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर तरजीह देने के लिये वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों को कसूरवार नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि आजकल खेलने का मतलब 'आजीविका' कमाना भी है. पिछले कुछ अर्से में वेस्टइंडीज क्रिकेट के गिरते ग्राफ का कारण टी-20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी रहा है. वेस्टइंडीज के कई सितारे टेस्ट क्रिकेट की बजाय फ्रेंचाइजी लीग खेल रहे हैं. लारा ने कहा कि एक 18 या 19 साल का लड़का अगर कहता है कि मैं आईपीएल खेलने जा रहा हूं या वेस्टइंडीज क्रिकेट की मुझे परवाह नहीं है तो यह उसकी गलती नहीं है. उन्होंने कहा कि 40-50 साल पहले आपकी प्रेरणा देश के लिये खेलना होती होगी लेकिन आजकल खेल का मकसद आजीविका कमाना भी है. हमें इसे भी सुनिश्चित करना होगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिये टीम मेंटोर बने लारा ने स्वीकार किया कि दुनिया भर में लुभावी फ्रेंचाइजी लीग का मुकाबला करना वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिये संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि हमें सच स्वीकार करना होगा. दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेला जा रहा है और वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिये ऐसी लुभावनी लीगों का मुकाबला कर पाना संभव नहीं है.

फीफा पुरस्कार

15 साल में आठवीं बार मेस्सी ने जीता यह पुरस्कार

48 अंक के साथ बराबरी पर थे हालैंड व मेस्सी

- पेप गार्डियोला पुरूष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच चुने गए
- महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच सरीना वीगमैन बनी

टाईब्रेकर में हॉलैंड को हराकर मेस्सी बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

भाषा । लंदन

अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने अलिंग हालैंड को टाइब्रेकर में हराकर फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरूष फुटबॉलर का पुरस्कार जीता. राष्ट्रीय टीम के कोचों, कप्तानों, चुनिंदा पत्रकारों और प्रशंसकों द्वारा आनलाइन की गई वोटिंग के आधार पर मेस्सी और हालैंड दोनों को 48 अंक मिले. टाइब्रेकर में फैसला राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों द्वारा '5 प्वाइंट ' स्कोर या पहले स्थान पर रखे जाने के आधार पर किया गया.

मेस्सी को 15 साल में आठवीं बार यह पुरस्कार मिला है. काइलियान एमबाप्पे तीसरे स्थान पर रहे. कोई भी खिलाड़ी पुरस्कार लेने नहीं पहुंचा था. पेरिस सेंट जर्मेन छोड़कर इंटर मियामी से जुड़े मेस्सी ने पिछले साल अक्टूबर में हालैंड और एमबाप्पे को हराकर आठवीं बार बलोन डिओर पुरस्कार जीता था.

महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गयी ऐताना बोनमाती

महिला वर्ग में स्पेन की विश्व कप चैम्पियन ऐताना बोनमाती को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया . उन्होंने पिछले साल बलोन डिओर भी जीता था . वह विश्व कप और चैंपियंस लीग दोनों में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रही थीं . मैनचेस्टर युनाइटेड के कोच पेप गार्डियोला को पुरूष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच और इंग्लैंड की सरीना वीगमैन को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार मिला.

दीप्ति बनी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत की दीप्ति शर्मा को मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने दिसंबर महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया.वहीं मेंस क्रिकेटर्स में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस को यह अवॉर्ड दिया गया. आईसीसी ने दिसंबर 2023 के शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया. दीप्ति के साथ अवॉर्ड की रेस में भारत की ही जेमिमा रोड्रिग्ज और जिम्बाब्वे की प्रेशियस मरांज भी थीं. वहीं मेंस कैटेगरी में बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स रेस में

थे. दीप्ति ने पिछले महीने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की दोनों पारियों में 9 विकेट झटके थे. उन्हें पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 4 विकेट मिले थे. साथ ही उन्होंने बैट से 67 रन भी बनाए थे.इंग्लैंड के बाद दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट में 8 विकेट लिए, उन्होंने बैट से 78 रन भी बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने महज 38 रन देकर 5 विकेट लिए थे. आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने के बाद दीप्ति ने कहा कि दिसंबर के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है. मुझे खुशी है कि पिछले महीने मजबूत टीमों के खिलाफ मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकी. मैं कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगी ताकि भविष्य में मुझे ऐसे और भी पल मिल सकें.

आईसीसी ने नासिर हुसैन पर प्रतिबंध लगाया

दुबई । बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन को अमीरात क्रिकेट बोर्ड कि भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन आरोपों को स्वीकार करने के बाद मंगलवार को दो साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया जिसे छह महीने का निलंबित प्रतिबंध भी शामिल है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड की संहिता के तहत नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी के रूप में हुसैन पर सितंबर 2023 में आरोप लगाए थे. इस क्रिकेटर ने इनमें से तीन आरोप स्वीकार किए थे. आईसीसी के अनुसार हुसैन ने उन्हें मिले उपहार का खुलासा नहीं किया था.

बैडमिंटन | इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी से हारे चीनी ताइपे के चिएन चेन

रोमांचक जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे भारत के एचएस प्रणय

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के शीर्ष खिलाड़ी और आठवें वरीय एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक मुकाबले में सीधे गेम में जीत के साथ की. विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के टिएन चेन चाउ को 42 मिनट में 21-6, 21-19 से हराया. टिएन चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैच में यह छठी जीत है. अगले दौर में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की भिड़ंत प्रियांशु से होगी. दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय के खिलाफ टिएन चेन शुरुआत में

खास बातें

- 42 मिनट तक चला प्रणय व चिएन के बीच मुकाबला
- 21-6, 21-19 से प्रणय ने दर्ज की जीत

बिलकुल भी लय में नजर नहीं आए. उन्होंने काफी सहज गलतियां की. वह कोर्ट से सामंजस्य बठाने में नाकाम रहे और उन्होंने कई बार कोर्ट के अंदर गिर रही शटल को छोड़ दिया. चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने इसके अलावा कई शॉट नेट पर भी मारे. भारतीय खिलाड़ी की तेजी और सटीक शॉट का भी टिएन चेन के पास कोई जवाब नहीं था.

जोरदार वापसी करते हुए प्रियांशु ने लक्ष्य को हराया

प्रियांशु राजावत ने पुरुष एकल में पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया . जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद पूर्व चैंपियन लक्ष्य को एक घंटा और 15 मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-16 21-13 से हराया . जूनियर बैडमिंटन के दिनों से ही एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे ये खिलाड़ी एक-दूसरे की कमजोरियों और मजबूत पक्षों से अच्छी तरह वाकिफ थे . लक्ष्य ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव की बदौलत शुरुआत में बढ़त हासिल की

लेकिन प्रियांशु बार-बार बराबरी हासिल करने में सफल रहे . लक्ष्य ने अपने दमदार क्रॉस कोर्ट स्मैश से काफी अंक जुटाए लेकिन प्रियांशु ने भी उन्हें परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी . लक्ष्य ब्रेक तक 11-10 के मामूली अंतर से बढ़त बनाने में सफल रहे . लक्ष्य ने 13-10 की बढ़त बनाई लेकिन प्रियांशु लगातार चार अंक के साथ 14-13 से आगे हो गए . लक्ष्य ने इसके बाद अपने दमदार स्मैश का नजारा पेश करते हुए लगातार चार अंक के साथ 17-14 की बढ़त बनाई .

अगले दौर में प्रणय और प्रियांशु के बीच होगी भिड़ंत

अपनी योजना को अच्छी तरह से लागू करने में सफल रहा . उसे शुरुआती गेम में काफी परेशानी हो रही थी और वह कोर्ट से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहा था जिसका मैंने यदा उठाया . - प्रणय

बातचीत से निलंबन हटवाना चाहता है डब्ल्यूएफआई

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को तय किया कि वह निलंबन हटवाने के लिये खेल मंत्रालय से बातचीत करेगा और यह भी कहा कि फिलहाल वह सरकार से टकराव नहीं चाहता लेकिन बातचीत नाकाम रहने पर कानूनी विकल्पों पर विचार किया जायेगा. डब्ल्यूएफआई ने पहले कहा था कि निलंबन हटवाने के लिये वह कानून की शरण लेगा लेकिन अपनी कार्यकारी परिषद की बैठक में उसने विचार बदल दिया. बैठक की अध्यक्षता डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने की जिसमें 12 अन्य चयनित सदस्यों ने भाग लिया. महासचिव प्रेम चंद लोंचाब और सीनियर उपाध्यक्ष देवेंदर कादियान ने बैठक में भाग नहीं लिया. संजय

खास बातें

- डब्ल्यूएफआई ने की कार्यकारी परिषद की बैठक
- बातचीत नाकाम रहने पर कानूनी विकल्पों पर किया जाएगा विचार

सिंह ने बैठक के बाद कहा कि हम सरकार से टकराव नहीं चाहते. हम अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा रहे. हम मंत्रालय से समय मांगेंगे और सरकार से बात करने की कोशिश करेंगे. यह पूछने पर कि सरकार से समय नहीं मिलने पर क्या करेंगे, उन्होंने कहा कि पहले कोशिश तो कर लें. हम जानना चाहते हैं कि निलंबन हटवाने के लिये क्या करना होगा.

ब्रीफ खबरें

पतंग के मांझे से कटा गला, लड़के की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में पतंग के मांझे से जुड़े हादसों में गला कटने से एक 12 वर्षीय लड़के की मौत हो गई और पांच अन्य व्यक्ति घायल हो गए. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक भंवर सिंह ने बताया कि घटना उस समय हुई जब कक्षा 5 में पढ़ने वाला सुरेंद्र भील सोमवार शाम अपने घर की छत पर अपने दोस्तों के साथ पतंग उड़ा रहा था. उन्होंने कहा कि सुरेंद्र को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

कोहरे के कारण रेल यातायात प्रभावित

नयी दिल्ली। उत्तर भारत में मंगलवार को गंगा के मैदानी इलाकों में कोहरे की मोटी चादर छाई रही. घने कोहरे से दृश्यता कम रही जिससे सड़क व रेल यातायात प्रभावित हुआ. उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में पंजाब से पूर्वोत्तर भारत तक के इलाकों में कोहरे की मोटी चादर फैली हुई दिखाई दी. रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 30 ट्रेन अधिकतम छह घंटे की देरी से चल रही हैं. उत्तर भारत में सुबह साढ़े पांच बजे वाराणसी, आगरा, ग्वालियर व जम्मू में दृश्यता का स्तर शून्य मीटर रहा.

अमेरिका में शीतलहर का प्रकोप जारी

बफेलो । अमेरिका के अधिकतर हिस्से में सोमवार को भी हाड़ कंपा देने वाली ठंड और शीतलहर का प्रकोप बरकरार जारी रहा. मैरीलैंड के कॉलेज पार्क में राष्ट्रीय मौसम सेवा में मौसम विज्ञानी जैक टेलर ने कहा कि करीब 15 करोड़ अमेरिकियों के लिए ठंडी हवा चलने की चेतावनी या खतरनाक ठंड संबंधी परामर्श जारी किया गया है. इसके साथ ही आर्कटिक से आ रहे तूफान का असर अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में देखा जा सकता है.

ग्वाटेमाला के नए राष्ट्रपति बने बर्नार्डो

ग्वाटेमाला सिटी। बर्नार्डो एरेवलो ने सोमवार तड़के ग्वाटेमाला के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली लेकिन अब उनके सामने देश में बदलाव लाने के अपने वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है. उन्हें संघर्षों का समाधान करने की पृष्ठभूमि वाला एक राजनीतिक उदारवादी माना जाता है और यह कौशल ग्वाटेमाला के वर्तमान ध्रुवीकरण से निपटने में उनके काम आएगा. बर्नार्डो एरेवलो ग्वाटेमाला के पूर्व राष्ट्रपति जुआन जोस एरेवलो के 65 वर्षीय पुत्र हैं.

क्विंटा ने जीता सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। क्विंटा ब्रूनसन को उनके शो 'एबॉट एलीमेंट्री' के लिए एमी पुरस्कारों की हास्य श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला. ब्रूनसन 40 से अधिक वर्षों में यह पुरस्कार जीतने वाली पहली अश्वेत महिला हैं. एमी पुरस्कार के 75वें संस्करण में पुरस्कार जीतने के बाद ब्रूनसन ने कहा कि मुझे 'एबॉट एलीमेंट्री' की निर्माण प्रक्रिया बहुत पसंद है. मैं खुश हूं कि मुझे अपने सपने को पूरा करने और हास्य अभिनय करने का मौका मिला.

घने कोहरे से वाहन टकराये, चार घायल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में घन कोहरे के कारण मंगलवार को कई वाहन आपस में टकरा गये, जिससे चार लोग घायल हो गये. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि हादसा दादरी पुलिस थाना क्षेत्र में बाईपास मार्ग पर सुबह करीब पौने आठ बजे हुआ. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि अंडरपास को पार करने के तुरंत बाद बाईं ओर मुड़ते समय एक ट्रक अन्य ट्रक से टकरा गया. इसके बाद पीछे से आ रहे 10 और वाहन भी टकराते चले गये.

लाखों ब्रिटिश नागरिकों को मताधिकार वापस मिला

लंदन। विदेश में रह रहे भारतीयों समेत 30 लाख से अधिक ब्रिटिश नागरिकों को चुनाव अधिनियम, 2022 लागू होने के बाद ब्रिटेन के आम चुनाव और जनमत संग्रहों में वोट करने का अधिकार वापस मिल गया है. यह 1928 में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने के बाद से ब्रिटेन की मताधिकार सूची में सबसे बड़ी वृद्धि को दर्शाता है. मंगलवार यानी 16 जनवरी से मतदान अधिकार पर 15 साल की मनमानी सीमा रद्द कर दी गयी है.

मंगलवार को श्री सत्य साईं जिले के लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा-अर्चना की. हिंदू मान्यताओं के अनुसार, माता सीता का अपहरण कर रहे रावण से लड़ाई के दौरान जटायु लेपाक्षी में गिरे थे. **-फोटो : पीटीआई**

पीएम मोदी ने वीरभद्र मंदिर में की पूजा-अर्चना

आंध्र प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी स्थित वीरभद्र मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान पीएम ने रंगनाथ रामायण के छंद भी सुने. वीरभद्र मंदिर 16वीं सदी में बनाया गया था. लेपाक्षी का रामायण में खास महत्व है. बताते हैं कि माता सीता का अपहरण कर रहे रावण से जटायु भिड़ गए थे. रावण के वार से गंभीर रूप से घायल जटायु लेपाक्षी में गिरे थे. मृत्यु से पहले उन्होंने श्रीराम को बताया था कि माता सीता को रावण लेकर दक्षिण की ओर गया है. दरअसल, अयोध्या राम मंदिर को लेकर पूरा देश राममय है. 6 दिन बाद 22 जनवरी को अयोध्या के रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है. प्रधानमंत्री 11 दिनों का विशेष अनुष्ठान कर रहे हैं.

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा-

'प्राण प्रतिष्ठा' के कार्यक्रम को राजनीतिक बना दिया

बोले राहुल

- प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम मोदी के इर्द-गिर्द केंद्रित है
- आगामी लोस चुनाव में भाजपा को हराएगा 'इंडिया'

भाषा। कोहिमा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आरोप लगाया कि अयोध्या में 22 जनवरी के रामलला के 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम बना दिया गया है और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस के इर्द-गिर्द केंद्रित कर दिया है. उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की स्थिति बहुत अच्छी है और वह इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराएगा. राम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर राहुल गांधी ने कहा कि राजनीतिक कार्यक्रम बन गया है. हिन्दू धर्म के प्रमुख लोगों (शंकराचार्य) तक ने कहा है कि यह धार्मिक कार्यक्रम नहीं है. कांग्रेस नेता ने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने निमंत्रण अस्वीकार कर दिया. साथ ही राहुल गांधी का कहना था कि कांग्रेस पार्टी का कोई भी व्यक्ति, जो भी दर्शन के लिए जाना चाहता है, वो जा सकता है. राहुल गांधी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत इस समय नगालैंड में हैं. 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 100 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी. इस यात्रा के दौरान 6,713 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी. ज्यादातर यात्रा बस से होगी, लेकिन कहीं-कहीं पदयात्रा भी होगी. यात्रा का समापन महाराष्ट्र के मुंबई में होगा.

लोगों ने राहुल गांधी का किया स्वागत : राहुल ने कहा कि इस बार पार्टी ने पूर्वोत्तर से एक और यात्रा शुरू करने का फैसला किया क्योंकि यह क्षेत्र भारत की अवधारणा के लिए बहुत अहम है. उन्होंने कहा कि हमने मणिपुर से शुरुआत की और हम अब नगालैंड पार कर रहे हैं. यह एक बढ़िया अनुभव है. आप सभी के स्नेह के लिए धन्यवाद. यात्रा जब राज्य की राजधानी से गुजरी, तो महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोगों ने उनका स्वागत किया.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थकों को संबोधित करते राहुल गांधी.

यात्रा का मकसद लोगों को न्याय देना है

राहुल गांधी ने कहा कि नगालैंड के लोग भले ही एक छोटे राज्य के रहने वाले हैं लेकिन उन्हें स्वयं को देश के अन्य लोगों के बराबर ही महसूस करना चाहिए. गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत नगालैंड की राजधानी कोहिमा में आयोजित रैली में कहा कि इस मार्च का मकसद लोगों को न्याय देना और राजनीति, समाज और आर्थिक ढांचे को सभी के लिए अधिक समान और सुलभ बनाना है.

राहुल ने कोहिमा युद्ध कब्रिस्तान का किया दौरा

राहुल ने कोहिमा युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया. गांधी ने 14 जनवरी को मणिपुर से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू की थी. वह सोमवार शाम नगालैंड पहुंचे. उन्होंने हाई स्कूल जंक्शन में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पहले विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और भाषाओं को एक साथ लाने के विचार के साथ दक्षिण भारत से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी.

प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर टिप्पणी बंद करें विपक्षी दल : अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने

मंगलवार को कहा कि विपक्षी दलों को अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर टिप्पणी करना बंद कर देना चाहिए क्योंकि यह ढांचा 500 साल के लंबे इंतजार के बाद बनाया गया है. विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने राम मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह को एक राजनीतिक आयोजन में बदल दिया है. इन आरोपों के बारे में सवाल किए जाने पर ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग मंदिर के निर्माण से अब भी खुश नहीं हैं. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो मंदिर के निर्माण से दुखी हैं, कुछ लोग ऐसे हैं जो 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से दुखी हैं और कुछ ऐसे लोग हैं जिन्हें राजनीति के कारण इस पर बयान देना पड़ता है. उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि उन्हें इस पर टिप्पणी करना और बयान देना बंद कर देना चाहिए.

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : विवेक रामास्वामी ने दावेदारी वापस ली

आयोवा कॉकस में ट्रंप की जीत

भाषा। अमेरिका

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुनने की लंबी प्रक्रिया की शुरुआत करने वाले आयोवा कॉकस में सोमवार को जीत हासिल कर ली. आयोवा कॉकस में फ्लोरिडा के गवर्नर आर डीसैंटिस पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल इकलौती महिला एवं संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहे. आयोवा कॉकस के बाद अब न्यू हैम्पशायर में 23 जनवरी को दावेदारों के बीच मुकाबला होगा. आयोवा कॉकस में ट्रंप को 51 प्रतिशत, डीसैंटिस को 21.2 प्रतिशत और हेली को 19.1 प्रतिशत वोट मिले. अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी को मात्र 7.7 प्रतिशत वोट मिले. रामास्वामी ने सोमवार को घोषणा की कि वह आयोवा कॉकस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ से हट रहे हैं. बायोटेक उद्यमी रामास्वामी (38) ने अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया. इससे पहले उन्होंने ट्रंप को 21वीं सदी का सबसे अच्छा राष्ट्रपति बताया था. हालांकि, उन्होंने इसके साथ ही रिपब्लिकन मतदाताओं को नए चेहरे का चुनाव करने के लिए मनाने की कोशिश की थी.

हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच हुआ मतदान

आयोवा कॉकस के लिए मतदाताओं ने हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच मतदान किया. ट्रंप राष्ट्रपति पद के चुनाव में लगातार तीसरी बार रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं. आयोवा कॉकस की बैठक स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे शुरू हुई. कॉकस के भागीदार अपने विचार रखने के लिए 1,500 से अधिक स्कूलों, गिरजाघरों और सामुदायिक केंद्रों में एकजुट हुए और उन्होंने गुप्त मतदान किया.

हेली ने कहा कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की एकमात्र ऐसी दावेदार हैं जो ट्रंप के अलावा मौजूदा राष्ट्रपति जो. बाइडन को टक्कर दे सकती हैं और ट्रंप-बाइडन दु:स्वप्न को टाल सकती हैं.

प्रख्यात मलयालम लेखिका के बी श्रीदेवी का निधन

कोच्चि। प्रसिद्ध मलयालम लेखिका के बी श्रीदेवी का मंगलवार को यहां त्रिपुनीथुरा में उनके आवास पर बीमारी के कारण निधन हो गया. परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष की थी और उनके परिवार में तीन बच्चे हैं. पारंपरिक ब्राह्मण समुदाय से आने वाली श्रीदेवी बहुत कम उम्र में लेखन जगत में आ गयी थीं और उन्होंने उपन्यास, कहानियां, बाल साहित्य समेत विभिन्न विधाओं में अपनी साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं पर केंद्रित बाल साहित्य में उनके योगदान ने लोगों का ध्यान काफी आकर्षित किया. उन्होंने नंबूदरी ब्राह्मण समुदाय में महिलाओं के जीवन पर काफी कुछ लिखा.

मोरेह एसडीपीओ की हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

भाषा। इंफाल

मणिपुर में तेंगनोउपल जिले के मोरेह में एक उप संभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की हत्या में कथित रूप से शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने एक बयान में बताया कि विशेष कमांडो टीम ने सोमवार शाम सीमावर्ती शहर से दोनों को पकड़ा. पुलिस ने कहा कि मोरेह कॉलेज के पास गश्त के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने दो संदिग्धों को देखा, जिन्होंने सुरक्षाकर्मियों के वाहनों पर गोलीबारी शुरू की और घनी आबादी वाले इलाके की ओर भाग गये. सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मोरेह कॉलेज के पास के इलाके को घेर लिया. इसमें बताया गया कि उनके कब्जे से आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है. महिलाओं के समूह ने दोनों की रिहाई की मांग को लेकर मोरेह पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया. बयान के मुताबिक, दोनों गिरफ्तार व्यक्ति पिछले वर्ष अक्टूबर में हुई मोरेह के एसडीपीओ चिंगथम आनंद की हत्या के मामले के मुख्य संदिग्धों में शामिल हैं.

खास बातें

- आरोपी के पास से आग्नेयास्त्र व गोला-बारूद बरामद
- आरोपी की रिहाई को लेकर थाने के सामने किया प्रदर्शन

किम जोंग ने संविधान को फिर से लिखने का किया आह्वान, कहा-

दक्षिण कोरिया के साथ सुलह नहीं होगी

भाषा। सियोल

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कहा कि उनका देश अब दक्षिण कोरिया के साथ सुलह का प्रयास नहीं करेगा और उन्होंने युद्ध में विभाजित देशों के बीच साझा राष्ट्र के विचार को खत्म करने के लिए उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आह्वान किया. दोनों कोरियाई देशों द्वारा साझा राष्ट्रीय एकरूपता की भावना पर आधारित एकीकरण के दशकों पुराने प्रयास को खत्म करने का यह ऐतिहासिक कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बीच उठाया गया है. उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, उत्तर

कोरिया ने दक्षिण कोरिया से संबंध बनाए रखने से जुड़े अहम सरकारी संगठनों को भी समाप्त कर दिया है. दक्षिण कोरिया के साथ संवाद और सहयोग से जुड़ी एजेंसियों को समाप्त करने का फैसला सोमवार को देश की संसद की एक बैठक में लिया गया. 'सुप्रीम पीपुल्स असेंबली' ने एक बयान में कहा कि दोनों कोरिया देशों के बीच अब गंभीर टकराव है.

प्योंगयांग में बनी स्मारक को तोड़ने की मांग

किम ने कहा कि उत्तर कोरिया के लिए दक्षिण कोरिया के साथ सुलह और शांतिपूर्ण पुनर्मिलन पर बातचीत करना असंभव हो गया है. उन्होंने संसद से दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया का मुख्य शत्रु और अपरिवर्तनीय प्रमुख शत्रु परिभाषित करने के लिए देश के संविधान को फिर से लिखने का आह्वान किया. उन्होंने खास तौर से सीमा पार की रेलवे लाइन को काटने और प्योंगयांग में वह स्मारक तोड़ने की मांग की जो पुनर्मिलन के सम्मान में बनाया गया है.

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, छह लोग घायल

पेशावर। पाकिस्तान में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में सोमवार को एक आत्मघाती हमले में दो पाकिस्तानी सैनिकों सहित कम से कम छह लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले की मीर अली तहसील में मचाई क्षेत्र की घुंडीसर जांच चौकी के पास खुद को विस्फोट से उड़ा लिया. उन्होंने कहा कि हमले में दो पाकिस्तानी सैनिकों सहित कम से कम छह लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि घायलों को बन्नू अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर है. सुरक्षाबलों ने हमले के षड्यंत्रकारियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जो देर रात तक जारी रहा.

भारत की गति से दुनिया अचंभित : धनखड़

भाषा। जयपुर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भारत बहुत बदल गया है और जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है उससे दुनिया अचंभित है. धनखड़ राजस्थान विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत इतना बदल गया है... इतना बदल गया है राजनीति दृष्टि से, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से, और विश्व में वो नाम हो गया है कि अब हम किसी देश के मोहताज नहीं हैं. उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिहाज से दुनिया में पांचवीं महाशक्ति होना कोई छोटा काम नहीं है.

भारत दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति

धनखड़ ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति है. हमने कनाडा, फ्रांस को पीछे छोड़ा है. हमने उनको पीछे छोड़ा है जिन्होंने सदियों तक हम पर राज किया. आने वाले दो तीन-साल में भारत... जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी आर्थिक महाशक्ति होगी. धनखड़ ने विधानसभा सदस्यों से कहा कि इस सबका निर्माण सदन करता है. इस बहुत बड़े हवन में आपका योगदान है. नेतृत्व का है, नीति का है और आम आदमी का भी योगदान है. आपके सामने चुनौती ज्यादा है. क्योंकि जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है... दुनिया अचंभित है. दुनिया सोच नहीं पाई कि क्या भारत कभी ऐसा हो सकता था.

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही मस्जिद केस | उच्चतम न्यायालय से हिंदू पक्ष को लगा बड़ा झटका

शाही ईदगाह मस्जिद में सर्वेक्षण पर लगाई गई रोक

भाषा। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 14 दिसंबर 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी जिसमें मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण अदालत की निगरानी में कराने पर सहमति जतायी गयी थी. हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद परिसर में ऐसी निशानियां हैं जिससे पता चलता है कि यह एक वक्त में मंदिर था. पीठ ने कहा कि कुछ कानूनी मुद्दे खड़े हुए हैं और उसने सर्वेक्षण के लिए अदालती आयुक्त की नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किए अस्पष्ट आवेदन पर सवाल उठाए.

अदालत ने हिंदू संस्थाओं ने मांगा जवाब

पीठ ने हिंदू पक्षों जैसे कि भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और अन्य की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान से कहा कि आप अदालत आयुक्त की नियुक्ति के लिए अस्पष्ट आवेदन नहीं दे सकते. इसका उद्देश्य बहुत स्पष्ट होना चाहिए. आप सब कुछ अदालत पर नहीं छोड़ सकते. न्यायालय ने हिंदू संस्थाओं को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है. उसने यह स्पष्ट कर दिया कि विवाद से जुड़े मामलों की उच्च न्यायालय में सुनवाई जारी रहेगी. उच्चतम न्यायालय शाही ईदगाह के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई कर रहा है.

समिति ने याचिका खारिज करने का किया था अनुरोध

मस्जिद समिति ने अपनी याचिका में कहा कि उच्च न्यायालय को मुकदमे में किसी भी अन्य विविध आवेदन पर निर्णय लेने से पहले वादपत्र की अस्वीकृति के लिए उसकी याचिका पर विचार करना चाहिए था. समिति ने इस आधार पर याचिका खारिज करने का अनुरोध किया था कि यह मुकदमा प्रार्थना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 द्वारा वर्जित है जो धार्मिक स्थल के स्वरूप में बदलाव पर रोक लगाता है.

तनाव के बीच ईरान ने इराक और सीरिया में किए हमले

भाषा। इरबिल (इराक)

ईरान ने इरबिल में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास एक इलाके पर मिसाइल हमलों के तुरंत बाद एक जासूसी मुख्यालय और ईरान विरोधी आतंकवादी समूहों के जमावड़े पर हमले किए. ईरान ने सोमवार को यह जानकारी दी. कुर्द क्षेत्रीय सरकार की सुरक्षा परिषद ने एक बयान में कहा कि इन हमलों में चार नागरिक मारे गए और छह लोग घायल हो गए. इराक के पूर्व सांसद मशान अल-जाबौरी की सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, इनमें से एक हमले में प्रमुख स्थानीय व्यवसायी पेश्रा दिजाई और उनके परिवार के सदस्य मारे गए. उन्होंने बताया कि एक मिसाइल दिजाई के महल पर गिरी जो मेरे घर के पड़ोस में है. इराक में कई अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक हस्तियों ने भी दिजाई की मौत की पुष्टि की है. इसके तुरंत बाद, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सरकारी मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि उसने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों सहित आतंकवादी गतिविधियों' पर हमला किया और कई बैलिस्टिक मिसाइल दागकर उन्हें नष्ट कर दिया.

दागे मिसाइल

- कई बैलिस्टिक मिसाइल दागकर उन्हें नष्ट कर दिया
- हमले में प्रमुख स्थानीय व्यवसायी पेश्रा मारे गए

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन मंदिर परिसर में संगीत का भी होगा आयोजन

शास्त्रीय भारतीय वाद्ययंत्रों से गूंजेगा अयोध्या का राम मंदिर

भाषा । अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले दिन पूरा परिसर संगीतमय रहेगा. इस मौके पर उत्तर प्रदेश की बांसुरी तथा ढोलक से लेकर तमिलनाडु के मृदंग जैसे देशभर के विभिन्न शास्त्रीय वाद्ययंत्र बजाये जाएंगे. 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 22 जनवरी को भव्य समारोह के दौरान प्रस्तुति के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से संगीतकारों का चयन किया गया है. लोगों द्वारा 'अधूरे मंदिर' में समारोह के आयोजन को लेकर उठाये जा रहे सवालों पर राय ने कहा कि मैं किसी भी आलोचना का जवाब नहीं दूंगा. राय ने बताया कि यह समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंदिर न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की गरिमामय उपस्थिति में होगा. न्यास के महासचिव ने बताया कि चयनित संगीतकार अपने-अपने क्षेत्रों के भारतीय परंपरा से जुड़े विभिन्न प्रकार के 'वाद्य यंत्र'बजाएंगे. उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से बांसुरी और ढोलक, कर्नाटक से वीणा, महाराष्ट्र से सुंदरी, पंजाब से अलगोजा, ओडिशा से मर्दला, मध्य प्रदेश से संतूर, मणिपुर से पुंग, असम से नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ से तंबूरा, बिहार से पखावज, दिल्ली से शहनाई और राजस्थान से रावणहत्था बजाने वाले कलाकार शामिल होंगे.

अयोध्या में जलाई गई 108 फुट लंबी अगरबत्ती

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महंत नृत्य गोपाल दास ने मंगलवार को गुजरात से यहां लायी गयी 108 फुट लंबी अगरबत्ती जलाई. दास ने श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए अगरबत्ती को जलाया. दावा किया गया कि अगरबत्ती की सुगंध 50 किमी तक दूर तक महकेगी. इस अगरबत्ती की चौड़ाई करीब साढ़े तीन फुट है और वजन 3,610 किलोग्राम है, जिसे गुजरात के वडोदरा से यहां लाया गया है. अगरबत्ती को तैयार करने के लिए गाय के गोबर, घी, सार, फूलों के अर्क और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया गया. यह लगभग डेढ़ महीने तक जल सकती है. अयोध्या के राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी.

6 से आरएसएस व विहिप के कार्यकर्ता शुरू करेंगे यात्रा

राय ने बताया कि 26 जनवरी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता जत्थों में मंदिर की यात्रा शुरू करेंगे, जो कि फरवरी के अंत तक जारी रहेगी. उन्होंने बताया कि इस अवसर के लिए पिछले कई दिनों में नेपाल के जनकपुर और बिहार के सीतामढ़ी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से उपहार आए हैं. राय ने बताया कि आमंत्रित लोगों के लिए कारसेवकपुरम, तीर्थ क्षेत्र पुरम में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है और कई होटल और धर्मशालाओं में कमरे भी बुक किए गए हैं.

सोलर बोट से सरयू यात्रा कराएगी सरकार

अयोध्या। अयोध्या को एक मॉडल सौर शहर में बदलने के उद्देश्य से, देश में पहली बार, सरयू नदी में 'सोलर पावर इनेबल्ड ई-बोट' (सौर नाव) को उतारा गया है. एक बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने अयोध्या में सरयू नदी में इस नाव सेवा (बोट सर्विस) के नियमित संचालन की रूपरेखा तैयार कर ली है. इस नाव को सरयू घाट के किनारे ही बनाया (असेंबल) किया गया है तथा देश के विभिन्न कोनों से इसके कल-पुर्जे एवं अन्य साजो-सामान मंगाए गए हैं. फिलहाल एक नाव को तैयार कर लिया गया है तथा इसका परीक्षण किया जा रहा है. ऐसी संभावना हैं कि 22 जनवरी को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा तथा आगे आने वाले दिनों में ऐसी अन्य नावों के नियमित संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा. बयान के मुताबिक यह सौर नाव स्वच्छ ऊर्जा के जरिए संचालन की परिकल्पना के आधार पर कार्य करती है.

भक्ति से सराबोर अयोध्या

मंगलवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के अभिषेक समारोह से पहले लता मंगेशकर चौक पर कलाकार रूपेश सिंह द्वारा डिजाइन की गई भगवान राम की रेत की मूर्ति.
-फोटो : पीटीआई

भगवान राम पर वीडियो बना रहे हैं हजारीबाग के आर्टिस्ट

कलाकार भी भगवा रंग में रंगे

संवाददाता। हजारीबाग

भगवार राम का प्राण प्रतिष्ठा समारोह जैसे-जैसे निकट आता जा रहा है, पूरे देश के साथ हजारीबाग भी राममयी होता जा रहा है. हजारीबाग के युवा कलाकार भगवान श्रीराम के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर गाने की शूटिंग कर रहे हैं. जो 20 जनवरी को यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा. इसे लेकर विभिन्न स्पॉट पर शूटिंग का दौर भी चल रहा है. शहर के झील परिसर में लगभग 20 कलाकार शूटिंग करते हुए दिखे. स्थानीय संगीतकार ने ही गाना लिखा है और उसे कंपोज भी किया है.

पूरे देश में जश्न, तो क्यों पीछे रहे हजारीबाग

कलाकारों का कहना है कि जब पूरे देश भर में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जश्न का माहौल है, तो ऐसे में हजारीबाग के कलाकार पीछे क्यों रहें. इस गाने में जहां एक ओर कलाकार नाचते गाते दिख रहे हैं, तो दूसरी ओर समाजसेवी भी पीछे नहीं है .राजेश गुप्ता जो हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. वे भी इस वीडियो में झूमते हुए देखे गए, उनका कहना है कि जब राम का नाम हो तो हर एक आम व्यक्ति भी कलाकार बन जाता है.

राम के आगे अरुण ने न आंखों की चोट देखी और न ही रातों की नींद

भाषा। मैसुरु

अयोध्या के राम मंदिर में मूर्तिकार अरुण योगीराज की तराशी हुई 'रामलला' की मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा. मूर्तिकार योगीराज ने इस मूर्ति को दिव्य और आलौकिक स्वरूप प्रदान करने के लिए दिन रात एक कर दिया था. उन्होंने न आंख पर लगी चोट की परवाह की और न ही नींद की. कर्नाटक में मैसुरु के मूर्तिकार का परिवार खुशी से झूम रहा है क्योंकि अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट ने उनके द्वारा बनाई गए 'रामलला' की मूर्ति को राम मंदिर में स्थापना के लिए चुना है. योगीराज की पत्नी विजेयता ने कहा कि वह इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं. उन्होंने एक किस्सा भी साझा किया जिसमें बताया गया कि कैसे मूर्ति बनाते समय योगीराज की आंख में चोट लग गई थी. उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं. हमें यह नेक काम करने का दायित्व सौंपा गया है. विजेयता ने कहा कि जब यह कार्य (योगीराज को) दिया गया तो हमें पता चला कि इसके लिए उचित पत्थर मैसूरु के पास उपलब्ध है. हालांकि, वह पत्थर बहुत सख्त था. इसकी नुकीली परत उनकी आंख में चुभ गई और उसे ऑपरेशन के जरिए निकाला गया. दर्द के दौरान भी वह नहीं रुके और काम करते रहे. उनका काम इतना अच्छा था कि हर कोई प्रभावित हुआ. हम सभी को धन्यवाद देते हैं. उन्होंने कहा, वो (योगीराज) कई रात सोए नहीं और रामलला की मूर्ति बनाने में तल्लीन रहे.

ऐसे भी दिन थे जब हम मुश्किल से बात करते थे और वह परिवार को भी मुश्किल से समय देते थे. अब ट्रस्ट की सूचना से सारी मेहनत की भरपाई हो गई है. योगीराज के भाई सूर्यप्रकाश ने कहा कि यह परिवार के लिए एक यादगार दिन है. उन्होंने कहा कि योगीराज ने इतिहास रचा है और वह इसके हकदार थे. यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण है जो उन्हें इतनी ऊंचाइयों तक ले गया.

अरुण योगीराज ने अपने पिता से सीखीं है मूर्तिकला की बारीकियां

योगीरा के परिवारवालों ने बताया कि उन्होंने मूर्तिकला की बारीकियां अपने पिता से सीखीं. वह बचपन से इसे लेकर उत्सुक थे. योगीराज की माता सरस्वती ने कहा कि यह बहुत ही हर्ष की बात है कि उनके बेटे द्वारा निर्मित मूर्ति का चयन किया गया है. उन्होंने कहा कि जब से हमें यह खबर मिली है कि अरुण द्वारा बनाई गई मूर्ति का चयन (स्थापना के लिए) किया गया है, हम बहुत खुश हैं. हमारा पूरा परिवार प्रसन्न है.

- योगीराज के द्वारा बनायी गई मूर्ति गर्भगृह में होगी स्थापित, परिवार खुश
- योगीराज के आंख ने चुभ गयी थी पत्थर से परत, ऑपरेशन के जरिए निकाला गया
- ऑपरेशन के बाद दर्द के दौरान भी योगीराज ने नहीं रोका काम

पांच साल के बच्चे के रूप में दर्शायी गयी है भगवान राम की मूर्ति

मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को अयोध्या में घोषणा की थी कि नई मूर्ति में भगवान राम को पांच साल के बच्चे के रूप में खड़ी मुद्रा में दर्शाया गया है और कहा कि इसे 18 जनवरी को 'गर्भगृह' में 'आसन' पर विराजमान किया जाएगा. रामलला की मूर्ति चुने जाने की सूचना जैसे ही बहार आई पड़ोसियों और कुछ नेताओं ने योगीराज के परिवार से मुलाकात की और उनके बेटे की प्रशंसा के रूप में सरस्वती को माला भेंट की.

कॅरियर-काउंसिलिंग

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग कर बेहतर कॅरियर बना सकते हैं युवा

रजनीश प्रसाद । एजुकेशन रिपोर्टर

रोबोटिक्स, इंजीनियरिंग की वह शाखा है, जिसमें रोबोट की डिजाइनिंग, नए एप्लीकेशन की मेंटेनेंस, डेवलपमेंट और रिसर्च जैसे काम शामिल किए जाते हैं. वर्तमान समय में रोबोटिक्स तेजी से विकसित होने वाले पेशों में से एक बन चुका है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ अफोर्डेबल और उपयोगी चीजें बनाने में रोबोटिक्स इंजीनियरिंग अहम भूमिका निभाती है. रोबोट ऐसे सभी काम करने में सक्षम होते हैं, जो इंसान के लिए मुश्किल होते हैं या जिन्हें करना उन्हें पसंद नहीं होता है.

रोबोटिक्स की विशेषताएं

- यह कृत्रिम तरीके से बनाया है.
- रोबोट अपने आस-पास के वातावरण को समझ सकते हैं और उसके संपर्क में रह सकते हैं.
- रोबोट एक स्वयं से चलने वाली मशीन है इसे चलाने के लिए किसी मनुष्य की जरुरत नहीं है.
- यह मनुष्य की तरह थकता नहीं है.

रोबोटिक्स इंजीनियर बनने के लिए आवश्यक स्किल

- रोबोटिक्स इंजीनियर को गणित में अच्छी पकड़ होनी चाहिए.
- रोबोटिक्स इंजीनियर के पास टेक्निकल स्किल होनी आवश्यक है.
- रोबोटिक्स में कॅरियर के लिए लोकप्रिय प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे सीसी, पायथन और जावा के ज्ञान की आवश्यकता होती है, रोबोटिक्स के लिए प्रोग्रामिंग और सॉफ्टवेयर या मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने के लिए प्रोग्रामिंग के बीच कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं, इसलिए आपको उसकी समझ होनी चाहिए.
- रोबोटिक्स काफी हद तक तकनीकी काम है, लेकिन कुछ सॉफ्ट स्किल्स भी होनी चाहिए जैसे- टीम लीडिंग, कम्युनिकेशन स्किल, क्रिएटिव थिंकिंग आदि.

कैसे बने रोबोटिक्स इंजीनियर

- प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करें और बेहतर अंक प्राप्त करें.
- कोर्स और उसके सिलेबस का विस्तृत अध्ययन करें.
- पढ़ाई के बाद अपने लिए सबसे उपयुक्त कॅरियर विकल्प चुनें.
- अपने स्किल्स में सुधार करें.
- रियल टाइम एक्सपीरियंस प्राप्त करने के लिए इंटर्नशिप करें.
- टॉप रिक्रूटिंग कंपनीज में जॉब के लिए आवेदन करें.

रोबोटिक्स स्पेशलिस्ट

- रोबोटिक्स टेक्नीशियन
- मोबाइल रोबोटिक्स एप्लीकेशन इंजीनियर
- रोबोटिक्स एप्लीकेशन इंजीनियर
- लीड रोबोटिक्स सॉफ्टवेयर इंजीनियर

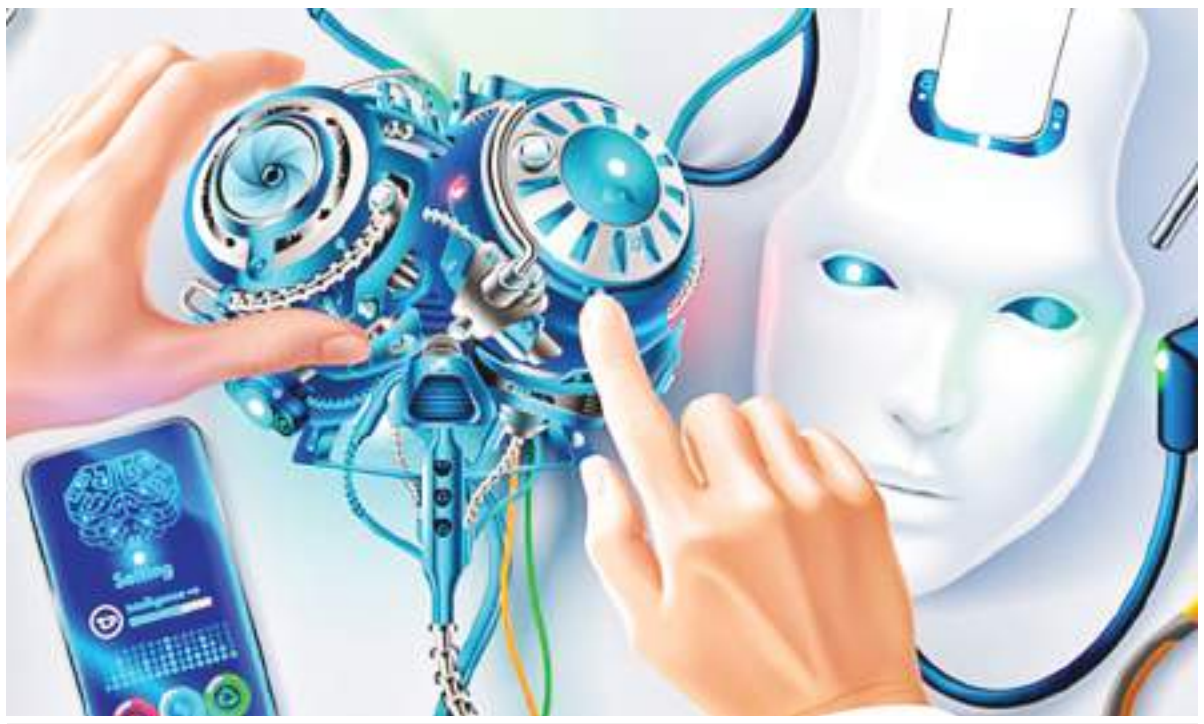

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के लिए योग्यता

- रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम के लिए जरुरी है कि उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से पीसीएम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित) से 10 2 प्रथम श्रेणी से पास किया हो.
- भारत में रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर्स के लिए कुछ कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जेईई मेन्स, जेईई एडवांस जैसे प्रवेश परीक्षा के स्कोर अनिवार्य हैं. साथ ही कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटीज अपनी स्वयं की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करतीं हैं. विदेश में इन कोर्सेज के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित आवश्यक ग्रेड आवश्यकताओं को पूरा करना जरुरी है, जो हर यूनिवर्सिटी और कोर्स के अनुसार अलग-अलग हो सकती है.
- रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में पीजी प्रोग्राम के लिए संबंधित क्षेत्र में प्रथम श्रेणी के साथ बैचलर्स डिग्री होना आवाश्यक है. साथ ही कुछ यूनिवर्सिटीज प्रवेश परीक्षा के आधार पर भी एडमिशन होती है.

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के लिए योग्यता

- भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया
- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

भारत में इंजीनियरिंग के लिए कॉलेज

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रुड़की
- एमिटी यूनिवर्सिटी,गुरुग्राम
- मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,मणिपाल
- चिल्ड्रन्स यूनिवर्सिटी,वडोदरा
- यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी,दिल्ली
- एनआईई मैसूर – नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग,मैसूर
- पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी,कोयंबटूर
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

जॉब अलर्ट

1. दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) ने विभिन्न विषयों के लिए प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के पदों के लिए भर्तियां निकाली है.

- विभाग का नाम – दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
- पद नाम – टीजीटी टीचर
- पद संख्या – 5118
- योग्यता – स्नातक
- नौकरी का स्थान – दिल्ली
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 08 फरवरी - 8 मार्च 2024
- ऑफिशियल साईट – https://dsssb.delhi.gov.in/notifications
- शैक्षणिक योग्यता – मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए और संबंधित विषय में बीएड डिप्लोमा उत्तीर्ण हो.
- आयु सीमा – न्यूनतम -18 वर्ष, अधिकत्म - 30 वर्ष

2. शिक्षा विभाग चंडीगढ़ ने नर्सरी टीचर के पदों के लिए भर्तियां निकाली है.

- विभाग का नाम – चंडीगढ़ शिक्षा विभाग
- पद नाम – नर्सरी टीचर
- पद – 100
- योग्यता – डिग्री
- नौकरी का स्थान – चंडीगढ़
- फॉर्म भरने की तिथि – 10 जनवरी - 5 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – https://www.chdeducation.gov.in
- शैक्षणिक योग्यता – उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त संस्था से सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट/ 50% अंकों के 12वीं पास होना जरूरी है. तथा नर्सरी शिक्षक शिक्षा में डिप्लोमा अनिवार्य हैं.
- आयु सीमा – 18 से 37 वर्ष

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)